शर्मा হার্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 292 | गुवाहाटी | सोमवार, 22 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

असम पुलिस के विभिन्न क्षेत्रों के 83 उप-निरीक्षकों का तबादला — पेज 3
विपक्ष को एकजुट होकर भाजपा के अध्यादेश को संसद में हराना... — पेज 4
प्रधानमंत्री के नौ वर्षों के कार्य से देश का हर नागरिक गौरवन्वित : साध्वी निरंजन ज्योति — पेज 5
~~राजस्थान सहित छह राज्यों की चाबी अपने हाथ में रखेगी जेजेपी~~ — पेज 8

गुवाहाटी में धारा 144 लागू

गुवाहाटी। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए गुवाहाटी में धारा 144 लागू कर दी गई है, जिसमें शहर में पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने और जुलूस निकालने और नारेबाजी करने पर रोक लगा दी गई है। गुवाहाटी पुलिस आयुक्त द्वारा जारी एक नोटिस में कहा गया है कि निषेधात्मक उपायों के तहत पूरे गुवाहाटी शहर में पांच से अधिक व्यक्तियों के जमावड़े और जुलूस निकालने और नारेबाजी करने पर प्रतिबंध है।... मुझे ऐसा प्रतीत हुआ है कि कुछ निर्दिष्ट और अनिर्दिष्ट व्यक्तियों या व्यक्तियों या संगठनों के समूह के कार्यालयों के सामान्य कामकाज, जनता की आवाजाही और पुलिस आयुक्तालय, गुवाहाटी के अधिकार क्षेत्र के किसी भी हिस्से में यातायात के प्रवाह को बाधित करने की संभावना है। और यह आशंका है कि व्यक्तियों के ऐसे समूह या संगठन/संघ पुलिस आयुक्तालय, गुवाहाटी के किसी भी हिस्से में आंदोलन/प्रदर्शन/नारे लगाने की योजना बना रहे हैं जिससे शांति और सार्वजनिक व्यवस्था भंग हो सकती है और शांतिपूर्ण आंदोलन में बाधा उत्पन्न हो सकती है। जनता, यातायात और स्थानीय निवासियों की सामान्य गतिविधियों और उपर्युक्त क्षेत्र में कार्यालयों के कामकाज के बारे में भी, अधिसूचना में कहा गया है। इसमें आगे उल्लेख किया गया है कि जनता की शांतिपूर्ण आवाजाही, यातायात और स्थानीय निवासियों की सामान्य गतिविधियों और उपर्युक्त क्षेत्र में कार्यालयों के कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए निवारक उपाय करना आवश्यक है।

जीएटीसी ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस

गुवाहाटी। आज यानि 21 मई को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में गुवाहाटी चाय नीलामी केंद्र (जीएटीसी) ने रविवार को चाय उद्योग के विभिन्न हितधारकों के साथ इस दिन को मनाया। असम चाय के 200 वर्ष भी आज पूरे हुए है। इस अवसर को देखते हुए जीटीएसी टी लाउंज ने आम जनता को मुफ्त में सबसे अच्छी गुणवत्ता वाली सीटीसी/ग्रीन चाय वितरित करने के लिए एक कियोस्क खोला है। जीटीएसी बायर्स एसोसिएशन के सचिव दिनेश बिहानी ने कहा कि असम की चाय को बढ़ावा देने के लिए इस दिन जीटीएसी में मुफ्त में चाय परोस रहे हैं। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र ने 21 मई को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस घोषित किया था। इस दिन को सांस्कृतिक महत्व और स्वास्थ्य लाभों का जश्न मनाने के लिए मनाया जाता है।

दिनेश बिहानी ने कहा कि आज हमारे लिए बहुत खुशी का दिन है। असम चाय को बढ़ावा देने के लिए, हम यहां जीटीएसी में मुफ्त में चाय परोस रहे हैं। हम -शेष पृष्ठ दो पर

असम की कड़क चाय ने करोड़ो लोगों को दिन दिखाया है : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज (रविवार) अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने फेसबुक पर वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि 200 वर्ष से असम की कड़क चाय ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को दिन दिखाया है। उन्होंने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस पर हम अपने 70 लाख मजबूत चाय उद्यान समूह के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं और भारत राष्ट्रीय पेय के द्विपक्षीय वर्ष को भव्य रूप से मनाते हैं।

मणिपुर में हिंसा के बाद हालात हो रहे सामान्य

इंफाल। मणिपुर में बीते दिनों हुई हिंसा के बाद अब राज्य में हालात सामान्य होने लगे हैं। इस बीच मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य के हालातों को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अब हमारा मिशन मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करना है। मणिपुर हिंसा पर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा कि समुदायों के बीच कोई लड़ाई नहीं थी और ऐसा नहीं होना चाहिए, वह सरकार के साथ है, जब भी सरकार कुछ करने की कोशिश करती है, तो प्रतिरोध और स्वीकृति दोनों होगी। अब हमारा मिशन मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करना है। बता दें कि 3 मई को -शेष पृष्ठ दो पर

वंदे भारत गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय रेल सेवा का नवीनतम और अत्याधुनिक वंदे भारत ट्रेन आज गुवाहाटी पहुंची। ट्रेन का ट्रायल रन आज सुबह 6.10 बजे न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू किया गया और दोपहर 11.55 बजे ट्रेन पलटन बाजार स्थित गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर सफलतापूर्वक पहुंच गई। इस तरह आज गुवाहाटी तक *वंदे भारत* ट्रेन का ट्रायल रन सफलतापूर्वक किया गया। ट्रेन ने अपनी ट्रायल रन यात्रा -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

कांग्रेस ने ओबीसी समाज को कभी महत्व नहीं दिया : शाह

अहमदाबाद (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद के शाहीबाग में आयोजित मोदी समाज के राष्ट्रीय महासम्मेलन में कांग्रेस पर हमला बोला। शाह ने कहा कि कांग्रेस के 56 साल के शासन में ओबीसी समाज का कभी भला नहीं हुआ। कांग्रेस ने ओबीसी समाज को प्रताड़ित और अपमानित किया है, जबकि भाजपा ने इस समाज को सम्मान दिया। शाह ने कहा कि भाजपा ने ही देश को पहला ओबीसी समाज का प्रधानमंत्री दिया। मोदी सरकार में 27 केंद्रीय मंत्री ओबीसी समाज से हैं। साथ ही भाजपा ने ही सबसे अधिक मुख्यमंत्री भी इसी समाज से दिए हैं। भाजपा सरकार ने ओबीसी सूची में बार-बार संशोधन भी -शेष पृष्ठ दो पर

अदाणी : शेयरों में छह संस्थाओं की होगी जांच

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग रिपोर्ट जारी होने से पहले चार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) सहित छह संस्थाएं अदाणी समूह के शेयरों में संदिग्ध व्यापार के लिए जांच के दायरे में हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति ने इसकी जानकारी दी है। 178 पेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिपोर्ट जारी होने से पहले अदाणी के शेयरों में शॉर्ट पोजिशन का निर्माण हुआ, जिसके बाद पर्याप्त मुनाफा दर्ज किया गया था। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में इसे कॉर्पोरेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया है। 24 जनवरी को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद अदाणी समूह के शेयरों में गिरावट आई थी। रिपोर्ट के जारी होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 2 मार्च को विशेषज्ञ समिति का गठन किया और कहा कि अगर शेयर की कीमतों में हेरफेर की गई थी, तो इसकी जांच की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एएम सप्रे की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति ने मार्च 2000 और दिसंबर 2022 के बीच अदाणी समूह की कंपनियों की कीमतों में तेज वृद्धि और 24 जनवरी के बाद उनके मंदी के दौरान कोई नियामक विफलता नहीं पाई। रिपोर्ट में कहा गया है कि छह संस्थाओं को जांच के दायरे में रखा गया है। विशेषज्ञ समिति ने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट से पहले अडानी के शेयरों में इन संस्थाओं द्वारा शॉर्ट पोजीशन बनाने और 24 जनवरी को रिपोर्ट के पब्लिश होने के बाद उनके शॉर्ट पोजीशन को कम करके उनके द्वारा अर्जित पर्याप्त लाभ के कारण यहां ट्रेडिंग पैटर्न संदिग्ध है। छह संस्थाओं के व्यापार के संबंध में विस्तृत जांच की जा रही है। -शेष पृष्ठ दो पर

नए संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति करें : राहुल

नई दिल्ली। नए संसद भवन के उद्घाटन पर बवाल मची है। अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि नए भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिए, न कि प्रधानमंत्री को। नए संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को करेंगे। कांग्रेस नए भवन को प्रधानमंत्री का वैनिटी प्रोजेक्ट बता चुकी है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर उन्हें नए भवन के उद्घाटन का न्योता दिया था। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

जी20 की बैठक : जैश का आतंकी गिरफ्तार पाकिस्तान की घिनौनी साजिश का खुलासा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। इसे सुरक्षा बलों की आवाजाही की खुफिया जानकारी को आतंकवादियों से साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा से आरोपी मोहम्मद उबैद मलिक की गिरफ्तारी हुई है। प्रवक्ता ने बताया कि यह गिरफ्तारी ऐसे वक्त में हुई है जब सीमा पार से भारत को अस्थिर करने के लिए जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमला करने की साजिशों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि मलिक पाकिस्तान में बैठे जेईएम कमांडर के लगातार संपर्क में था। जांच में पता चला कि वह उसे गुप्त जानकारी भेज रहा था, खासकर, सुरक्षा बलों की आवाजाही को लेकर। अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तारी के समय उसके कब्जे से विभिन्न आपत्तिजनक -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी से बाइडेन बोले- आप मेरे लिए समस्या खड़ी कर रहे हैं

टोक्यो। जापान में क्वाड बैठक के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बनीस ने पीएम मोदी से उनकी अनौखी चुनौती की शिकायत की। राष्ट्रपति बाइडेन पीएम मोदी के पास आए और बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रमुख नागरिकों के अनुरोधों की बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बनीज ने कहा कि सिडनी में सामुदायिक स्वागत के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री मोदी के पीएम मारपे ने छूए पैर

पापुआ न्यू गिनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद रविवार को पापुआ न्यू गिनी पहुंचे। उनका विमान मोरेस्बी (जैक्सन) अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर उतरा। इस दौरान उनका पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया। इस दौरान पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मारपे भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री जेम्स मारपे ने पीएम मोदी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। जवाब में पीएम मोदी ने उन्हें गले लगाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। प्रधानमंत्री मोदी एफआईपीआईसी शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पापुआ न्यू गिनी पहुंचे हैं। पापुआ न्यू गिनी का यह पीएम मोदी का पहला और भारत के किसी भी प्रधानमंत्री का पहला दौरा है। इस वजह से भी यह दौरा बेहद खास है। सामान्य तौर पर पापुआ न्यू गिनी में शाम ढलने के बाद राष्ट्राध्यक्षों को पारंपरिक स्वागत नहीं किया जाता है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के मामले में पापुआ न्यू गिनी ने अपनी परंपरा को बदल -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दुर्बल के साथ संधि न करें।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

सनातन धर्म के लोगों के कारण देश आगे बढ़ रहा : तेमजिन

लखनऊ (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नगालैंड के प्रदेश अध्यक्ष तेमजिन एमना एलांग ने रविवार को सहकारिता भवन के चौधरी चरण सिंह सभागार में डा.भूपेंद्र सिंह की लिखित पुस्तक द *कामन सेंस* का लोकार्पण किया। इस मौके पर बोलते हुए तेमजिन एमना एलांग ने कहा कि आज सनातन धर्म के लोगों के कारण देश आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्नति व विकास की दौड़ में देश को आगे ले जाने का काम कर रहे हैं लेकिन कुछ शक्तियां देश को तोड़ने का काम कर रही हैं। ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। मुगलों -शेष पृष्ठ दो पर

बेंगलुरु में बारिश से उखड़े पेड़, बहुमंजिला इमारत हुई धराशायी, सीएम ने नुकसान का लिया जायजा

बेंगलुरू। बेंगलुरू में रविवार को भारी बारिश के बीच विधानसौध के पास के. आर. सर्किल अंडरपास में पानी भरने के कारण कार में अपने परिवार के साथ यात्रा कर रही 22 वर्षीय युवती की डूबने से मौत हो गई। शहर के बीचो बीच अंडरपास में पानी भरने से जलमग्न कार में सवार परिवार के पांच अन्य सदस्यों तथा चालक को दमकल और आपात सेवा कर्मियों ने वहां मदद करने पहुंचे लोगों की मदद से बचा लिया। कार में सवार सभी लोगों को सेंट मार्था अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने भानुरेखा नाम की युवती को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री सिद्धरमैया अस्पताल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपए मुआवजा देने और अस्पताल में भर्ती लोगों के मुफ्त इलाज की घोषणा की। सिद्धरमैया ने संवाददाताओं से कहा कि आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से परिवार ने एक कार किराए पर ली थी और बेंगलुरू घूमने आया था। भानुरेखा इंफोसिस में काम करती थीं। बारिश के कारण, अंडरपास का बैरिकेड गिर गया और ड्राइवर ने -शेष पृष्ठ दो पर

जब तक 370 वापस नहीं होगा चुनाव नहीं लड़ूंगी : महबूबा

बेंगलुरू। कर्नाटक में नए सीएम और डिप्टी सीएम के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने गईं जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एक बार फिर केंद्र के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने घाटी में अनुच्छेद 370 को फिर से लागू करने की मांग करते हुए बड़ा एलान भी कर दिया। पूर्व मुखयमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा ने कहा कि वे जब तक घाटी में अनुच्छेद 370 को दोबारा लागू नहीं किया जाएगा तब तक वे विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। इस दौरान उन्होंने कर्नाटक विधानसभा चुनाव परिणामों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हुए चुनावों के परिणामों ने यह दिखा दिया है कि आपकी ताकत इन एजेंसियों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

धर्म के नाम पर कुछ ताकतें दंगा करा रही हैं : शरद पवार

मुंबई (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि कुछ ताकतें धर्म के नाम पर दंगा करा रही हैं। उन्होंने कहा कि अहमद नगर में इसी वजह से दंगा हुआ और तीन दिन अहमदनगर दंगे की आग में झुलसता रहा। इससे आमजन और व्यापारियों का काफी नुकसान हुआ है। शरद पवार रविवार को अहमदाबाद में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में भी चुनाव से पहले इसी तरह का प्रयोग किया गया था। नफरत फैलाने के लिए सत्ता का इस्तेमाल किया गया था। लेकिन आम जनता ने इस तरह के प्रयोग को असफल कर दिया। शरद पवार ने कहा कि जो कर्नाटक में हुआ वह अन्य राज्यों में भी हो सकता है। इसलिए सभी दलों को इससे सीख लेनी चाहिए। शरद पवार ने कहा कि धर्म के नाम पर दूरी बढ़ाई जा रही है। कुछ ताकतें जाति की खाई को चौड़ा करके संघर्ष को बढ़ा रही हैं। उस शक्ति से लड़ने की चुनौती आप और हम पर है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो मेहनतकशों का जीवन बर्बाद हो जाएगा। हमें इसके लिए तैयारी करनी चाहिए। शरद पवार ने कहा कि देश में तस्वीर बदल रही है। मैं कल बैंगलोर में था। नई सरकार आई है। कुछ लोगों ने वहां कई वर्षों तक शासन किया। उन लोगों ने अपनी सरकार के दौरान लोगों में नफरत फैलाने का काम किया। पूरे देश को लगा था कि सत्तारूढ़ भाजपा कर्नाटक चुनाव जीत जाएगी। लेकिन कल शपथ ग्रहण समारोह हुआ और आम आदमी की सरकार सत्ता में आ गई। शपथ ग्रहण समारोह में एक लाख से ज्यादा लोग शामिल हुए। उनमें से 70 प्रतिशत युवा थे और सभी जाति के थे। शरद पवार ने कहा कि कर्नाटक में, धनगर समुदाय का एक व्यक्ति मुख्यमंत्री बना। वह मेहनती है और वहां के लोगों के कल्याण की देखभाल करता है। इतनी छोटी जाति के व्यक्ति ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मेहनतकश लोग एकजुट थे। अगर यह कर्नाटक में एकजुट हो सकता है, तो यह कोशिश करने का समय है कि इसे देश के अन्य राज्यों में भी एकजुट किया जाए।

कर्नाटक : शपथ समारोह में विपक्षी एकता पर सिब्बल ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में बड़ी संख्या में विपक्ष के नेताओं के मौजूद होने के बीच राज्यसभा के सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि विपक्षी एकता के लिए इस प्रकार का दिखावा करने के बजाय समान सोच एवं साझा एजेंडे पर काम करने तथा दलगत हितों को त्यागने की आवश्यकता है। बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के शीर्ष नेता नीतीश कुमार, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता एम. के. स्टालिन और नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के नेता फारूक अब्दुल्ला समेत विपक्षी दलों के कई नेता शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री के तौर पर सिद्धरमैया के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। विपक्षी दलों की एक प्रमुख आवाज माने जाने वाले सिब्बल ने ट्वीट किया कि सिद्धरमैया का शपथ ग्रहण समारोह: बड़ी संख्या में नेताओं की मौजूदगी क्या विपक्ष की एकता का संकेत है? मेरा विचार है: विपक्ष की एकता को इस प्रकार के दिखावे से अधिक की जरूरत है। इसके लिए सोच मिलने, साझा एजेंडा होने, दलगत हितों का त्याग करने की आवश्यकता है। सिब्बल संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के पहले तथा दूसरे कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने पिछले वर्ष मई में कांग्रेस छोड़ दी थी और उन्हें समाजवादी पार्टी के सहयोग से निर्दलीय सदस्य के तौर पर राज्यसभा के लिए चुना गया था। उन्होंने अन्याय के खिलाफ लड़ने के मकसद के साथ हाल में एक गैर-चुनावी मंच *इंसाफ* का गठन किया है।

राज्यपाल ने 10 तपेदिक रोगियों को लिया गोद

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने 20 मई को राजभवन में निक्षय मित्र अभियान के हिस्से के रूप में राज्य के 10 तपेदिक रोगियों को गोद लिया, जो प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी रोगियों के लिए एक सामुदायिक सहायता पहल है। एनएचएम असम के मिशन निदेशक कार्यालय के सूत्रों ने आज बताया है कि टीबी रोगियों की ओर से एनएचएम असम की मिशन निदेशक डॉ. एमएस लक्ष्मी प्रिया, एनएचएम असम के जोनल प्रशासनिक अधिकारी जयंत दत्ता, डॉ. अविजीत बसु संयुक्त निदेशक (टीबी), डब्ल्यूएचओ के सलाहकार डॉ. पलाश तालुकदार ने असम के राज्यपाल से पोषण संबंधी सहायता के रूप में भोजन की टोकरी प्राप्त किया। इस मौके पर असम के राज्यपाल आयुक्त और सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम, असम के राज्यपाल राजभवन के सचिव स्वप्ना दत्ता डेका और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, असम के प्रमुख अधिकारियों के साथ उपस्थित थे।

अगरतला-सिकंदराबाद-अगरतला स्पेशल ट्रेन की सेवा बढ़ी

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने यात्रियों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए साप्ताहिक अगरतला-सिकंदराबाद-अगरतला स्पेशल ट्रेन की सेवा को 5 जून से 4 अगस्त तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन अपने मौजूदा ठहराव, समय-सारिणी और और संशोधित संरचना के साथ चलेगी। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि ट्रेन संख्या 07030 (सिकंदराबाद-अगरतला) स्पेशल की सेवाओं को 5 जून से 31 जुलाई तक बढ़ाया गया है। यह ट्रेन सिकंदराबाद से प्रत्येक सोमवार को 16.35 बजे रवाना होकर गुरुवार को अगरतला 03.00 बजे पहुंचती है। वापसी में, ट्रेन संख्या 07029 (अगरतला- सिकंदराबाद) स्पेशल की सेवाओं को 9 जून से 4 अगस्त तक बढ़ाया गया है। यह ट्रेन अगरतला से प्रत्येक शुक्रवार को 06.10 बजे रवाना होकर रविवार को 16.15 बजे सिकंदराबाद पहुंचती है। इसके अलावा, स्थानीय लोगों की मांगपूर्ति के लिए, ट्रेन संख्या 15663/15664 (अगरतला-सिलचर- अगरतला) एक्सप्रेस का जोगेन्द्रनगर, जिरानिया और मनु स्टेशनों पर 20 मई से प्रायोगिक आधार पर ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। नये ठहराव के साथ ट्रेन की पहली सेवा को त्रिपुरा सरकार में माननीय परिवहन और पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी ने कल स्थानीय यात्रियों और रेल अधिकारियों की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर जिरानिया से रवाना किया। तदनुसार, ट्रेन संख्या 15663 (अगरतला-सिलचर) एक्सप्रेस जोगेन्द्रनगर 11.10 बजे, जिराणीया 11.26 बजे और मनु 12.59 बजे पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 15664 (सिलचर-अगरतला) एक्सप्रेस मनु 13.59 बजे, जिरानिया 15.30 बजे और जोगेंद्रनगर 15.47 बजे पहुंचेगी। प्रत्येक स्टेशन पर ठहराव समय एक मिनट के लिए होगा।

पृष्ठ एक का शेष

जीएटीसी ने मनाया...

सभी चाय प्रेमियों का यहां स्वागत करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि चाय उद्योग से जुड़े सभी लोगों के काम को मान्यता देने के लिए चाय दिवस मनाया जाता है। यह दिन चाय उद्योग, अर्थव्यवस्थाओं पर इसके प्रभाव और दुनिया भर में उपलब्ध चाय की विविध रेंज के बारे में जागरूकता बढ़ाने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। जीटीएसी दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चाय नीलामी केंद्र है। शनिवार को गुवाहाटी टी ऑक्शन बायर्स एसोसिएशन (जीटीएबीए) के सचिव दिनेश बिहानी ने कहा था कि हम, गुवाहाटी टी ऑक्शन सेंटर के सदस्य और जीटीएसी टी लाउंज भी 21 मई को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस मना रहे हैं। इस मौके पर जीटीएसी टी लाउंज अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर आम जनता को मुफ्त चाय देने के लिए जीटीएसी परिसर में एक चाय की दुकान लगा रहा है। दिनेश बिहानी ने कहा कि आज हमारे असम चाय उद्योग को 200 साल पूरे हो गए हैं। गुवाहाटी चाय नीलामी केंद्र ने असम चाय के 200 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए साल भर चलने वाले कार्यक्रम आयोजित करने की भी योजना बनाई है। गुवाहाटी चाय नीलामी केंद्र (जीटीएसी) दुनिया की सबसे व्यस्त चाय व्यापार सुविधाओं में से एक है।

मणिपुर में हिंसा...

मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के तोरबंग इलाके में हिंसा भड़क उठी थी। जिसके बाद 4 मई को यहां हालात काबू से बाहर हो गए थे। हालात पर काबू पाने के लिए राज्य सरकार ने गंभीर स्थिति होने पर देखते ही गोली मारने का आदेश दिया था। उल्लेखनीय है मणिपुर में पिछले कई दिनों से मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रहने से बैंकिंग, सरकारी और गैर-सरकारी सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। मणिपुर के ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन (एटीएसयूएम) द्वारा एसटी श्रेणी में मेइती समुदाय को शामिल करने की मांग का विरोध करने के लिए बुलाए गए *आदिवासी एकजुटता मार्च* के दौरान और उसके बाद राज्य में 10 से अधिक जिलों में हिंसक झड़पें हुईं थीं। इसके बाद मणिपुर सरकार ने 3 मई को मोबाइल इंटरनेट को निलंबित कर दिया था। वहीं, मणिपुर कांग्रेस के प्रवक्ता निंगोमबम बुपेंडा मेइती ने शनिवार को एक ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कृपया मणिपुर में इंटरनेट प्रतिबंध हटा दें। आज 20 मई है। 3 मई से इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। मैं आज के डिजिटल इंडिया में न आपके ट्वीट पढ़ सकता हूं और न ही अमित शाह के ट्वीट।

वंदे भारत गुवाहाटी ...

महज 5 घंटे 45 मिनट में पूरी की। यह पता चला है कि पूरी तरह से चालू होने के बाद ट्रेन में यात्रा का समय कम होने की संभावना है। वंदे भारत ट्रेन यात्रा न्यू जलपाईगुड़ी से गुवाहाटी रेलवे स्टेशन तक किसी भी ट्रेन की सबसे तेज यात्रा है। इससे पहले राजधानी एक्सप्रेस ने 6 घंटे 30 मिनट में सफर पूरा करती है। वंदे भारत की सेवा का इंतजार पूर्वोत्तर के यात्री पिछले काफी समय से कर रहे हैं। संभवतः ट्रेन की निमित यात्रा जल्द ही शुरू होने जा रही है। वंदे भारत को पूर्वोत्तर में चलाने के लिए पहले भी कई बार समय-समी निर्धारित की गई थी, लेकिन किन्हीं कारणों से इसकी सेवा शुरू नहीं हो पाई थी, लेकिन अब गुवाहाटी-न्यू जलपाईगुड़ी रूट पर वंदे भारत की सेवा शुरू होने जा रही है।

कांग्रेस ने ओबीसी ...

किया। महासम्मेलन में केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा कि ओबीसी और गरीब समाज के लिए भाजपा सरकार ने कई योजनाएं लागू की हैं। भाजपा के सूरत पश्चिम के विधायक और मोदी समाज के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्णेश मोदी की उन्होंने इस अवसर पर सराहना की। मोदी समाज की मानहानि के केस में पूर्णेश मोदी की याचिका पर ही कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सदस्यता रद्द की है। इस अवसर पर अमित शाह ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 9 साल के शासन में ही मोदी सरकार ने ओबीसी समाज के लिए कई बड़े काम किए। 13 करोड़ गरीबों के घर में गैस सिलेंडर पहुंचाए गए। 17 करोड़ लोगों को 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा कवच दिया गया। इसके अलावा 80 करोड़ लोगों को 5 किलो मुफ्त अनाज दिया गया। शाह ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आज मोढ़ेश्वरी माता का उपासक समाज एकजुट हुआ है। उसे बड़ी पहचान मिली है। शाह ने कार्यक्रम में पीएम मोदी के संघर्ष का उल्लेख किया और कहा कि वे आज देश के प्रधानमंत्री बने हैं तो इसके पीछे उनके मुख्यमंत्री के तौर पर किए गए अच्छे कार्य शामिल हैं। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन समस्त गुजराती मोढ मोदी समाज ट्रस्ट की ओर से किया गया। इसके प्रमुख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बड़े भाई सोमाभाई मोदी हैं। इस सम्मेलन में पूर्णेश मोदी भी उपस्थित रहे। पूर्णेश मोदी समस्त गुजराती मोढ मोदी समाज ट्रस्ट के कार्यकारी प्रमुख हैं।

अदाणी : शेयरों में ...

समिति यह सुनिश्चित करना चाहता है कि जांच लंबित होने पर सेबी सहित संबंधित पक्षों की स्थिति से किसी भी तरह से समझौता नहीं किया जाए। ये मामले जांच के अधीन हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जिस पैनल का गठन किया है उसकी अध्यक्षता रिटायर्ड जस्टिस अभय मनोहर सप्रे ने किया है। इसके अलावा इस समिति में जस्टिस जेपी देवधर, केवी कामथ, नंदन नीलकेणी, ओपी भट्ट और सोमशेखर सुंदरेशन थे।

नए संसद भवन का ...

नए भवन का उद्घाटन पीएम के हाथों कराए जाने पर विपक्षी नेता सवाल कर रहे हैं, आखिर उद्घाटन के लिए पीएम को क्यों न्योता दिया गया। पीएम सरकार के हेड होते हैं ना कि विधायिका के। भवन का निर्माण जनता के पैसे से हुआ है, पीएम इस तरह बर्ताव कर रहे हैं, जैसे उनके *दोस्त* के पैसे से बना है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने पूछा कि नए संसद भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री क्यों करेंगे? लोकसभा अध्यक्ष या राज्यसभा अध्यक्ष को इसका उद्घाटन करना चाहिए। नए भवन के उद्घाटन के ऐलान के बाद कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने पीएम की सेफ्टी कैप वाली तस्वीर शेयर की। ट्वीट में उन्होंने कहा कि एकमात्र आर्किटेक्ट, डिजाइनर और मजदूर जो 28 मई को नए भवन का उद्घाटन करेंगे। तस्वीर से साफ है कि यह उनका निजी प्रोजेक्ट है। हालांकि, संसद से अयोग्य सांसद राहुल गांधी कह रहे हैं कि इसका उद्घाटन राष्ट्रपति द्वारा किया जाना चाहिए। नए संसद भवन में 888 सदस्य बैठ सकते हैं। वर्तमान लोकसभा भवन में लगभग 543 सदस्य बैठ सकते हैं और राज्यसभा भवन में 250 सदस्य बैठ सकते हैं। माना जा रहा है कि आने वाले समय में संसद में सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाएगी। मौजूदा संसद भवन 1927 में बना था, जो अब करीब 100 साल पुराना होने जा रहा है। लोकसभा सचिवालय ने कहा कि मौजूदा जरूरतों के हिसाब से जगह की कमी महसूस की गई। दोनों सदनों में सांसदों के बैठने की सुविधाजनक व्यवस्था का भी अभाव था, जिससे काम भी प्रभावित हो रहा था।

जी20 की बैठक : जैश...

दस्तावेज बरामद किए गए हैं जो आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ाने में उसकी संलिप्तता को दर्शाते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि एनआईए ने पिछले साल 21 जून को आंतकवाद की साजिश का मामला दर्ज किया था ताकि पाकिस्तान में बैठे विभिन्न आतंकी संगठनों के कमांडरों के निर्देश पर आतंकवादी और उनके सहयोगियों द्वारा रची जा रही साजिशों का पता लगाया जा सके। अधिकारी ने कहा कि इसमें बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों, हथियारों और आईईडी और नकद को हासिल करना और फिर इनका वितरण करना शामिल है। इनमें रिमोट संचालित और चिपकने या चुंबकीय (स्टीकी/मैगनेटिक) गुण से युक्त बम भी शामिल हैं। प्रवक्ता ने कहा कि आईईडी और विस्फोटक ड्रोन का इस्तेमाल कर अक्सर सीमा पार से भेजे जाते थे और जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला करने के लिए इन्हें स्थानीय स्तर पर भी तैयार किया जाता था। अधिकारी ने बताया कि हमलों से मुख्य रूप से अल्पसंख्यकों और सुरक्षा बलों के कर्मियों को निशाना बनाया गया है। उधर, पर्यटन पर जी20 की कार्यकारी समूह की सोमवार से शुरू हो रही तीन दिवसीय बैठक के लिए श्रीनगर शहर को सजाया गया है और कश्मीर घाटी में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं ताकि यह हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम शांतिपूर्वक आयोजित किया जाए। श्रीनगर हवाई अड्डे से आयोजन स्थल शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) तक मार्ग का कायाकल्प किया गया है। इस रास्ते की दीवारों पर जी20 लोगो की चित्रकारी की गई है और प्रतिनिधियों का स्वागत करने के लिए होर्डिंग लगाए गए हैं। उत्तर कश्मीर में गुलमर्ग पर्यटक रिजॉर्ट का भी सौंदर्यीकरण किया गया है। इस रिजॉर्ट में भी एक बैठक होनी है। प्राधिकारी जी20 की बैठक के मद्देनजर कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं और घाटी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और मरीन कमांडो आयोजन स्थलों की सुरक्षा में पुलिस तथा अर्द्धसैन्य बलों की मदद कर रहे हैं। आयोजन स्थल के आसपास के इलाकों, मार्गों और शहर के संवदेनशील स्थानों की व्यापक स्तर पर तलाश ली गई है। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षबलों को तैनात किया गया है। विस्फोटकों या आईईडी का पता लगाने के लिए स्कैनर और खोजी कुत्तों की मदद ली गई है। उन्होंने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए शहर से गुजर रहे वाहनों की तलाशी ली जा रही है कि कोई अराजक तत्व शहर में प्रवेश न कर सकें।

मोदी से वाइडेन ...

आयोजन स्थल पर 20 हजार लोगों की क्षमता है, लेकिन वह अभी भी लोगों के अनुरोधों को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया के पीएम ने याद किया कि कैसे अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 90 हजार से अधिक लोग स्वागत के लिए पहुंचे थे। इस पर जो बाइडेन ने पीएम मोदी से मुस्कुराते हुए कहा कि मैं आपका ऑटोग्राफ ले लूं। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति बाइडेन के कहा किआप मेरे लिए एक वास्तविक समस्या पैदा कर रहे हैं। अगले महीने हमारे पास वाशिंगटन में आपके लिए एक रात्रिभोज है। पूरे देश में हर कोई आना चाहता है। मेरे टिकट खत्म हो गए हैं। आपको लगता है कि मैं मजाक कर रहा हूं? मेरी टीम से पूछें, मुझे फोन मिल रहे हैं। ऐसे लोगों के कॉल जिनके बारे में मैंने पहले कभी नहीं सुना। फिल्मी सितारों से लेकर रिश्तेदारों तक हर कोई। आप बहुत लोकप्रिय हैं। बाइडेन ने कहा किप्रधानमंत्री जी, आपने हर चीज पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है, हम क्वॉड में क्या कर रहे हैं। आपने जलवायु में एक मौलिक बदलाव भी किया है। इंडो-पैसिफिक में आपका प्रभाव है। आप एक अंतर पैदा कर रहे हैं। बता दें कि पीएम मोदी मंगलवार को सिडनी में एक सामुदायिक कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलियाई सीईओ, व्यापारिक नेताओं के साथ बैठक करेंगे और भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करेंगे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन और उनकी पत्नी के निमंत्रण पर जून में पीएम मोदी राजकीय यात्रा पर अमेरिका जाएंगे। अमेरिकी नेता व्हाइट हाउस में पीएम मोदी के राजकीय रात्रिभोज की मेजबानी करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के ...

दिया है। पीएम मोदी के पापुआ न्यू गिनी पहुंचने पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ पारंपरिक स्वागत किया गया। पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री खुद एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के स्वागत के लिए पहुंचें। इसके बाद पीएम मोदी को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। यहां प्रवासी भारतीयों ने भी पीएम मोदी का स्वागत किया। चीन हिंद और हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति लगातार मजबूत कर रहा है। अब भारत ने भी चीन को उसके पड़ोस में चुनौती देने की तैयारी कर ली है। इसके तहत भारत हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है। इसी के तहत पीएम मोदी का पापुआ न्यू गिनी का दौरा बेहद अहम है। पीएम मोदी पापुआ न्यू गिनी में फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कॉपरेशन सम्मेलन की तीसरी बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। यह सम्मेलन पापुआ न्यू गिनी में होगा और इसमें हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र के 14 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह बैठक सोमवार को होगी। साल 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने ही फिजी में एफआईपीआईसी की शुरुआत की थी। इसके बाद पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया में पीएम मोदी सिडनी में एक विशेष कार्यक्रम में भारतीय मूल के नागरिकों से मुलाकात करेंगे। यह कार्यक्रम हैरिस पार्क इलाके में होगा, जिसे लिटिल इंडिया के रूप में जाना जाता है।

बेंगलुरु में बारिश ...

अंडरपास को पार करने का जोखिम उठाया, जो उसे नहीं करना चाहिए था। भानुरेखा 22 साल की थीं। घटना को कवर कर रहे पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से शिकायत की कि जब भानुरेखा को अस्पताल लाया गया तब वह जीवित थीं, लेकिन चिकित्सकों ने उनका उपचार करने से इनकार कर दिया। इस पर सिद्धरमैया ने कहा कि वह इसकी जांच करवाएंगे और कार्रवाई की जाएगी। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक अंडरपास में पानी के स्तर को महसूस किए बिना, कार ड्राइवर ने आगे बढ़ने की कोशिश की लेकिन बीच में ही कार लगभग जलमग्न हो गई। आनन-फानन में गाड़ी में बैठे लोग खुद को बचाने के लिए बाहर निकले। बारिश के कारण जलस्तर बढ़ने लगा। जैसे ही परिवार के सदस्यों ने मदद के लिए शोर मचाया, आस-पास के लोग उन्हें बचाने के लिए आगे आए। लोगों ने साड़ियों और रस्सियों की मदद से उन्हें वहां से निकालने का प्रयास किया। सूत्रों ने कहा कि फंसे हुए लोगों ने निकलने की कोशिश की लेकिन वे असफल रहे। उनमें से दो को आपातकालीन सेवा कर्मियों ने खींच कर बाहर निकाला, जबकि अन्य को सीढ़ी का इस्तेमाल करके बाहर लाया गया। के. आर. सर्कल में एक ऑटोरिक्शा भी फंस गया और एक महिला यात्री ने वाहन के ऊपर चढ़कर अपनी जान बचाई। बचावकर्मियों ने उसे भी बचा लिया। इस बीच, शहर के मध्य में मैजेस्टिक के पास जलभराव से एक अन्य अंडरपास में कई वाहन फंस गए। लोगों को अपने वाहनों से निकलने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई लोगों ने शिकायत की कि जब भी शहर में भारी बारिश होती है तो जगह में बाढ़ आ जाती है और इसे रोकने के लिए कोई उपाय नहीं किए गए हैं। शहर में अचानक हुई बारिश से कई घरों में भी बारिश का पानी घुस गया। नगर निगम के एक अधिकारी के मुताबिक शहर के अन्य हिस्सों से भी जलभराव की सूचना मिली है। कई इलाकों में पेड़ गिर गए, घरों और वाहनों को नुकसान पहुंचा।

जब तक 370 वापस...

की ताकत वाली सरकार को हरा सकती है। महबूबा ने केंद्र द्वारा दिल्ली के संबंध में लाए गए अध्यादेश पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए एक वेक-अप कॉल है क्योंकि यह देश में कहीं भी हो सकता है। कर्नाटक में जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम ने *फासीवादी* भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए राज्य के लोगों की सराहना की। रविवार को वहां पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने दिल्ली के हालिया घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए सभी को सतर्क रहने को भी कहा। उन्होंने दिल्ली के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ राष्ट्रपति द्वारा पारित एक अध्यादेश को लेकर कहा कि यह पूरे देश को जगाने वाला है। जम्मू-कश्मीर में जो कुछ भी हुआ वह पूरे देश में होने जा रहा है। आगे बोलते हुए उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी कोई विपक्ष नहीं चाहती है। दिल्ली सरकार को शक्तिहीन कर दिया गया है। यह सभी के साथ होने जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा में सभी ने कर्नाटक चुनाव लड़ने के लिए धर्म का इस्तेमाल किया लेकिन फिर भी लोगों ने उन्हें वोट दिया। पीडीपी प्रमुख ने आगे कहा कि कर्नाटक के लोगों ने हमें रास्ता दिखाया है, कि ताकत लोकतंत्र में सत्ता एजेंसियों और संस्थानों को आपके वोट से हराया जा सकता है। मैं इस देश के संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और धर्मनिरपेक्ष संस्कृति में विश्वास रखने वाले अधिकांश विपक्षी दलों को एक साथ लाने के लिए उन्हें धन्यवाद देती हूं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत की नींव रखी थी। इस दौरान महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जम्मू और कश्मीर *फासीवादी ताकतों* का पहला शिकार था। जब स्वतंत्रता के समय पूरा उपमहाद्वीप सांप्रदायिक आग से जल रहा था तब मुस्लिम बहुल राज्य होने और सभी बाधाओं के बावजूद, जम्मू और कश्मीर ने भारत के विचार के साथ संरेखित करने का निर्णय लिया था। उस समय जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा दिया गया था, जो सहकारी संघवाद का सबसे अच्छा उदाहरण था, लेकिन दुर्भाग्य से 2019 में भाजपा सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करके राज्य को विघटित और अशक्त कर दिया था। आगे पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि आज हमारा राज्य दुनिया में सबसे अधिक सैन्यीकृत राज्य है। उन्होंने आरोप लगाया कि जम्मू-कश्मीर एक खुली जेल बन गया है। इस दौरान जब महबूबा मुफ्ती से शपथ ग्रहण समारोह में कई विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों जैसे बीआरएस नेता के चंद्रशेखर राव, वाईएसआर कांग्रेस के वाईएस जगन मोहन रेड्डी, आप नेता अरविंद केजरीवाल और माकपा के पिनाराई विजयन को आमंत्रित नहीं करने के बारे में एक सवाल पूछा गया तो इस पर उन्होंने कांग्रेस को नसीहत दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को और कुर्बानी देनी होगी अन्यथा कोई अन्य विकल्प नहीं हैं।

सनातन धर्म के ...

और अंग्रेजों ने देश को तोड़ने का काम किया, लेकिन सनात्तन के कारण ही हमारी संस्कृति बची। अनेकता में एकता विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए तेमजिन एमना एलांग ने कहा कि हमें एक दूसरे को स्वीकार करना चाहिए। इतना बड़ा देश है सबका रहन-सहन, खान-पान रूप रंग एक जैसा नहीं हो सकता। इसलिए हम सबको भारतीय होने का गर्व होना चाहिए। भाजपा के प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा ने कहा कि देश के इतिहास व भूगोल को बदलने का काम युवा ही कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ही हमें सनातनी बनाती है। आज अपनी परम्परा व संस्कृति को समझने की जरूरत है। यूथ एन एक्शन के अध्यक्ष शतरूद्र प्रताप सिंह ने कहा कि हमारे ऋषि मुनियों ने कृष्णवंतों विश्वमार्यम का संदेश दुनिया को दिया। यूथ एन एक्शन की गतिविधियों की जानकारी देते हुए उन्होंने कहाकि आज देश के 12 राज्यों में इस संगठन से जुड़कर युवा काम कर रहे हैं। इस मौके पर केजीएमयू के पूर्व कुलपति डा.एमएलबी भट्ट, डा.मनोज यादव, डा. विजय कुमार, डा.जी.पी.सिंह और प्रशांत भाटिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजीव ने किया।

स्वर्वेद भाष्य

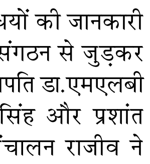

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(अर्थार्थी)

अग्नि सूर्य्य वायू वसें, वरुण कुबेर स्वभाव।
शक्ति राष्ट्रपति दीजिये, जग पर धर्म प्रभाव॥ 26॥

शब्दार्थ : (स्वभाव) आचरण (शक्ति) बल।

भाष्य : हे प्रभो! राष्ट्रपति के अंदर अग्नि, सूर्य, वायु की शक्ति प्रदान केरं एवं वरुण, कुबेर धनाधिप का स्वभाव दें, जिससे संसार में अपने धर्म का प्रभाव पूर्ण रूप से हो।

सम्पादन राजत्व का, करि तप ब्रह्म उपास।
पुनि संग्रह व्यवहार का, जहँ जस तहँ तस पास॥ 27॥

शब्दार्थ : (राजत्व) शासन-शक्ति (ब्रह्म उपास) ब्रह्म की उपासना (व्यवहार) उद्योग, धंधा, आर्थिक व्यवस्था (तप) तपस्या।

भाष्य : पूर्ण इंद्रिय संयम कर ब्रह्म की उपासना करके राजत्व शक्ति का अपने जीवन में संपादन करें, इसके बाद राज्य की आर्थिक, ऊद्योग, श्रम-व्यवस्था का निर्माण केरं। अपने में सभी शक्तियां विद्यमान रहें, जव जिसकी आवश्यकता पड़े, उसका समय के साथ उपयोग करें। इस प्रकार सर्व शक्तियों से सुसज्जित राज्य पदाधिकारियों का जीवन होना चाहिए। त्यागी, तपस्वी ही देश का शासन और उसकी रक्षा करता है।

असम पुलिस के विभिन्न क्षेत्रों के 83 उप-निरीक्षकों का तबादला

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस मुख्यालय ने शनिवार रात असम पुलिस के विभिन्न क्षेत्रों के 83 उप-निरीक्षकों का तबादला करने का निर्देश जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को उलुबारी स्थित असम पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में असम पुलिस के महानिदेशक जीपी सिंह ने मीडिया से कहा था कि तीन साल से एक ही स्थान पर रह रहे पुलिस अधिकारियों का तबादला किया जाएगा। फिर शनिवार रात 83 सब इंस्पेक्टरों के फेरबदल की खबर अब इस बात की ओर इशारा करती है कि एसआई जोनमनी मौत मामले ने पुलिस के अंदरुनी समस्याओं को उजागर कर दिया है। राज्य को झकझोर देने वाली जोनमनी राभा की मौत ने अब पुलिस महकमे को अंदर तक हिला कर रख दिया है। जोनमनी की मौत के बाद नगांव पुलिस के कांस्टेबल पद के पचास से अधिक कर्मियों का एक साथ तबादला करने के साथ ही राज्य के तीन जिलों के अतिरिक्त पुलिस पदों पर तैनात अधिकारियों को शनिवार को फेरबदल किया गया था।

बिहाली के बेदेती में सड़क हादसा एक की मौत

विश्वनाथ (हिंस)। विश्वनाथ जिलांतर्गत बिहाली के बेदेती में रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान स्थानीय संजीव ग्वाला के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार लखीमपुर की दिशा से बरगां की ओर जा रहे ट्रक (एएस-12ई-5564) ने अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया, जिसके चलते मौके पर ही संजीव ग्वाला की मौत हो गई। घायल की पहचान राजू कर्मकार के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भेजकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

मेघालय में 100 साल से अधिक पुराना गर्ल्स स्कूल जलकर राख

शिलांग। पुलिस ने रविवार को कहा कि शिलांग के खासी जयंतिया प्रेस्बिटेरियन गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में रविवार तड़के भीषण आग लग गई, जिससे विरासत इमारत जल कर राख हो गई। मेघालय में 100 साल से अधिक पुराना गर्ल्स स्कूल जलकर राख, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं। पुलिस ने रविवार को कहा कि शिलांग के खासी जयंतिया प्रेस्बिटेरियन गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में रविवार तड़के भीषण आग लग गई, जिससे विरासत इमारत जल कर राख हो गई। उन्होंने कहा कि आग में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस ने कहा कि 1800 के अंत में बने स्कूल भवन के लकड़ी के फ्रेम ने आग को फैलने में मदद की और शुरुआती रिपोर्टों से संकेत मिले हैं कि आग लगभग 2 बजे लगी। अधिकारियों ने कहा कि बगल की इमारत में रहने वाले सभी सुरक्षित हैं और उन्हें अस्थायी रूप से मिशन कंपाउंड इलाके के सामुदायिक हॉल में स्थानांतरित कर दिया गया है। पुलिस ने कहा कि आग से लड़ने और लोगों की जान बचाने में मदद के लिए यहां मुख्यालय से दमकल गाड़ियों को तैनात किया गया है। एक सदी पहले पूर्वोत्तर में लड़कियों के लिए एकमात्र स्कूल होने के नाते, केजेपी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल ने 2017 में अपनी 125वीं वर्षगांठ मनाई। स्कूल सोहरा (तत्कालीन चेरापूंजी) के नोंगसावलिया गांव में वेल्श मिशनरियों द्वारा स्थापित एक पूर्ववर्ती स्कूल की एक शाखा थी, जहां इसे 1864 में एक उचित स्कूल में परिवर्तित कर दिया गया था। स्कूल 1892 में लड़कियों के लिए एक विशेष स्कूल बन गया जब वेल्श प्रेस्बिटेरियन मिशन सोसाइटी के एक मिशनरी ने स्कूल का प्रशासन संभाला।

हाजो में मादक पदार्थ के साथ तीन गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। जिले के हाजो पुलिस ने बरनी के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी कर मादक पदार्थ की बरामद की और तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। हाजो पुलिस ने रविवार को बताया है कि हाजो पुलिस थाना के इंस्पेक्टर नबजीत नाथ के नेतृत्व में शनिवार की रात पुलिस ने बरनी के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने पिंकू अली, राजुल अली और आबेद अली को गिरफ्तार किया है। इसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार पिंकू अली के घर पर छापा मारकर प्लास्टिक के छोटे-छोटे ड्रग्स भरे हुए 109 कंटेनर और 40 खाली कंटेनर जब्त किए गये। यहां से 9 ग्राम ड्रग्स बरामद किया गया है। पुलिस ने आबेद अली के घर पर छापा मारकर 11.5 ग्राम ड्रग्स बरामद किया। एक अन्य राजुल को ड्रग्स बेचने के आरोप में भीड़ ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया था।

बिजली गिरने से एक की मौत

दरंग (हिंस)। दरंग जिलांतर्गत मंगलदोई में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान डकटकी 2 नंबर माजगांव निवासी तारिणी डेका (70) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार खेत में बुआई किये जाने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। किसान तारिणी डेका की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है।

जिला उपायुक्त ने किया गुवाहाटी सेंट्रल जेल का निरीक्षण

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिले के उपायुक्त पल्लब गोपाल झा ने आज गुवाहाटी केंद्रीय कारागार का दौरा किया। जिला प्रशासन के कई अधिकारियों के साथ उपायुक्त ने जेल में वार्डों के साथ अस्पताल और अन्य सुविधाओं का भी जायजा लिया। जिला उपायुक्त ने जेल परिसर में एक पेयजल आपूर्ति परियोजना का उद्घाटन किया और जेल अधिकारियों को विभिन्न एजेंसियों के आपूर्ति की जाने वाली आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति भी सौंपी। इस मौके पर जिला उपायुक्त ने कैदियों से वार्ता कर कमियों और शिकायतों को सुना। उन्होंने मानवीय प्रभाव और सुधार पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। कैदियों ने जिला उपायुक्त के समक्ष सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति की। उपायुक्त ने जेल के अंदर कौशल विकास, व्यावसायिक, रचनात्मक और साहित्यिक कार्यों में शामिल कैदियों के किए गए कार्यों को देखकर संतोष व्यक्त किया।

प्राथमिक स्नातक शिक्षकों के ग्रेड पे में कटौती से विरोध शुरू

विश्वनाथ। शिक्षा विभाग द्वारा पिछले कई दिनों से प्राथमिक स्नातक शिक्षकों को ग्रेड पे से वंचित किया जा रहा है। पिछले आर ओ पी के अनुसार प्राथमिक स्नातक शिक्षकों को 8700 ग्रेड पे मिला था। हालांकि, परिवर्तित समय में शिक्षकों को उनके ग्रेड पे को घटाकर 7400 रुपए प्रदान करना शिक्षकों को छल किया है। प्राथमिक स्नातक शिक्षकों के क्षेत्र में सरकार द्वारा किए इस अन्याय के लिए प्राथमिक स्नातक शिक्षकों ने ऐसे कई बैठक की। वरिष्ठ शिक्षक निरंजन हजारिका की अध्यक्षता में सातवें वेतन आयोग 2016 सन् में प्राथमिक स्नातक शिक्षकों को प्रदान किए 8,700 रुपए के ग्रेड पे में कटौती को लेकर तीव्र विरोध जाताया। बैठक में अध्यक्ष के रूप में लक्ष्य हजारिका और महासचिव के रूप में ध्रुवज्योति सैकिया तथा 31 सदस्यों के साथ शक्तिशाली समिति का गठन किया गया। अखिल असम प्राथमिक स्नातक शिक्षक संस्था के विश्वनाथ जिला समिति ने आज सर्वसम्मति से समग्र असम के निम्न प्राथमिक शिक्षकों की उपस्थिति में एक शिक्षक सम्मेलन आयोजन करने का सिद्धांत लिया गया। इस सम्मेलन में प्रदेश नेतृत्व मौजूद रहेंगे। इस सम्मेलन के बाद सरकार द्वारा निम्न प्राथमिक स्नातक शिक्षकों से वंचित किए जाने के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन की संभावना जताई। बैठक में अखिल असम प्राथमिक स्नातक शिक्षक संघ के पूर्व सहायक महासचिव मनीष कलिता, विश्वनाथ जिला टेट उत्तीर्ण एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप शैकिया, सचिव दीपांकर बायन, अंजन बोरा और बीरेन महंत के साथ उक्त सभा में प्राथमिक के सभी स्नातक शिक्षक को उपस्थित रहने के लिए आह्वायक मंडली ने आह्वान किया है।

अनियंत्रित बाइक खाई में गिरी, एक की मौत

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी हरिपुर में रविवार तड़के एक अनियंत्रित होकर एक बाइक खाई में पलट गया, जिसके बाइकसवार की मौत हो गई। बताया गया कि असमत बरपेटा के बाघबर का निवासी असमत उल्ला रविवार को पल्सर बाइक से बरपेटा से गुवाहाटी की ओर जा रहा था। इसी दौरान बाइक हादसा हो गया। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची नलबाड़ी पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया।

नशा मुक्त भारत अभियान पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत आज एक अग्रणी स्वयंसेवी संगठन आमार प्रयास गोष्ठी ने कामरूप जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग के सहयोग से कालातली काठमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नशा मुक्त भारत अभियान की जागरूकता बैठक का आयोजन किया। आमार प्रयास गोष्ठी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अनवर हुसैन ने स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अमीन मोइनुल हक की अध्यक्षता में आयोजित जागरूकता बैठक का उद्देश्य बताया। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रभारी निशा मणि कलिता, एंटी टोबैको सेल के नोडल अधिकारी डॉ. अमिय कुमार दास, पुलिस उपाधीक्षक अपराध शाखा शत काकई संगसांग प्रधान और कई अन्य लोगों ने अपने विचार रखे। बैठक में 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्त जीवन और परिवार बनाने का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि छात्रों के साथ-साथ आमार प्रयास गोष्ठी के सदस्यों ने जागरूकता बढ़ाने के लिए एक जुलूस निकाला।

राष्ट्रीय कवि संगम का बहुभाषी कवि सम्मेलन आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। राष्ट्रीय कवि संगम पूर्वोत्तर प्रांत के सौजन्य से गुवाहाटी प्रेस क्लब में नए सत्र का पहला कार्यक्रम बहुभाषी कवि सम्मेलन अध्यक्ष मनोज चांडक नायाब की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में लेखिका व साहित्यकार अर्चना तिवारी तथा विशिष्ठ अतिथि के रूप में नगर निगम के पार्षद प्रमोद स्वामी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि व विशिष्ठ अतिथि ने मां सरस्वती के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर उनके साथ राष्ट्रीय कवि संगम के अध्यक्ष मनोज चांडक नायाब, महामंत्री पुष्पा सोनी और कार्यक्रम संयोजिका हेमलता गोलछा उपस्थित थी। कार्यक्रम के प्रारंभ में अध्यक्ष श्री चांडक ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि राष्ट्रीय कवि संगम का गत कई वर्षों से निष्क्रिय रहने के पश्चात पुनर्गठित किया गया। जिसका प्रथम कार्यक्रम आज बहुभाषी कवि सम्मेलन के रूप में आयोजित हो रहा है। राष्ट्रीय कवि संगम की 25 प्रांतों में शाखाएं कार्यरत हैं। असम में 7 व पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में 7 शाखाएं वर्तमान कार्यरत है। इस अवसर पर पूर्वोत्तर प्रभारी व संरक्षक तिनसुकिया के मनोज मोदी ने राष्ट्रीय कवि संगम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इससे पहले सर्वानी मुखर्जी ने सरस्वती वंदना की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अर्चना तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि जो कहता है वह कवि है जो नहीं कहता है वह कवि नहीं है। अंतर इतना है कि कवि सजाकर कहता है और आम इंसान बिना सजाए कहता है। अगर आप अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकते हैं तो आप भी एक कवि है। राष्ट्रीय कवि संगम कवियों का मंच है। इस को आगे बढ़ाने की जरूरत है। श्री मती तिवारी ने आगे कहा कि बचपन में मेरा हिंदी भाषा के प्रति रुझान था। हिंदी भाषा ने मुझे जितना दिया है, उतना में आज अन्य भाषाओं से नहीं ले पाई हूं । विशिष्ठ अतिथि प्रमोद स्वामी ने कहा कि राष्ट्र के अंदर स्वाभिमान की भावनाओं को पुनर्जीवित करने के लिए राष्ट्रीय कवि संगम का गठन किया गया है। साहित्य समाज का दर्पण है और समाज में जो घटनाएं घटती है साहित्यकार अपनी वाणी व अभिव्यक्ति से उन घटनाओं को चित्रित करता है और समाज को एक नई दिशा देता है। समाज पर साहित्य का बड़ा गहरा प्रभाव पड़ता है।

असम कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस

जोरहाट (हिंस)। यदि चाय की पत्तियां गुणवत्ता की नहीं हैं तो अच्छी चाय प्राप्त नहीं की जा सकती है। चाय की गुणवत्ता फटी पत्तियों के अच्छे और बुरे अनुपात पर निर्भर करती है। चाय की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए, चाय बागान में पत्ती उत्पादन चरण पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए। यह विचार प्रसिद्ध चाय वैज्ञानिक डॉ. अमृत चंद्र बोरबोरा ने आज जोरहाट स्थित असम कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए कही। असम के चाय उद्योग की द्विशताब्दी (200) वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में चाय वैज्ञानिक ने *चाय की गुणवत्ता बढ़ाने और कीटनाशकों के सुरक्षित इस्तेमाल* विषय पर व्याख्यान दिया। जैविक खेती बहुत अच्छी है। असम कृषि विश्वविद्यालय के चाय खेती और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिद्युत चंदन डेका ने कहा कि चाय की 200 वर्षों की यात्रा पर हमें बहुत गर्व है। चाय बाजार में बदलाव देखने को मिल रहा है। यदि गुणवत्ता को बनाए नहीं रखा जाता है तो बाजार को बनाए रखना संभव नहीं है। असम कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक डॉ. जयंत डेका ने अपने स्वागत भाषण में असम में चाय की खेती की गौरवशाली परंपरा के बारे में बताया। इस अवसर पर असम की गौरवशाली परंपरा की विरासत को आगे बढ़ाने वाले सिंगफो राज परिवार, पहले असमिया चाय उत्पादक मणिराम देवान के परिवार, पूर्व कृषि मंत्री स्वर्गीय सोनेश्वर बोरा के परिवार और असम के कुल चाय उत्पादनों में आधे हिस्से का योगदान देने वाले छोटे चाय उत्पादकों के वरिष्ठ चाय किसानों को सम्मानित किया गया।

स्टार सीमेंट ने विनीत कुमार तिवारी को नया सीईओ नियुक्त किया

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर क्षेत्र के सबसे प्रीमियम सीमेंट ब्रांड स्टार सीमेंट ने शनिवार को विनीत कुमार तिवारी को नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की और वह कोलकाता से बाहर होंगे। 54 वर्षीय श्री तिवारी एमबीए (मार्केटिंग) हैं तथा उन्हें 31 से अधिक वर्षों के समृद्ध और विविध अनुभव हैं। उनके पास व्यवसाय संचालन और प्रबंधन, बिक्री और व्यवसाय विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, रणनीति, ग्राहक संबंध प्रबंधन, योजना, बाजार विस्तार, रसद, चैनल प्रबंधन और लागत अनुकूलन आदि जैसे विविध कार्यात्मक क्षेत्रों में दक्षताओं का एक सेट है। उन्होंने कई संगठनों में लघु और दीर्घकालिक व्यावसायिक उद्देश्यों पर केंद्रित गहन और महत्वाकांक्षी व्यावसायिक रणनीतियों को सफलतापूर्वक पेश किया है। स्टार सीमेंट के सीईओ के रूप में, वह रणनीति और प्रक्रियाओं, परिवर्तन परियोजनाओं को डिजाइन करने और लागू करने और बिजनेस ऑपरेशंस को समाप्त करने के लिए व्यवसाय का नेतृत्व करेंगे। स्टार सीमेंट के प्रबंध निदेशक प्रेम भजनका ने कंपनी के नए नियुक्त सीईओ का स्वागत करते हुए कहा कि हम श्री तिवारी को अपने नए सीईओ के रूप में बोर्ड पर पाकर खुश हैं। उनके पास असाधारण रणनीतिक क्षमताएं, सिद्ध परिचालन प्रभावशीलता और विविध क्षेत्रों में मजबूत अनुभव है। हम उम्मीद करते हैं कि श्री तिवारी स्टार सीमेंट की पूरी क्षमता को एक विजयी व्यवसाय के रूप में महसूस करेंगे, जो हमें नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए अपने सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक विकास और मूल्य प्रदान करेगा। इस संदर्भ में श्री तिवारी ने कहा कि स्टार सीमेंट लिमिटेड का हिस्सा बनकर में बहुत खुश और उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का मैं प्रयास करुंगा। स्टार सीमेंट में शामिल होने से पहले वह न्युवोको में चीफ सेल्स एंड बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर के रूप में काम कर रहे थे। वह ग्रीनप्लाई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ कंट्री हेड – सेल्स एंड मार्केटिंग (प्लाई एंड बोर्ड डिवीजन) और अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के साथ विभिन्न स्तरों और भौगोलिक क्षेत्रों में काम कर रहे थे।

तामरहाट में ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिला के तामरहाट के मध्यपेटला में एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय युवकों की एक टीम ने ड्रग्स तस्कर को पकड़ने के बाद पुलिस को सौंप दिया। गिरफ्तार युवक की पहचान पश्चिम बंगाल के कोचबिहार जिला के बख्शीरहाट पुलिस थानांतर्गत साट फलीमारी गांव निवासी अहिदुल शेख के रूप में हुई है। गिरफ्तार युवक के पास से ड्रग्स से भरे दो प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर और एक सिरिंज जब्त की गई है। तस्कर को स्थानीय युवकों ने पकड़ने के बाद जमकर पिटाई कर पगलाहाट पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मेड इन डब्ल्यूयूडी डिजाइन वीक का फाइनल शोकेस बटोर रहा है दर्शकों से प्रशंसा

गुवाहाटी/सोनीपोट। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन ने अपने वार्षिक मेड इन डब्ल्यूयूडी शोकेस में अंतिम वर्ष की छह विशेष पाठ्यक्रमों के टीमों के स्नातक कार्य को प्रदर्शित किया। प्रदर्शनी में कई माध्यमों और शैलियों में विभिन्न रचनात्मक विषयों को शामिल किया गया। यह रचनात्मक प्रदर्शनी पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में अंतिम वर्ष के डब्ल्यूयूडी शिक्षार्थियों और उद्योग के बीच आपसी सहयोग का परिणाम है। भाग लेने वाले ब्रांडों में इलेक्ट्रोलक्स, इकारस 3डी, रिलायंस ब्रांड्स, एबीएफआरएल, पायल जैन, सामंत चौहान, नितिन बाल, सत्य पॉल, बेनेटन, रेमंड्स, नाइका, पेरो, आकारो, मंदिरा विर्क और अन्य शामिल हैं। प्रदर्शनी डिजाइन वीक में प्रदर्शित की जाती है जहां उद्योग और शिक्षा एक ही मंच पर देखे जाते हैं। यहां स्थापत्य, डिजाइन, संचार, दृश्य कला, व्यवसाय के स्नातकों द्वारा प्राप्त स्नातक शिक्षा को एक प्रदर्शनी के रूप में प्रदर्शित किया गया है। मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर पायल जैन के साथ साथ उद्योग और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे। अंतिम कार्यक्रम के बाद आयोजित एक पुरस्कार समारोह में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को उनके अनुकरणीय शैक्षणिक कार्य के लिए सम्मानित किया गया। डब्ल्यूयूडी के कुलपति डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि मैं नई पीढ़ी के परिवर्तनकारी निर्माताओं द्वारा

गौरीपुर राजीव भवन में मनाई गई राजीव गांधी की 33वीं पुण्यतिथि

धुबड़ी (असम) (हिंस)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आज 33वीं पुण्यतिथि देश के अन्य हिस्सों में मनायी गयी। इस अवसर पर धुबड़ी जिला के देवीतोला ब्लॉक कांग्रेस की पहल पर गौरीपुर के राजीव भवन में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धुबड़ी जिले के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता, मंडल कांग्रेस नेता और आम जनता उपस्थित रही। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी 21 मई, 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में हुए बम विस्फोट में मारे गए थे। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी की नीतियों और विचारधारा से प्रभावित होकर दक्षिण गेरामारी की अध्यक्ष के पति नूर इस्लाम 100 से अधिक एआईयूडीएफ और भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि एआईयूडीएफ पार्टी में काफी भ्रष्टाचार और समस्याओं के कारण उन्हें एआईयूडीएफ को छोड़ना पड़ा। सभी नए शामिल हुए कार्यकर्ताओं को कांग्रेस पार्टी ने फुलम गामोछा देकर सम्मानित किया। आने वाले दिनों में कई और एआईयूडीएफ कार्यकर्ताओं के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की उम्मीद जताई गई है।

कोच-राजवंशी भाषा के विकास, संभावना और चुनौतियों पर सेमिनार का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। आज से दो दिवसीय कार्यक्रमों के साथ जिले के फकीराग्राम थानांतर्गत शक्तिआश्रम में कोच राजवंशी साहित्य सभा के कार्यालय के गिरिजाभूषण राय भवन में राजवंशी भाषा के विकास, इसकी संभावना और चुनौतियों पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का आयोजन कोच-राजवंशी साहित्य सभा की केंद्रीय समिति का 31वां स्थापना दिवस के मौके पर किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ कोच-राजवंशी साहित्य सभा के अध्यक्ष द्विजेन्द्र नाथ भकत ने झंडा फहराकर किया। शहीद तर्पण कोच राजवंशी साहित्य सभा के साधारण सचिव कमल कुमार बर्मन ने की। इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में आने वाले लोगों का पंजीकृत की गई। इस दौरान पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कोच-राजवंशी भाषा के विकास, इसकी संभावना और चुनौतियों पर आयोजन सेमिनार में देश विदेश से लोगो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विस्तृत रूप से चर्चा की गई। कोच राजवंशी साहित्य सभा के साधारण सचिव कमल कुमार बर्मन ने पत्रकारों को बताया कि आज राजवंशी भाषा के विकास, इसकी संभावना और चुनौतियों पर एक अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन हुआ। साथ ही सोमवार को कोच राजवंशी साहित्य सभा केंद्रीय समिति का 31वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीटीआर के चीफ प्रमोद बोड़ो, सहित बीटीआर के कार्यकारी सदस्य और एमसीएलए और केएसी के चीफ और कार्यकारी सदस्य एवं साधारण सदस्य सहित कई अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

विपक्ष को एकजुट होकर भाजपा के अध्यादेश को संसद में हराना होगा : अरविंद केजरीवाल

अजय त्यागी

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से घर आकर मुलाकात की और भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ ह्यआपह्ल की सरकार का समर्थन करने की घोषणा की। इन नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक केंद्र के अध्यादेश समेत अन्य राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, नीतिश कुमार और तेजस्वी यादव ने मीडिया के माध्यम से दिल्ली और देश की जनता के समक्ष अपनी बात रखी। केजरीवाल ने दिल्ली की जनता के साथ खड़े होने के लिए दोनों नेताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि दिल्ली में केंद्र सरकार की तानाशाही समेत कई राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। विपक्ष को एकजुट होकर हमें केंद्र की भाजपा सरकार के इस तानाशाही अध्यादेश को संसद में हराना होगा। अगर राज्यसभा में यह बिल हार गया तो वो 2024 का सेमी फाइनल होगा और पूरे देश में संदेश चला जाएगा कि 2024 में भाजपा की सरकार जा रही है। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद दिल्ली की चुनी हुई सरकार को काम करने से रोकने पर आश्चर्य जताया और पूरे देश में भाजपा की केंद्र सरकार के खिलाफ अभियान चलाने की बात कही। मीडिया से बात-चीत करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत अच्छा फैसला दिया है। कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार द्वारा जो कुछ भी करने की कोशिश हो रही है, यह एक विचित्र बात है। चुनी हुई सरकार जब बनती है तो उसे संविधान में कुछ अधिकार दिए गए हैं। उस अधिकार को कोई कैसे हटा सकता है। ये किस तरह हो रहा है ? इसलिए हम लोग कह रहे हैं कि पूरे देश में विपक्ष एकजुट हो, ताकि इनकी मनमानी को रोका जा सके। दिल्ली की

जनता ने अरविंद केजरीवाल को प्रचंड बहुमत दिया है। पूरा देश इस बात को मानता है कि आप की सरकार दिल्ली में बहुत अच्छा काम कर रही है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला भी आ गया। इसके बाद भी अगर राज्य सरकार को काम करने से रोक दिया जाएगा तो यह बहुत ही आश्चर्य की बात है। हम लोग पूरी तरह से अरविंद केजरीवाल के साथ हैं। हम लोग कोशिश कर रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा विपक्षी पार्टियां एकजुट हो जाएं और मिलकर पूरे देश में अभियान चलाएं कि कानून का पालन होना चाहिए और आपस में प्रेम व भाई-चारे का भाव होना चाहिए। जिस तरह से लोगों के बीच में विवाद करने की कोशिश होती है, उसको बंद करना चाहिए, तभी देश आगे बढ़ेगा। अरविंद केजरीवाल बिल्कुल ठीक कह रहे हैं। हम सभी लोग पूरी तरह से इनके साथ हैं। नीतीश के बाद बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार को संविधान के तहत अधिकार मिले हैं। जिन राज्यों में गैर भाजपा की सरकारें हैं, उनको भाजपा लगातार परेशान कर रही है। अरविंद केजरीवाल आज जो परेशानी झेल रहे हैं, हम उसमें उनको अपना समर्थन देने आए हैं। केंद्र सरकार दिल्ली की जनता के साथ अन्याय कर रही है। जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया है तो सारी चीजें स्पष्ट हो गई हैं। इसके बाद भी अरविंद केजरीवाल की सरकार को परेशान किया जा रहा है। दिल्ली के अलावा दूसरे गैर भाजपाई राज्यों के साथ भी केंद्र सरकार भेदभाव कर रही है। यह कहीं से भी न्यायपूर्ण नहीं है। यह साफ दिखाता है कि लोकतंत्र पर खतरा है और ये लोग संविधान को बदलना चाहते हैं, जिसे हम लोग होने नहीं देंगे। उन्होंने प्रश्न करते हुए कहा कि अगर दिल्ली में भाजपा की सरकार होती तो क्या इस प्रकार का काम करने की एलजी की हिम्मत होती। ये लोग जितना अरविंद केजरीवाल को सताएंगे, ये उतने ही मजबूत होंगे। वह पूरे विश्वास के साथ कह रहे है कि भाजपा दिल्ली में कभी भी वापसी नहीं करेगी। हम सभी लोग अरविंद केजरीवाल के साथ हैं और सब लोग मिककर देश हित के लिए काम करेंगे।

ममता बनर्जी, शरद पवार और उद्धव ठाकरे से मिलने जाएंगे केजरीवाल - आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मीडिया के बातचीत करते हुए कहा कि 23 मई को वह कोलकाता जाकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलेंगे। वहां हमारी मुलाकात दोपहर 3 बजे होगी। इसके बाद वह एक-एक कर पूरे देश के अंदर सभी पार्टियों के अध्यक्ष से मिलने के लिए जायेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी निवेदन किया है कि वे भी सभी राजनीतिक पार्टयों से बात करें। वह हर राज्य में जाकर एक-एक विपक्षी पार्टी के नेताओं से मिलेंगे और राज्यसभा में जब ये बिल आए, तो इसे हराने के लिए सबसे अपील करेंगे। इसके बाद केजरीवाल शरद पवार और उद्धव ठाकरे से भी मिलने जाएंगे। केजरीवाल 24 मई को मुम्बई में उद्धव ठाकरे से मुलाकात करेंगे और 25 मई को मुम्बई में ही शरद पवार से मिलेंगे।

चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर महाविकास आघाड़ी में उभरे मतभेद

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र में लोकसभा की सीटों के बंटवारे को लेकर महाविकास आघाड़ी सरकार के सहयोगी दलों में मतभेद दिखने लगे हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की पार्टी ने राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से 20 सीटों पर अपनी दावेदारी करना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार महाविकास आघाड़ी के तीनों सहयोग दलों ने अभी कुछ पूर्व ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) अध्यक्ष शरद पवार की अध्यक्षता में हुई बैठक में आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ लडऩे का निर्णय लिया था। सूत्रों की मानें तो इस बैठक में तीनों दलों को एक समान सीटें मिलने की चर्चा हुई थी, हालांकि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा था कि अभी तक इस संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने मीटिंग के अंदर हुई बात को मीडिया तक पहुंचने पर नाराजगी भी जताई है। इसके बाद शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राऊत ने कहा कि उनके वर्तमान में 19 सांसद हैं। इनमें महाराष्ट्र में 18 और दादरा नगर हवेली सीट पर एक है। उनकी पार्टी किसी भी तरह 20 सीटों से कम सीटों पर समझौता नहीं करेगी। संजय राऊत के इस बयान से महाविकास आघाड़ी में मतभेद उभर कर सामने आ गया है। राकांपा नेता अजीत पवार ने कहा कि राकांपा राज्य में इस समय सबसे बड़ी पार्टी है, इसलिए कांग्रेस और शिवसेना को राकांपा को बड़े भाई की हैसियत से देखना चाहिए। इस पर संजय राऊत ने कहा कि चुनाव में सब पता चल जाएगा कौन बड़ा भाई है और कौन छोटा भाई। नाना पटोले ने कहा कि कांग्रेस को बड़ा और छोटा होने से कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस जब बड़ी पार्टी थी तो कभी भी घमंड नहीं किया था। फिलहाल तीनों सहयोगी दलों में चल रही नोकझोंक पर अभी तक शरद पवार ने कोई बयान नहीं दिया है। दरअसल, महाविकास आघाड़ी के तीनों सहयोगी दलों ने हर पार्टी के दो सदस्यों की छह लोगों की समिति सीटों के बंटवारे पर चर्चा के लिए गठित की है। इस समिति की बैठक से पहले ही तीनों दलों में हो रही तकरार को महाविकास आघाड़ी के सेहत के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा रहा है।

शीला दीक्षित की याद दिलाकर माकन ने केजरीवाल को दिया शासन का मंत्र

अजय कुमार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अजय माकन ने दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को याद करते हुए रविवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनसे सीख लेने की सलाह दी। माकन ने कहा कि अफसरों से ठीक व्यवहार कर वे दिल्ली के हित में सकारात्मक कार्य कर सकते हैं। कांग्रेस नेता माकन ने कहा कि अधिकारियों से सम्मान पूर्वक बातचीत की जानी चाहिए। उनसे संवाद करना चाहिए और उन्हें दिल्ली की उन्नति के लिए राजी करना चाहिए। यदि वे ईमानदार हैं तो निश्चित रूप से आपके साथ मिलकर काम करेंगे। आगे उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल का अबतक का तरीका इससे उलट रहा है। बेसमय अधिकारियों को बुलाना, दुर्व्यवहार और कठोर शब्दों का सहारा लेना सही नहीं है। यह जरूरी है कि वे समझें कि ऐसा व्यवहार केवल शहर की समस्याओं को बढ़ायेगा। शीला जी के साथ एक दिनः केजरीवाल की मौजूदा सत्ता अराजकता पर कटाक्ष करता नाम से ट्वीट पर माकन ने पोस्ट लिखा है। इसमें एक घटनाक्रम

को याद करते हुए माकन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री व दिवंगत कांग्रेस नेता शीला दीक्षित का नेतृत्व और कूटनीति का पाठ हमेशा उनका मार्गदर्शन करता रहा है। शीला दीक्षित का बाधाओं के साथ कुशलतापूर्वक निपटना और शहर के कल्याण के लिए स्पष्ट सोच ने उन्हें सेवा करना सिखाया है। शीला दीक्षित की विरासत से उन्होंने सीखा की जरूरत पड़ने पर व्यवहार कुशलता और आवश्यकता पड़ने पर डटे रहना चाहिए। माकन ने आशा व्यक्त की है कि वर्तमान मुख्यमंत्री इस पर ध्यान देंगे और इससे सीख लेंगे। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने माकन के ट्वीट को रि-ट्वीट कर कहा कि उनकी कहानी सचमुच में अद्भुत है। सुर्खियों के माध्यम से शासन नहीं. शांत और अनुनय के जरिये ही शासन है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में दिल्ली में अफसरों की ट्रांसफर और पोस्टिंग से जुड़े मसले पर केन्द्र और दिल्ली सरकार के बीच गतिरोध जारी है। दिल्ली सरकार को अधिकार मिलने के बाद केन्द्र ट्रांसफर और पोस्टिंग के तरीके में बदलाव के लिए एक अध्यादेश लाई है। केजरीवाल सरकार इसका विरोध कर रही है।

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सपत्नीक किए भगवान महाकाल के दर्शन, महाकाल लोक का किया भ्रमण

उज्जैन, (हि.स.)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल रविवार को सपत्नीक उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। उन्होंने सोला पहनकर गर्भगृह में भगवान का पूजन अर्चन और अभिषेक किया। इसके बाद उन्होंने नंदी हॉल में बैठकर भगवान की आराधना की। उन्होंने ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करते हुए माला जपी और उसके बाद नंदी के कानों में अपनी मनोकामना भी कही। दरअसल, केन्द्रीय मंत्री गोयल रविवार सुबह दिल्ली से विमान द्वारा इंदौर एयरपोर्ट आए और यहां से सीधे उज्जैन पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। इस दौरान उनकी पत्नी सीमा गोयल भी उनके साथ थीं। यहां पंचामृत पूजन अभिषेक के बाद उन्होंने नंदी हॉल में भगवान का ध्यान किया और इसके भाग भोग आरती में

शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, मंदिर प्रशासक संदीप सोनी, सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल मौजूद थे। मंदिर समिति की ओर से उन्हें भगवान महाकाल का प्रसाद और तस्वीर भेंट कर सम्मानित भी किया गया।

महाकाल मंदिर के पुजारी पंडित आशीष गुरु ने बताया कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल धर्मपत्नी सीमा गोयल के साथ बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आए थे। यहां उन्होंने गर्भगृह से बाबा महाकाल का पूजन-अर्चन किया, जिसके बाद मंदिर में स्थित अन्य देवस्थलों पर भी पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक पारस जैन और प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल महाकाल लोक पहुंचे, जहां उन्होंने ई-कार्ट से महाकाल लोक का भ्रमण किया और इसकी खूबसूरती की तारीफ भी की।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर समाधि स्थल वीर भूमि में प्रार्थना सभा का आयोजन

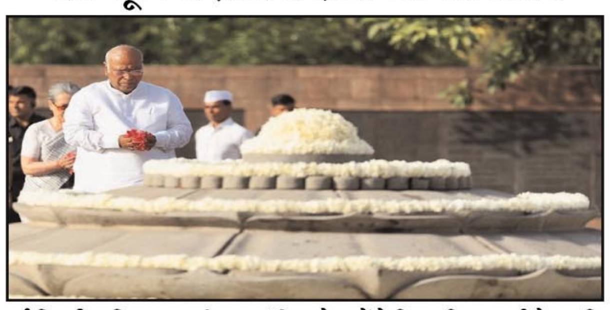

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय राजधानी स्थित समाधि स्थल वीरभूमि में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दिवंगत कांग्रेस नेता राजीव की पत्नी सोनिया गांधी, पुत्र राहुल गांधी, पुत्री प्रियंका गांधी वाड्रा के अलावा केसी वेणुगोपाल आदि नेताओं ने हिस्सा लिया। सभी ने समाधि स्थल पहुंचकर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा-21वीं सदी के भारत निर्माण में राजीव गांधी का योगदान अतुलनीय है। उन्हें देश कभी भुला नहीं सकता। उल्लेखनीय है कि 21 मई, 1991 को एक आत्मघाती बम धमाके में राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी।

कुपवाड़ा से जैश का ऑपरेटिव गिरफ्तार, रच रहा था अस्थीरता फैलाने की साजिश

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को जम्मू-कश्मीर को अस्थिर करने की साजिश में शामिल जैश-ए-मोहम्मद के ऑपरेटिव को कुपवाड़ा (जम्मू-कश्मीर) से गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान मोहम्मद उबैद मलिक के तौर पर हुई है। जांच में एनआईए को पता चला है कि उबैर पाकिस्तान के जैश कमांडर से संपर्क में था और सुरक्षाबलों और सैनिकों की आवाजाही से जुड़ी जानकारी पहुंचा रहा था। इसके पास से कुछ दस्तावेज भी बरामद हुए हैं, जिनसे यह बात साबित होती है। उल्लेखनीय है कि एनआईए ने पिछले साल जून में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया। मामला जम्मू-कश्मीर की शांति भंग करने और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने से जुड़ा था। ऐसा करने के लिए अल्पसंख्यकों और सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए साजिश रची जा रही थी। साजिश को अंजाम देने के लिए सरहद पार से नशीली दवाएं, धनराशि, हथियार, आईईडी और अन्य रिमोर्ट व चुंबकीय बम भेजे जा रहे थे। आईडी को ड्रोन के जरिए भेजा जाता था। इसे स्थानीय ऑपरेटिव की मदद से ही आगे सक्रिय आतंकियों तक पहुंचाया जाता था।

भाजपा राजस्थान में 30 मई से 30 जून तक आयोजित करेगी महाजनसंपर्क कार्यक्रम

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के नौ साल पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान में 30 मई से 30 जून तक महा जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। महीने भर चलने वाले कार्यक्रम के दौरान पार्टी रैलियां करेगी, संबंधित क्षेत्रों के विशिष्टजनों से मुलाकात करेगी और लाभार्थियों तक पहुंचेगी। नागौर जिले के लाडनूं कस्बे में भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में यह फैसला किया गया। केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने प्रेस वार्ता में बताया केंद्र की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए पार्टी कार्यकर्ता और नेता घर-घर जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कैलाश चौधरी ने कहा कि संपूर्ण विश्व में आज भारत का नाम रोशन हो रहा है। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान

निधि, जनधन योजना, आयुष्मान भारत योजना तथा अन्य कई जनकल्याणकारी योजनाओं को भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ने जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर ने कहा 2013 का भारत और आज 2023 के भारत में बहुत अंतर है, जो वास्तविक रूप से देश के लिए गौरव का विषय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कार्यकताओं से वर्चुअल संवाद करेंगे। भाजपा की दो दिवसीय बैठक शनिवार को समाप्त हुई। बैठक में प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और भाजपा महासचिव चंद्रशेखर शामिल हुए।

भाजपा महिला मोर्चा का मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा ने सिविल लाइन स्थित दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास के बाहर रविवार को प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा महिला कार्यकताओं ने केजरीवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ऐसा पहली बार नहीं है कि भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच ऐसी तीखी नोकझोंक देखने को मिल रही है। पहले भी कई बार भाजपा ने मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया है। भाजपा महिला मोर्चा के नेताओं का कहना है कि जीबी पंत अस्पताल में

एक महिला के साथ गैंगरेप की घटना हुई, उसके बाद उसकी मृत्यु हो गई। इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद केजरीवाल न उनसे मिलने पहुंचे। न ही उन्हें कोई आर्थिक मदद की। दिल्ली सरकार सिर्फ दिखावा कर रही है कि वह लोगों की मदद करती है। महिला मोर्चा की नेताओं का यह भी कहना है कि अरविंद केजरीवाल सिर्फ अपने शीश महल को चमकाने में लगे हुए हैं। दिल्ली में जनता पीने के पानी के लिए परेशान है। जबकि केजरीवाल खुद को आम आदमी कहते फिरते हैं।

बुजुर्गों को विमान से तीर्थयात्रा कराने का मेरा सपना हुआ साकार: शिवराज

- मुख्यमंत्री ने विमान से तीर्थ-दर्शन योजना का भोपाल से किया शुभारंभ
- पहली बार विमान से प्रयागराज रवाना हुए प्रदेश के 32 बुजुर्ग तीर्थयात्री

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के बुजुर्गों को हवाई जहाज से तीर्थयात्रा कराने का संकल्प लिया था। आज का दिन एक संकल्प पूरा होने और सपने के साकार होने का दिन है। उन्होंने कहा कि मनुष्य, भौतिक प्रगति के साथ आध्यात्मिक शांति चाहता है। भारत धर्म प्रधान देश है, भक्ति मार्ग में तीर्थ-यात्रा को प्रभु दर्शन का प्रभावी मार्ग माना गया है। हमारे बुजुर्ग बिना कष्ट के कम समय में तीर्थ कर' आध्यात्मिक शांति प्राप्त कर सकें इस उद्देश्य से विमान से तीर्थ-यात्रा शुरू की गई है। वर्तमान में विमान से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में एक परिवार से एक सदस्य तीर्थयात्रा पर जा सकता है। अगली यात्रा से एक परिवार से एक से अधिक सदस्यों की तीर्थयात्रा पर जाने की व्यवस्था की जाएगी, इससे बुजुर्ग अपने जीवनसाथी के साथ तीर्थ का पुण्य प्राप्त कर सकेंगे। रेल और विमान से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा लगातार जारी रहेगी। मुख्यमंत्री चौहान रविवार को भोपाल के राजा भोज विमानतल से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में विमान से यात्रा के शुभारंभ पर तीर्थ-यात्रियों से संवाद कर रहे थे। उन्होंने विमान से तीर्थ-दर्शन कराने की योजना का शुभारंभ दीप जला कर किया। मध्य प्रदेश गरीब बुजुर्ग तीर्थ यात्रियों को हवाई यात्रा कराने वाला देश का पहला राज्य है। विमान से प्रयागराज जाने वाली पहली तीर्थयात्रा में 32 बुजुर्ग तीर्थ यात्री शामिल हुए, जिसमें 24 पुरुष और 8 महिला तीर्थ यात्री शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने शॉल-श्रीफल भेंट कर और फूलों की माला पहना कर बुजुर्ग तीर्थ-यात्रियों का अभिवादन कर स्वागत किया। तीर्थ यात्री कृष्णा चौबे को प्रतीक स्वरूप बोर्डिंग पास की प्रतिकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने स्मृतियों को सहेजने बुजुर्ग तीर्थ-यात्रियों के साथ ग्रुप फोटो भी खिंचवाया और ढोल-ढमाकों एवं धर्म ध्वजा के साथ तीर्थ-यात्रियों को विमानतल में प्रवेश कराया। मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों को प्रयागराज की तीर्थयात्रा पर ले जा रही इंडिगो की नियमित फ्लाइट को विमानतल से रवाना किया। विमान से प्रयागराज जा रहे भाव-विभोर बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद प्रदान किया।

भगवान की भक्ति में डूबने की अनुभूति प्रदान करती है तीर्थयात्रा

- मुख्यमंत्री ने कहा कि माता-पिता के समान हमारे बुजुर्ग आज तीर्थयात्रा पर विमान से रवाना हो रहे हैं। माना गया है कि राम नाम से मुख, ब्रह्म ज्ञान से हृदय, तीर्थ जाने से चरण और दान-पुण्य करने से हाथ पवित्र होते हैं। भारतीय संस्कृति में तीर्थ का बहुत महत्व है। भगवत प्राप्ति के तीन मार्ग क्रमशः भक्ति मार्ग, ज्ञान मार्ग और कर्म मार्ग बताए गए हैं। भगवान की भक्ति में डूबना ही भक्ति मार्ग है, तीर्थयात्रा यही अनुभूति प्रदान करती है। प्रदेश के बुजुर्गों को आध्यात्मिक शांति और आनंद की अनुभूति कराने के लिए ही गंगा-यमुना-सरस्वती नदियों का संगम स्थल तीर्थराज-प्रयागराज की यात्रा पर विमान से भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि हमारी सरकार ने ऐसी व्यवस्था कर दी है, जिससे हवाई चप्पल पहनने वाले भी हवाई यात्रा कर सकेंगे। मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना में विमान से तीर्थ-यात्रा की व्यवस्था करना प्रधानमंत्री मोदी की सोच को साकार करने का प्रयास है। यह यात्राएँ लगातार जारी रहेंगी। उन्होंने बताया कि योजना में अब तक 7 लाख 82 हजार बुजुर्ग रेल से तीर्थयात्रा कर चुके हैं। विमान से तीर्थ यात्राओं का क्रम निरंतर जारी रहेगा। प्रयागराज के साथ ही शिर्डी, मथुरा-वृंदावन, गंगासागर की यात्रा विमान से कराई जाएगी। साथ ही प्रदेशवासियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए विकास और कल्याण के कार्य निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, विष्णु खत्री व कृष्णा गौर, भोपाल महापौर मालती राय और अन्य जन-प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

भोपाल जिले के 32 तीर्थ यात्री विमान से हुए रवाना - मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत पहली हवाई यात्रा में भोपाल जिले के 32 तीर्थयात्री शामिल हुए। इनमें रामदास दुर्गा नगर, सीताराम वर्मा जाटखेड़ी, प्रेम नारायण पटेल जाटखेड़ी, कुसुम बाई जाटखेड़ी, अहिल्या बाई भोपे, चिन्जो बाई कुशवाह जाटखेड़ी, जगदीश प्रसाद गौर करोंद, कोक सिंह भोपाल, दिनेश सक्सेना पंजाबी बाग, कृष्णा चौबे दशमेश नगर, इमरत सिंह पलासी, बृजमोहन पचौरी करोंद, दिनेश कुमार शर्मा करोंद, रामप्रसाद चांडोरिया चांदबढ़, सिया कुमारी शर्मा कैलाश नगर, राजल गांधी नगर, गुलाब सिंह प्रजापति टीलाखेड़ी, प्रहलाद बगरोदा, मिट्ठूलाल फंदा कला, नारायण सिंह पिपलिया जाहीरपीर, उमेश सिंह नागर हरार्खेड़ा, मांगीलाल नाग, हिनौती सड़क, नरेश भार्गव दिल्लोद, रामसिंह कुशवाह गुनगा, टीकाराम सेन रोंझिया, रामलाल प्रजापति गुनगा, कमला चौकसे बरखेड़ा पठानी, हरप्रसाद लोधी गुनगा, संतोष कुमार गुप्ता जहांगीराबाद, नवल सिंह गांधी नगर, किशन मीना गांधी नगर और शकुंतला देवी बरखेड़ा शामिल हैं। तीर्थयात्रियों के साथ जिला पंचायत के एक अधिकारी और आईआरसीटीसी के टूर ऑपरेटर भी साथ गए।

मुंबई में जुहू चौपाटी की सफाई अभियान में शामिल हुए जी-20 परिषद के प्रतिनिधि

-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा -स्वच्छता अभियान में जन आंदोलन जरुरी

मुंबई, (हि.स.)। जुहू चौपाटी की सफाई के साथ पर्यावरण और जलवायु स्थिरता पर जी-20 परिषद के कार्यकारी समूह की तीसरी बैठक 'जी-20 तटीय सफाई' अभियान के साथ शुरू हो गई है। इस अभियान में जी-20 परिषद के प्रतिनिधियों के साथ राज्यपाल रमेश बैस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्वच्छता अभियान में जन आंदोलन को जरुरी बताया है। रविवार को जुहू बीच पर आयोजित इस अभियान में केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने भी उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे, पर्यटन मंत्री व मुंबई उपनगर के पालक मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, विधायक अमित साटम, प्रमुख सचिव प्रवीण दराडे, नगर आयुक्त इकबाल सिंह चहल सहित अन्य उपस्थित थे। जी-20 सम्मेलन में विभिन्न देशों के

प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री ने शिन्दे कहा कि मुंबई एक गतिशील शहर है और देश का विकास इंजन है। संत ज्ञानेश्वर ने मातृभूमि रक्षा का संदेश दिया है। मातृभूमि मानव जीवन के लिए वरदान है और हम इसके रक्षक हैं। उसके लिए इस स्वच्छता अभियान के माध्यम से यह संदेश देना चाहिए कि हमारे जीवन में प्रत्येक कार्य पर्यावरण के अनुकूल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में स्वच्छता अभियान की शुरूआत की थी। तब से यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है। देश का हर गांव, शहर स्वच्छता की ओर कदम बढ़ा रहा है। राज्य सरकार ने भी पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण गतिविधियां शुरू की हैं और इसके लिए कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनभागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जुहू बीच पर आयोजित 'जी-20 मेगा बीच क्लीन अप' अभियान के दौरान समुद्र तट पर आने वाले नागरिकों से बातचीत की। क्या समुद्र तट साफ है? जब मुख्यमंत्री ने ऐसा सवाल पूछा तो नागरिकों ने जवाब दिया कि 'हां, हम यहां रोज आते हैं।' शिन्दे ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियों की जरूरत है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का एक मिनट स्वच्छता के लिए निकालना चाहिए। यह पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने और गिरावट को कम करने में मदद करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने सुनी 200 से अधिक की फरियाद

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान फरियादियों को सुना। उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया और अधिकारियों को हिदायतें दी। अपने माताओं के साथ वहां पहुंचे बच्चों को दुलारा और चॉकलेट देकर पुचकारते हुए खूब पढ़ने-लिखने और आगे बढ़ने की सीख दी। इस दौरान योगी आदित्यनाथ एक एक फरियादी के पास खुद पहुंचे और उनके हाथों से शिकायती पत्रों को लिया।

ध्यान से पढ़ते हुए शिकायत करने वालों से समस्या से जुड़े सवाल भी किये। सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को शिकायती पत्रों के शीघ्र और न्यायपरक निस्तारण का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि पीड़ितों की मदद में तत्पर रहें और जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने में कोताही न करें। यदि कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाएं और समस्या का निराकरण करें। चेतावनी देते हुआ कहा कि यदि जानबूझकर कर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो जिम्मेदार के खिलाफ कार्रवाई होगी। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 200 से अधिक लोगों की समस्याएं सुनी।

भारत को 21वीं सदी की ओर ले जाने वाली सोच रखते थे राजीव गांधी : कांग्रेस

भदोही, (हि.स.)। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की रविवार 21 मई को पुण्यतिथि मनाई गई। जिला जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर जिलाअध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दूबे राजन के नेतृत्व में पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया गया। जिलाध्यक्ष ने उनके जीवन पर अपनी बात रखते हुए कहा कि राजीव गांधी देश में संचार क्रांति के जनक रहे। वह भारत को 21वीं सदी की ओर ले जाने वाली सोच रखते थे। प्रदेश सचिव वसीम अंसारी ने कहा कि राजीव गांधी का पूरा जीवन देश के लिये समर्पित रहा। 18 वर्ष की आयु में मताधिकार, पंचायतीराज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर आधुनिक भारत की नींव रखी। इस अवसर पर प्रदेश सचिव कर्मचंद बिन्द व वरिष्ठ कांग्रेस नेता हसनैन अंसारी ने कहा कि राजीव गांधी ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की अखंडता एवं एकता से कोई समझौता नहीं किया। राजीव गांधी ने 21वीं सदी के जिस भारत का सपना देखा था उसे पूरा करना हम सभी कांग्रेसजनों का कर्तव्य है। उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर आधुनिक भारत की परिकल्पना को पूर्ण कर अपना योगदान सुनिश्चित करें। यह उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर सुरेश उपाध्याय, राजेश्वर दूबे, नाजिम अली, संदीप दूबे, महेश चन्द्र मिश्रा, मो सोहैल, हरीशचंद्र दूबे, विमल दूबे, प्रफुल्ल शुक्ला उपस्थित रहे।

नई शिक्षा नीति में रचनात्मकता सीखने की अवधारणाओं को महत्व मिला : मनीष जैन

वाराणसी, (हि.स.)। आईआईटी गांधीनगर के क्रिएटिव लर्निंग सेंटर के प्रिंसिपल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर मनीष जैन ने रविवार को क्रिएटिव लर्निंग की जानकारी विद्यार्थियों को दी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस के छात्रों को सरल 3-डी मॉडल के माध्यम से विभिन्न जटिल गणितीय अवधारणाओं का मनीष जैन ने प्रदर्शन भी किया। विशेष व्याख्यान में उन्होंने छात्रों से संवाद शैली में शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार के लिए कक्षा में रचनात्मक शिक्षण की तकनीकों का उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत सरकार द्वारा लायी गई नई शिक्षा नीति में रचनात्मकता सीखने की अवधारणाओं को उचित महत्व दिया गया है। उन्होंने क्रिएटिव लर्निंग के माध्यम से शिक्षण गुणवत्ता में सुधार के लिए आईआईटी गांधीनगर में क्रिएटिव लर्निंग लैब के साथ हाथ मिलाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। छात्र पूरे व्याख्यान के दौरान बहुत उत्साहित रहे। खीरा और कागज का उपयोग करके 3-डी मॉडल बनाने का आनंद भी खूब उठाया। व्याख्यान के बाद शिक्षकों ने प्रो. मनीष जैन से भी घंटों बातचीत की। इस व्याख्यान का आयोजन स्किल डेवलपमेंट सेल बीएचयू ने डीएसटी सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी मैथमैटिकल साइंसेज के सहयोग से किया। व्याख्यान में प्रोफेसर सुख महेंद्र सिंह, डीन, विज्ञान संकाय, प्रोफेसर बंकेश्वर तिवारी, समन्वयक डीएसटी-सीआईएमएस, प्रोफेसर एचपी शर्मा समन्वयक कौशल विकास प्रकोष्ठ, डॉ. राघवेंद्र चौबे, डॉ. राजकिरण प्रभाकर, डॉ. अंशुल वर्मा और डॉ स्वप्निल भी मौजूद रहे।

सरकार बंगले में मस्त, बिजली-पानी के बिना जनता त्रस्त : संजय सेठ

रांची, (हि. स.)। रांची के सांसद संजय सेठ ने कहा कि रांची सहित पूरे झारखंड में बिजली और पानी के बिना हाहाकार मचा हुआ है। जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। सरकार बंगले में मस्त है, बिजली- पानी के बिना जनता त्रस्त है। ऐसा लग रहा है जैसे सरकार को जन सरोकार से कोई मतलब ही नहीं है। सेठ अरगोड़ा स्थित सांसद कार्यालय में रविवार को प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जन सरोकार से मतलब नहीं रखने वाली सरकार को सत्ता में रहने का कोई भी हक नहीं होना चाहिए। इस भीषण गर्मी में बिजली कटौती से बच्चे, बुजुर्ग,मरीज और किसान परेशान है। छोटे-छोटे उद्योग धंधे बंद होने के कगार पर है। बिजली आपूर्ति नहीं होने के कारण गांव के किसान खेतों में पानी नहीं पटा पा रहे हैं। इस वजह से फसल का नुकसान हो रहा है। छोटे-छोटे व्यापारी बिजली की किल्लत से परेशान है। पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। पानी भरने के लिए लोग रात -रात भर जाग रहे हैं। नगर निगम पूरी तरह विफल है। पानी के कारण आपस में लोग लड़ाई झगड़ा तक कर रहे हैं। रांची के 60 प्रतिशत चापाकल फेल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता 50 साल पूर्व जैसे पंखा हिलाकर गर्मी भगाते थे और लालटेन जलाकर घर में उजाला करते थे। ऐसे युग में फिर से राज्य सरकार ने यहां के लोगों को जीने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास कोई विजन नहीं है कि कैसे बिजली और पानी के संकट का समाधान किया जा सके।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम ने दिए दिशा-निर्देश

मधुबनी, (हि.स.)। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय सभागार में रविवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। डीएम अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा की वृहत जानकारी सार्वजनिक की गई। जिला सड़क सुरक्षा समिति का अध्यक्ष ने विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। डीएम ने मोटर वाहन अधिनियम अंतर्गत जांच एवं कार्रवाई को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया। साथ ही बताया कि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले लोगों को सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने यातायात नियमों के प्रति लोगों को नियमित रूप से जागरूक करने के लिए अभियान चलाने का निर्देश जिला परिवहन पदाधिकारी व जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया गया। उन्होंने विद्यालय के पठन-पाठन में बच्चों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता, स्लोगन, पेंटिंग कंपटीशन, विचार गोष्ठी का आयोजन के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति बच्चों को जागरूक करने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया। जिलाधिकारी ने मोटर वाहन अधिनियम अंतर्गत जांच एवं कार्रवाई को सख्ती से लागू करने का भी निर्देश दिया। दुर्घटना वाले स्थानों पर स्पीड ब्रेकर का निर्माण करवाना आवश्यक बताया। इस मौके पर नगर आयुक्त अनिल चौधरी, डीटीओ, शशि शेखरण, एसडीपीओ प्रभाकर तिवारी, विद्यालय परिवहन समिति के सचिव, कैलाश भारद्वाज सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के नौ वर्षों के कार्य से देश का हर नागरिक गौरवन्वित : साध्वी निरंजन ज्योति

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ वर्ष पूर्ण पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर बैठक

फतेहपुर, (हि.स.)। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नौ वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर रविवार को भाजपा कार्यालय में बैठक कर रुपरेखा तैयार की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री व कानपुर बुन्देलखण्ड क्षेत्र की प्रभारी प्रियंका सिंह रावत उपस्थित रहीं। कार्यकताओं को हाल ही में सम्पन्न हुए निकाय चुनाव में मिली सफलता पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संगठन की ओर से 30 मई से 30 जून के मध्य लोकसभा व विधानसभा स्तर पर विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की योजनाएं बनाई गई है। सभी कार्यक्रमों को पूर्व की भांति सकुशल सम्पन्न कराना है। बैठक में मौजूद केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने नवनिर्वाचित पार्टी के नगर निकाय अध्यक्षों को बधाई दी और उन्होंने निकाय चुनाव में मिली सफलता का श्रेय पार्टी पदाधिकारी व कार्यकताओं को देते हुए कहा कि आज हमारे देश को विश्व पटल में सम्पन्न देश के रूप में देखा जा रहा है। इसके पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वह संकल्प है, जिसमें उन्होंने नौ वर्षों में वह कार्य किया है, जिससे देश का एक-एक नागरिक आज अपने को गौरवन्वित महसूस कर रहा है। जिला प्रभारी व क्षेत्रीय महामंत्री राम किशोर साहू की ओर से उपस्थित लोगों को आगामी अभियानों में अपने अपने दायित्वों को कुशलतापूर्वक निभाने की बात कही गई। बैठक में पूर्व मंत्री रणवेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व मंत्री राधेश्याम गुप्त, पूर्व मंत्री अयोध्या प्रसाद पाल, विधायक जहानाबाद राजेंद्र सिंह पटेल, पूर्व विधायक करण सिंह पटेल, विक्रम सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शुक्ला, प्रभुदत्त दीक्षित समेत सैकड़ों भाजपाई उपस्थित रहे।

एलआईसी ऑफिस में लगी आग, दस्तावेज जलकर हुए खाक

- शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका, दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत कर बुझाई आग

कानपुर, (हि.स.)। तेज धूप और 40 के पार तापमान पहुंचने पर आग की घटनाएं बढ़ने लगी है। इसी कड़ी में रविवार को बर्रा थाना क्षेत्र स्थित एलआईसी (भारतीय जीवन बीमा निगम) के ऑफिस में अवकाश के दिन भीषण आग लग गई। आग लगने से ऑफिस में रखे दस्तावेज जलकर खाक हो गये। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल विभाग का कहना है कि संभवतः शार्ट सर्किट से आग लगी होगी। कानपुर के दक्षिण में पटेल चौक के पास मातृछाया कॉम्पलेक्स स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम का ऑफिस है। ऑफिस में अचानक धुएं का गुबार निकलने लगा तो लोगों ने दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल की टीम आने से पहले धुआं का गुबार तेज लपटों में तब्दील हो गया। कॉम्पलेक्स में मौजूद हॉस्पिटल समेत अन्य दुकानदारों ने आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने दो गाड़ियों के बदौलत कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ऑफिस में रखे सारे दस्तावेज जलकर खाक हो गये। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। संभावना है कि आग शार्ट सर्किट से लगी होगी और एलआईसी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर कारणों की जांच कर रहे हैं।

राज्य के वीर शहीदों के सम्मान के लिए काम करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन रविवार को झारखंड आंदोलन के अग्रणी योद्धा एवं पूर्व विधायक स्व. दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि पर रांची के नामकोम (लोवाडीह) स्थित दुर्गा सोरेन स्मारक पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री ने दुर्गा सोरेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मंत्री हफीजुल हसन अंसारी एवं विधायक सीता सोरेन सहित अन्य लोगों ने दुर्गा सोरेन को श्रद्धासुमन अर्पित की। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि आज झारखंड आंदोलन के अगुवा और वीर माटी पुत्र बड़े भाई स्वर्गीय दुर्गा सोरेन की पुण्यतिथि है।

हम सभी लोग आज उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं। शहीदों के सम्मान के लिए हमारी सरकार राज्य के विभिन्न शहीद स्मारकों को भव्यता प्रदान करने का कार्य कर रही है। वर्षों से वीर शहीदों को हम सभी लोग मान-सम्मान देते रहे हैं। आगे भी एक बेहतर कार्य योजना के तहत राज्य के वीर शहीदों के सम्मान के लिए हमारी सरकार कार्य करेगी।

हाई कोर्ट के आदेश पर बहुरेंगे मोतिहारी मोतीझील के दिन

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिला मुख्यालय मोतिहारी के वकील कुमार अमित की जनहित याचिका ने रंग दिखाना शुरू कर दिया है। कुमार अमित ने पटना हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका 04 मार्च, 2022 को दायर की थी। इस जनहित याचिका में मोतीझील में अतिक्रमण एवं झील में बढ़ते गाद की ओर कोर्ट का ध्यान आकृष्ट कराया था। इसमें भारत सरकार एवं बिहार राज्य सरकार के नगर विकास, जल संसाधन, वन विभाग इत्यादि को वादी बनाया गया है। इस मामले को संज्ञान में लेते हुए 05 मई को हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने मोतीझील के उत्थान, जीर्णोद्धार, संरक्षण तथा अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए आदेश पारित किया है। साथ ही मुख्य सचिव बिहार को निर्देशित किया गया है कि वे डीएम द्वारा समर्पित उपक्रम के अनुरूप मोतीझील के पुनरुत्थान तथा परियोजना पूरा होने की निगरानी के लिए एक पदाधिकारी को प्राधिकृत करें। याचिकाकर्ता कुमार अमित ने मीडिया को बताया कि 19 मई को वे राज्य के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी से मिलकर उन्हें न्यायादेश की प्रति हस्तगत कराया। उन्होंने आश्वस्त किया कि न्यायालय के आदेश के आलोक में ठोस कदम उठाये जाएंगे। साथ ही राज्य के एक वरीय पदाधिकारी को मॉनिटरिंग के लिए नामित करने का निर्देश निर्गत किया। इस मसले पर मोतिहारी डीएम सौरव जोरवाल ने भी पूर्ण कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

वर्तमान में पत्रकारिता का भारतीयकरण होना जरूरी : प्रो. संजय द्विवेदी

-विश्व संवाद केंद्र मुरादाबाद ने देवऋषि नारद जयंती पर किया पत्रकार गोष्ठी का आयोजन

मुरादाबाद, (हि.स.)। विश्व संवाद केंद्र मुरादाबाद के तत्वावधान में रविवार को आरएसडी एकेडमी रामगंगा विहार में देवऋषि नारद जयंती पर राष्ट्र निर्माण में पत्रकार की भूमिका विषयक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता आईआईएमसी के महानिदेशक प्रोफेसर संजय द्विवेदी ने कहा कि वर्तमान में पत्रकारिता का भारतीयकरण होना जरूरी है। सकारात्मकता का प्रचार भी बहुत जरूरी है। करोना काल में पत्रकारों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि नारद जयंती के दिन 30 मई 1826 को देश का पहले समाचार पत्र उदंत मार्तंड का प्रकाशन पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने किया था। इसलिए पत्रकार दिवस 30 मई को मनाया जाता है। उसी वर्ष 30 मई को ज्येष्ठ कृष्ण द्वितीया यानी नारद जयंती थी। उन्होंने पत्रकार एवं पत्रकारिता के दायित्व को समझाते हुए अपने अनुभव साझा किये। मुख्य अतिथि आरएसडी एकेडमी के निदेशक डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि पत्रकार बंधुओं से अपेक्षा है कि समाचार को अनुभव के आधार पर समझकर और उसकी सत्यता को परखकर ही लिखें। कार्यक्रम अध्यक्ष आईएफटीएम विश्वविद्यालय के मास कम्युनिकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर राजेश शुक्ला ने कहा कि भारत की आजादी में पत्रकारिता का बहुत बड़ा योगदान था। हर दौर में लेखकों और पत्रकारों की आवश्यकता है। नारद जी बहुत अच्छे संचारक थे, उनके गुणों को अपनाएं। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार डॉ. माधव शर्मा ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचार प्रमुख पवन जैन, महानगर प्रचार प्रमुख संजीव चौधरी एडवोकेट, कार्यक्रम संयोजक डॉ. विशेष गुप्ता, हरिमोहन गुप्ता, अक्षत गौतम, स्पर्श गुप्ता, वरिष्ठ पत्रकार राजीव हरि, विशाल शुक्ला, तरुण पाराशर, जयप्रकाश, अंकित चौहान, लवलीन यादव, निमित जायसवाल आदि अनेकों पत्रकार उपस्थित रहे।

2000 रुपये के नोट बंद होने पर मायावती की आई प्रतिक्रिया

लखनऊ, (हि.स.)। भारतीय रिजर्व बैंक के 2000 रुपये के नोट बंद करने के एलान पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने रविवार को अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि करेन्सी व उसकी विश्व बाजार में कीमत का सम्बंध देश का हित व प्रतिष्ठा से जुड़ा होने के कारण इसमें जल्दी-जल्दी बदलाव करना जनहित को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। इसीलिए ऐसा करने से पहले इसके प्रभाव व परिणाम पर समुचित अध्ययन जरूरी। सरकार इस पर जरूर ध्यान दे।

आधुनिक भारत के निमार्ता और भारतीय सूचना क्रांति के जनक थे राजीव गांधी : राजेश ठाकुर

रांची, (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि रविवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में सादगीपूर्वक मनाई गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर एवं कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। राजेश ठाकुर ने कहा कि आधुनिक भारत के निमार्ता, भारतीय सूचना क्रांति के जनक, पंचायती राज सशक्तिकरण के सूत्रधार, युवाओं के प्रेरणास्त्रोत, देशहित में सब कुछ न्यौछावर करने वाले कुशल प्रशासक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी सदैव याद रहेंगे। झारखंड अलग राज्य के बिना यहां रहने वाले आदिवासियों मूलवासियों एवं सभी समुदाय के लोगों का विकास संभव नहीं है, ऐसा उदगार राजीव गांधी ने गुमला, सिमडेगा और खूंटी की जनसभाओं में प्रकट किया था। राजीव गांधी ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में कई बड़ी योजनाओं में झारखंड के हितों को सर्वोपरि रखते थे। पूर्व मंत्री सह कार्यकारी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि देश की पंचायतीराज व्यवस्था को मजबूत और सशक्त बनाने के साथ ही कंप्यूटर एवं संचार क्रांति लाकर युवा, आधुनिक एवं सुदृढ़ भारत के निर्माण में उनका योगदान अतुल्य है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा की सूचना क्रांति, पंचायती राज और युवाओं को मताधिकार देने जैसी उनकी क्रांतिकारी सोच व संकल्प ने भारत को विकसित व आधुनिक राष्ट्र बनाया। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी रहेगा। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री सह कार्यकारी अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, राकेश सिन्हा, अमुल्य नीरज खलखो, विनय सिन्हा दीपू, प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, रमा खलखो, अमरेन्द्र सिंह, अभिलाष साहू, कमल ठाकुर और डॉ राकेश किरण महतो सहित अन्य शामिल थे।

एनटीपीसी ने कहलगांव रेलवे स्टेशन परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

भागलपुर, (हि.स.)। स्वच्छ भारत मिशन के तहत एनटीपीसी ने कहलगांव रेलवे स्टेशन परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। नारायण प्रकाश शाहर परियोजना प्रमुख के नेतृत्व में एनटीपीसी अधिकारी, कर्मचारीगण, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण ने श्रमदान द्वारा कहलगांव रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म, रेलवे ट्रैक, वेटिंग रूम, शौचालय, परिभ्रमण क्षेत्र, फुट ओवर ब्रिज एरिया परिसर की साफ-सफाई की। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख ने कहा कि स्वच्छता भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पहलू है और हम सभी को न केवल अपने निजी स्थानों पर बल्कि अपने सार्वजनिक स्थानों पर भी स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता पखवाड़ा के अगले चरण में एनटीपीसी दीप्तिनगर में स्वच्छता अभियान के तहत प्रभात फेरी का आयोजन करेगा। इस अवसर पर संजीव कुमार साहा, राजेश गुप्ता, बी. राजेंद्र कुमार के अलावा सभी विभागाध्यक्ष, यूनियन तथा एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित थे।

संपादकीय

आपसी समझदारी बने

केंद्रीय मंत्रिमंडल में गुरुवार सुबह किए गए एक संक्षिप्त बदलाव के कारण किरेन रिजिजू को कानून मंत्री का अपना पद गंवाना पड़ा। उन्हें अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण माने जाने वाले भू-विज्ञान मंत्रालय में भेज दिया गया। उनकी जगह अर्जुन राम मेघवाल को राज्य मंत्री के रूप में कानून मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। इस घटनाक्रम को कई वजहों से चौंकाने वाला माना जा रहा है। हाल के वर्षों में यह पहला मौका है, जब कानून मंत्री कैबिनेट रैंक के नहीं होंगे। किरेन रिजिजू सरकार के सबसे हाई प्रोफाइल मंत्रियों में गिने जाते थे। अचानक हुए इस बदलाव की कोई वजह नहीं बताई गई है, लेकिन जिस पृष्ठभूमि में ये बदलाव सामने आए हैं, उसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। कानून मंत्री के रूप में किरेन रिजिजू का कार्यकाल न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच असामान्य टकराव और तनाव के लिए याद रखा जाएगा। जजों की नियुक्ति और ऐसे अन्य मुद्दों को लेकर न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच मतभेद होना और कभी-कभी इनका गंभीर रूप ले लेना भी कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। ऐसा अतीत में होता रहा है, लेकिन ये मामले समझदारी से सुलझाए भी जाते रहे हैं। इस बार न केवल जजों की नियुक्ति से जुड़े मतभेद नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर इन दोनों संस्थानों के परस्पर विरोधी स्टैंड से जुड़ गए बल्कि कानून मंत्री के असामान्य रूप से कड़े बयानों के कारण स्थिति ज्यादा जटिल हो गई। मामले की जड़ में था कलीजियम सिस्टम जिसे केंद्र सरकार समाप्त करना चाहती थी। 2014 में सरकार नैशनल जुडिशल अपॉइंटमेंट्स कमिशन एक्ट (एनजेएसी एक्ट) भी लाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बता कर निरस्त कर दिया था। उसके बाद से ही न्यायपालिका को ऐसा लग रहा था कि कलीजियम की ओर से भेजे जाने वाले नामों को स्वीकार करने में कार्यपालिका बेरुखी दिखा रही है। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि कलीजियम सिस्टम के जरिए जजों की जजों द्वारा नियुक्ति का चलन ठीक नहीं है और इसमें बदलाव किया जाना चाहिए। ये बातें अलग-अलग मौकों पर सार्वजनिक भी की जाती थीं, लेकिन रिजिजू के कार्यकाल में ये अप्रत्याशित रूप से बढ़ गईं। न केवल सुप्रीम कोर्ट ने कलीजियम की सिफारिशों पर अमल में देरी को गंभीर मसला बताते हुए कड़ी प्रशासनिक और न्यायिक कार्रवाई की चेतावनी दी बल्कि कानून मंत्री ने उस पर प्रतिक्रिया देते हुए यहां तक कह दिया कि कोई किसी कोई को धमकी नहीं दे सकता। उन्होंने एक अलग मौके पर यह भी कहा कि देश संविधान से बाहर की कोई व्यवस्था सिर्फ इसलिए नहीं स्वीकार कर लेगा कि वह फैसला कुछ जजों द्वारा लिया गया है। उम्मीद की जाए कि ऐसे सख्त बयानों से न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच बना तनाव अब धीरे-धीरे कम होगा और ठंडे माहौल में गंभीरता के साथ उन मतभेदों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी जो दोनों संस्थानों के बीच उभर आए हैं।

जजों की नियुक्ति और ऐसे अन्य मुद्दों को लेकर न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच मतभेद होना और कभी-कभी इनका गंभीर रूप ले लेना भी कोई बहुत बड़ी बात नहीं है। ऐसा अतीत में होता रहा है, लेकिन ये मामले समझदारी से सुलझाए भी जाते रहे हैं। इस बार न केवल जजों की नियुक्ति से जुड़े मतभेद नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर इन दोनों संस्थानों के परस्पर विरोधी स्टैंड से जुड़ गए बल्कि कानून मंत्री के असामान्य रूप से कड़े बयानों के कारण स्थिति ज्यादा जटिल हो गई। मामले की जड़ में था कलीजियम सिस्टम जिसे केंद्र सरकार समाप्त करना चाहती थी। 2014 में सरकार नैशनल जुडिशल अपॉइंटमेंट्स कमिशन एक्ट (एनजेएसी एक्ट) भी लाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक बता कर निरस्त कर दिया था। उसके बाद से ही न्यायपालिका को ऐसा लग रहा था कि कलीजियम की ओर से भेजे जाने वाले नामों को स्वीकार करने में कार्यपालिका बेरुखी दिखा रही है। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि कलीजियम सिस्टम के जरिए जजों की जजों द्वारा नियुक्ति का चलन ठीक नहीं है और इसमें बदलाव किया जाना चाहिए।

कुछ अलग

फिल्म भी देखी पैसे भी बटोरे

जिस रांची को देश ने बाद में धोनी की वजह से जाना, उससे कोई डेढ़ घंटे की दूरी पर पतरातू नाम की जगह है। अब यह जगह झारखंड में है, लेकिन बात तब की है, जब झारखंड अलग राज्य नहीं बना था। उस वक्त पतरातू बिहार के हजारीबाग जिले का हिस्सा हुआ करता था। अब यह जिला भी झारखंड में है। पतरातू में राज्य सरकार का कोयले से चलने वाला पावर प्लांट था, जिसमें मेरे पिता काम करते थे। यह काम ही हमारे परिवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से वहां लेकर गया था। बोकारो के स्टील प्लांट की तरह ही इसे भी नेहरू के आधुनिक उद्योग खड़ा करने की मुहिम के तहत सोवियत संघ से आए इंजीनियरों ने बनाया था। जब तक मैंने होश संभाला, तब तक यहां रूसी लोगों के किस्से ही रह गए थे, रूसी तो कब के पतरातू छोड़कर जा चुके थे। पावर प्लांट की बाद की यूनिटें भारतीय इंजीनियरों ने बनाईं, इसलिए उन्हें 'इंडियन साइड' और पहले की दो यूनिटों को 'रशियन साइड' कहा जाता था। प्लांट में काम करने वालों को ओहदे के हिसाब से घर अलॉट किए जाते थे। उनके मनोरंजन के लिए ऑफिसर्स क्लब और श्रम कल्याण केंद्र (वर्कर्स क्लब) नाम से दो क्लब भी बनाए गए थे। इनमें हर सप्ताह मुफ्त फिल्में भी दिखाई जाती थीं। ऑफिसर्स क्लब में इनडोर और श्रम कल्याण केंद्र में आउटडोर। ऑफिसर्स क्लब में तो दिन में भी फिल्में दिखाई जा सकती थीं, मगर श्रम कल्याण केंद्र की दिक्कत यह थी कि वहां प्रॉजेक्टर पर रील तभी चढ़ती, जब अंधेरा कुछ घना होता। कई साल तक इन्हीं दो जगहों पर फिल्में दिखाई जाती रहीं, लेकिन जब मैं 12 साल का हुआ, तब तीन-चार जगहों पर इन्हें दिखाया जाने लगा। मेरा घर श्रम कल्याण केंद्र से दो किलोमीटर दूर था। जब फिल्मों को तीन-चार जगहों पर दिखाने की व्यवस्था शुरू हुई, तो उनमें से एक ठीक मेरे घर के पीछे थी। अब फिल्म देखने के लिए दो किलोमीटर घिसकर श्रम कल्याण केंद्र तक जाने की जरूरत खत्म हो गई। फिर 12 साल के बच्चे को कौन घर से दूर जाने देता। इसके चलते वहां जाने की इजाजत माता-पिता से बमुश्किल ही मिल पाती थी। लेकिन जब मेरे घर के पीछे ही फिल्म चलने लगी, तो माता-पिता की यह रोक थोड़ी ढीली हुई। अमिताभ बच्चन तब सबसे बड़े स्टार थे और उनकी नसीब, आनंद, शान जैसी फिल्में मैंने यहीं देखीं। फिल्म दिखाने के लिए एक तरफ दो डंडों के बीच बड़ा सफेद पर्दा टांगा जाता और प्रॉजेक्टर से रात को फिल्म दिखाई जाती। परदे के सामने लोग जमीन पर बैठकर फिल्में देखते। जितनी दिलचस्पी हम लोगों की फिल्म देखने में होती, उससे भी ज्यादा अगली सुबह में। उसकी वजह यह थी कि पिछली रात जहां लोग बैठकर फिल्में देख रहे होते, उनकी जेब से सिक्के और नोट जमीन पर गिर जाते। इसलिए अगली सुबह वहां बच्चे पहुंचकर पैसे ढूंढते थे और मुझे शायद ही कभी इस मामले में मायूस होना पड़ा हो। हम बच्चों को वहां से जो पैसे मिलते, उससे हम कंचे, टॉफी और लट्टू खरीदा करते। 1988 में इसी तरह एक बार मुझे वहां 5 रुपये मिले थे। कल जब मैं अपने दफ्तर से निकला तो नीचे सड़क की ओर देखते हुए खयाल आया कि अब सड़कों पर रुपये या सिक्के नहीं मिलते। कम से कम मुझे तो बरसों से नहीं मिले। यानी अब सड़कें भी कैशलेस हो गई हैं।

कई साल तक इन्हीं दो जगहों पर फिल्में दिखाई जाती रहीं, लेकिन जब मैं 12 साल का हुआ, तब तीन-चार जगहों पर इन्हें दिखाया जाने लगा। मेरा घर श्रम कल्याण केंद्र से दो किलोमीटर दूर था। जब फिल्मों को तीन-चार जगहों पर दिखाने की व्यवस्था शुरू हुई, तो उनमें से एक ठीक मेरे घर के पीछे थी। अब फिल्म देखने के लिए दो किलोमीटर घिसकर श्रम कल्याण केंद्र तक जाने की जरूरत खत्म हो गई। फिर 12 साल के बच्चे को कौन घर से दूर जाने देता। इसके चलते वहां जाने की इजाजत माता-पिता से बमुश्किल ही मिल पाती थी।

झीलें अगर सिकुड़ती गईं, तो यह संकट और गंभीर होता जाएगा

झीलों की उपेक्षा से गंभीर होता जल-संकट

ललित गर्ग

भारत में झीलों के जल का मुख्य जलस्रोत पहाड़ों से आने वाले बर्फ के पिघलने एवं झरनों से आने वाला जल है। हमारे यहां उत्तराखण्ड के पहाड़ उसके बड़े उदाहरण हैं। लेकिन वहां बड़े पैमाने पर शुरू हुई विकास परियोजनाओं की वजह से न सिर्फ पहाड़ों के धंसने और स्खलित होने की घटनाएं बढ़ी हैं, बल्कि अनेक प्राकृतिक जल स्रोतों पर संकट मंडराने लगा है। वहां की नदियों और पहाड़ी झरनों का मार्ग अवरुद्ध होने से झीलों तक पहुंचने वाले जल काफी कम हो गया है। बहुत सारी झीलों के पानी का अतार्किक दोहन बढ़ा है।

दुनिया की झीलों पर मंडरा रहे खतरों पर किये गये एक ताजा शोध एवं अनुसंधान में कहा गया है कि दुनिया की आधे से अधिक सबसे बड़ी झीलों और जलाशयों में पानी लगातार घट रहा है और वे सूखने की कगार पर हैं। इसके कारण धरती के कई हिस्सों में इंसानों की भविष्य की जल सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। झीलों और बड़े जलाशयों के सूखने का सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन, बढ़ती गर्मी और बढ़ती पानी की खपत को माना जा रहा है। ऐसे समय में जब पेयजल का गंभीर संकट महसूस किया जा रहा है और पानी के प्राकृतिक स्रोतों के संरक्षण पर जोर दिया जा रहा है, यह इस शोध से हुआ नया खुलासा और चिंता पैदा करता है। व्यवस्थित रूप से इस संकट का अध्ययन करने के लिए एक टीम में अमेरिका, फ्रांस और सऊदी अरब के वैज्ञानिक शामिल थे। इन लोगों ने 1992 से 2020 तक की सेटेलाइट तस्वीरों का उपयोग करते हुए पृथ्वी की सबसे बड़ी 1,972 झीलों और जलाशयों को देखा। उन्होंने बड़े पैमाने पर उपग्रहों की बेहतर सटीकता के साथ-साथ इंसानों और वाइल्ड लाइफ के लिए महत्व होने के कारण बड़े मीठे पानी की झीलों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। इस अध्ययन में यह देखने की कोशिश की गई झीलों में पानी की मात्रा में लगभग 30 साल में कैसे और कितना अंतर आया है। नतीजों में पाया गया कि 53 फीसदी झीलों और जलाशयों में पानी की मात्रा में लगभग 22 गीगाटन सालाना की दर से गिरावट देखी गई। इस तरह सरकारों और जल संचय के लिए काम करने वाले सामाजिक संगठनों के लिए यह चेतावनी की घंटी है। झीलें एक प्रकार की प्राकृतिक जलाशय है, जिनके पानी का उपयोग पेयजल और उद्योगों आदि के काम में किया जाता है। जिस तरह नदियों का जलस्तर घटते जाने की वजह से दुनिया के अनेक शहरों में पेयजल का गहरा संकट पैदा हो गया है, उसी तरह झीलें अगर सिकुड़ती गईं, तो यह संकट और गंभीर होता जाएगा। नदियों एवं झीलों में गिरते जल स्तर से आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान

कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ एवं झीलें पर्यटन को प्रोत्साहन देने से प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और जल स्तर लगातार घट रहा है। आज विश्व के सभी देशों में झीलों से मिलने वाले स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना जरूरी है साथ ही जल संरक्षण के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित करना है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? झीलों, नदियों, जलाशयों और अन्य प्राकृतिक जलस्रोतों के सूखते जाने को लेकर लगातार अध्ययन होते रहे हैं, उनके आंकड़ों से वजहें भी स्पष्ट हैं। मगर उनके संरक्षण को लेकर जिन व्यावहारिक उपायों की अपेक्षा की जाती है, उन पर अमल नहीं हो पाता। झीलों का स्रोत आमतौर पर पहाड़ों से आने वाला पानी होता है। वह बर्फ के पिघलने या फिर वर्षाजल के रूप में संचित होता है। मगर जलवायु परिवर्तन की वजह से जिस तरह दुनिया भर में गर्मी बढ़ रही है, उसमें कई जगह पहाड़ों पर पहले की तरह बर्फ नहीं जमती और न पर्याप्त वर्षा होती है। फिर उनसे जो पानी पैदा होता है, उसका अनुपात बिगड़ चुका है। बरसात की अवधि कम और बारिश की मात्रा कम या अधिक होने से झीलों में पर्याप्त पानी जमा नहीं हो पाता। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है, इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। जिनमें झीलों एवं नदियां ही मुख्य जलस्रोत है। लेकिन, मानव अपने पर्यटन, स्वास्थ्य, सुविधा, दिखावा व विलासिता में अमूल्य जल की बर्बादी करने से नहीं चूकता। पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश झीलों एवं नदियों में जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। तापमान में जैसे-जैसे वृद्धि हो रही है, भारत के कई हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। प्रतिवर्ष यह समस्या पहले के मुकाबले और बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण पहाड़ों पर लगातार बढ़ रहा पर्यटन और औद्योगिक वाणिज्यिक गतिविधियां हैं। पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने का एक बड़ा नुकसान यह भी हुआ है कि झीलों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ी हैं, जिसके चलते उनमें कचरा जमा होता गया है। उनकी नियमित गाद निकालने की व्यवस्था न होने से वे उथली होती गई हैं। कई झीलों का पाट सिकुड़ता गया है। देश की प्रमुख झीलों जिनमें कश्मीर की डल झील हो या पुष्कर सरोवर या उदयपुर की झीलें- यह सरकारों की उपेक्षा का नतीजा तो है ही, सामाजिक संगठनों की उदासीनता का भी पता देता है। पहले सामुदायिक जल स्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित होती थी, मगर अब वह परंपरा लगभग समाप्त हो गई है। झीलों की सेहत सुधारनी है, तो यह उदासीनता और उपेक्षा का भाव त्यागना होगा, एक सुनियोजित समझ एवं सोच झीलों के जलस्रोत एवं संरक्षण के लिये विकसित करनी होगी। भारत में झीलों के जल का मुख्य जलस्रोत पहाड़ों से आने वाले बर्फ के पिघलने एवं झरनों से आने वाला जल है। हमारे यहां उत्तराखण्ड के पहाड़ उसके बड़े उदाहरण हैं। लेकिन वहां बड़े पैमाने पर शुरू हुई विकास परियोजनाओं की वजह से न सिर्फ पहाड़ों के धंसने और स्खलित होने की घटनाएं बढ़ी हैं, बल्कि अनेक प्राकृतिक जल स्रोतों पर संकट मंडराने लगा है। वहां की नदियों और पहाड़ी झरनों का मार्ग अवरुद्ध होने से झीलों तक पहुंचने वाले जल काफी कम हो गया है। बहुत सारी झीलों के पानी का अतार्किक दोहन बढ़ा है। उनका बड़े पैमाने पर औद्योगिक इकाइयों के लिए इस्तेमाल होने लगा है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक जल उपयोग पिछले 100 वर्षों में छह गुणा बढ़ गया है, और बढ़ती आबादी, आर्थिक विकास तथा खपत के तरीकों में बदलाव के कारण यह प्रतिवर्ष लगभग एक प्रतिशत की दर से लगातार बढ़ रहा है।

फिर सामने आया षड्यंत्री मानसिकता का कुत्सित चेहरा

आरबीआई एक्ट 1934 की धारा 24 (1) के तहत पहली बार 2000 के नोट नवंबर 2016 में जारी किए गए थे। तब 500 रुपये और 1000 रुपये के नोट बंद किए जाने के बाद अर्थव्यवस्था में मुद्रा ज़रूरतों को पूरा करने के लिए 2000 के नोट जारी किए गए थे। .जब छोटे नोटों की आपूर्ति सुचारू हो गई तो 2018-19 में 2000 के नोटों को छापना बंद कर दिया गया। आरबीआई के अनुसार, 2000 के 89% नोट मार्च 2017 से पहले जारी किए गए थे।आरबीआई अपनी क्लीन नोट पॉलिसी के तहत नोटों को बंद करती है या नए नोट जारी करती है। साल 2021 में तत्कालीन वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया था कि आरबीआई ने साल 2019 और 2020 में दो हज़ार रुपए के नए नोट छापे ही नहीं हैं। वहीं अनुराग ठाकुर ने साल 2020 में कहा था, "मार्च 2019 में 329 .10 करोड़ रुपए क़ीमत के दो हज़ार रुपए के नोट बाज़ार में चल रहे थे . वहीं मार्च 2020 में इनकी क़ीमत कम होकर 273 .98 करोड़ रुपए रह गई"।

रिजर्व बैंक ने दो हजार का नोट चलन से बाहर क्या किया हमारे देश के कुछ कथित अखबार नवीसों, वामपंथी बुद्धिजीवियों और टुकड़े टुकड़े गैंग के सदस्यों को जैसे प्रधानमंत्री मोदी को गरियाने का मुद्दा मिल गया। तरस आता है इन मूड़मतों की बुद्धि पर, रिजर्व बैंक के इस निर्णय की तुलना 2016 में की गई नोटबंदी से करके देशवासियों को बरगलाने का काम लगातार जारी है। ऐसा लगता है की देशवासियों को जैसे मूर्ख समझ लिया गया है और सारी बुद्धिमत्ता का धनी खुद को मान लिया गया है। पूरा देश अब भली प्रकार से यह समझ चुका है कि देश में एक बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है जिसका कि केवल यही काम रह गया है कि कैसे न कैसे केंद्र सरकार द्वारा जनहित और राष्ट्रहित में उठाए कदमों का विरोध किया जाए और उसके प्रति तमाम भ्रमपूर्ण बातें फैलाकर देश के माहौल को गंदा किया जाए। दो हजार के नोट को चलन से बाहर करने पर भी कुछ ऐसा ही माहौल पैदा करने का षडयंत्र लगातार जारी है। इस षड्यंत्र में कमोवेश वही लोग नजर आ रहे हैं पिछले 9 वर्षों के दौरान तमाम सरकारी नीतियों पर गला फाड़ते दिखाई दिए हैं। पूरे देश ने देखा है कि धारा 370 को हटाए जाने का विषय हो, किसान हित में लिए गए निर्णय हो, अयोध्या राममंदिर निर्माण का विषय हो, समान नागरिक कानून लागू करने की बात हो, सीएए हो, तीन तलाक जैसी कुरीति समाप्त करना हो, नई शिक्षा नीति लागू किया जाना, अथवा आर्थिक उन्नयन के लिए उठाए गए तमाम निर्णय हों यहां तक कि विदेश व सैन्य क्षेत्र से जुड़े तमाम संवेदनशील विषय सहित अनेक ऐसे मामले हैं जिनका राजनीतिक वैचारिक दुर्भावना के कारण विरोध होता रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि इस विरोध के चलते ढपली बजाओ और टुकड़े टुकड़े गैंग के लोग आजादी के नारे बुलंद करते दिखाई दिए, जे एन यू, जामिया, एयू जैसे शिक्षा के मंदिरों में षड्यंत्रों की फसल तैयार की गई, टूल किट के माध्यम देश में पूर्व नियोजित आग लगाई गई। विदेशों में बैठकर अपने ही देश की तमाम रीतियों नीतियों का विरोध भी पूरे देश ने देखा है। जहां तक दो हजार के नोट को चलन से बाहर करने का निर्णय है रिजर्व बैंक ने एक चरणबद्ध प्रक्रिया के अंतर्गत इसे लागू करने का काम बहुत पहले से ही प्रारंभ कर दिया था। रिजर्व बैंक द्वारा नए दो हजार के नोट छापने का काम 2018 से ही बंद कर दिया गया था। आरबीआई एक्ट 1934 की धारा 24 (1) के तहत पहली बार 2000 के नोट नवंबर 2016 में जारी किए गए थे। तब 500 रुपये और 1000 रुपये के नोट बंद किए जाने के बाद अर्थव्यवस्था में मुद्रा ज़रूरतों को पूरा करने के लिए 2000 के नोट जारी किए गए थे। .जब छोटे नोटों की आपूर्ति सुचारू हो गई तो 2018-19 में 2000 के नोटों को छापना बंद कर दिया गया। आरबीआई के अनुसार, 2000 के 89% नोट मार्च 2017 से पहले जारी किए गए थे।आरबीआई अपनी क्लीन नोट पॉलिसी के तहत नोटों को बंद करती है या नए नोट जारी करती है।साल 2021 में तत्कालीन वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया था कि आरबीआई ने साल 2019 और 2020 में दो हज़ार रुपए के नए नोट छापे ही नहीं हैं। वहीं अनुराग ठाकुर ने साल 2020 में कहा था, "मार्च 2019 में 329.10 करोड़ रुपए क़ीमत के दो हज़ार रुपए के नोट बाज़ार में चल रहे थे. वहीं मार्च 2020 में इनकी क़ीमत कम होकर 273.98 करोड़ रुपए रह गई"। शुक्रवार को जो निर्णय लिया गया है उससे देश की ईमानदार जनता बेहद खुश नजर आती है परेशान वे लोग हैं जिन्होंने दो हजार के नोटों को अपनी काली कमाई के संरक्षण का साधन बना लिया था, ऐसे लोगों की तिजोरियां ऊपर से नीचे तक गुलाबी हो रहीं थीं, परेशान वे लोग हैं जो देश तोड़ने के लिए ऐसे गुलाबी नोटों के माध्यम से टेरर फंडिंग का काम कर रहे थे। हाल ही में देश के तमाम राज्यों में एनआईए की छापामारी में इसके सबूत सामने आए हैं। आरबीआई पूर्व डिप्टी गवर्नर आर गांधी ने कहा कि 2,000 रुपये के बैंक नोट वापस लेने से काले धन पर रोक लगाने में काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकेगा क्योंकि लोग यह नोट जमा कर रहे हैं। गांधी ही वर्ष 2016 में 500 और 1,000 रुपये के नोट चलन से हटाये जाने के समय आरबीआई में मुद्रा विभाग के प्रमुख थे। उन्होंने कहा कि भुगतान पर किसी भी सिस्टमेटिक प्रभाव की संभावना नहीं है क्योंकि इन नोटों का उपयोग डेली ट्रांजैक्शंस में नहीं किया जाता है. ज्यादातर भुगतान डिजिटल माध्यम से होते हैं। पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने RBI के इस फैसले को लेकर कहा कि यह 'बहुत बड़ी घटना' नहीं है और इससे इकोनॉमी या मौद्रिक नीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। क्योंकि 2,000 रुपये के नोट को 2016 में सुभाष चंद्र गर्ग डेमोनेटिज़ेशन के समय देश में करेंसी की अस्थायी कमी को दूर करने के लिए लगाया गया था। गर्ग ने कहा कि पिछले पांच-छह वर्षों में डिजिटल पेमेंट में भारी बढ़ोत्तरी के बाद, 2,000 रुपये के नोट (जो वास्तव में अन्य मूल्यवर्ग के नोटों के स्थान पर लाया गया था) वापस लेने से कुल करेंसी फ्लो प्रभावित नहीं होगा और इसलिए मोनेटरी पॉलिसी पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने पीटीआई से बात करते हुए कहा, "इससे भारत के इकोनॉमिक और फाइनेंसियल सिस्टम के परिचालन पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और जीडीपी ग्रोथ या पब्लिक वेलफेयर पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ेगा. नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगड़िया ने कहा है कि 2000 का नोट वापस मंगाने के भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के फैसले से इकोनॉमी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि ऐसे वापस हुए नोटों के स्थान पर उसी कीमत में कम मूल्यवर्ग के नोट जारी कर दिए जाएंगे।पनगड़िया ने कहा कि RBI के इस कदम से जरुर अवैध धन की आवाजाही को मुश्किल हो सकता है। पनगड़िया पीटीआई से बात करते हुए कहा, "हम इसका इकोनॉमी पर कोई बुरा प्रभाव पड़ता नहीं देख रहे है. क्योंकि 2,000 के नोट को उसी राशि के बराबर कीमत के नोटों से बदल दिया जाएगा. इसलिए इसका मनी फ्लो पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस बार 2000 रुपए की नोटबंदी का फैसला 2016 की नोटबंदी से अलग है क्योंकि 2000 का नोट बतौर लीगल टेंडर मनी जारी रहेगा. यानी अगर किसी के पास दो हजार रुपए का नोट है तो उसकी मान्यता बनी रहेगा।

देश दुनीया से

नई शिक्षा नीति में आदिवासियों के लिए क्या है?

सरकार स्वीकार करती है कि बच्चे प्री-प्राइमरी के लिए नामांकित तो हो जाते हैं, लेकिन वे बुनियादी कौशल हासिल करने में फिवल रहते हैं। यह फिवलता कोडरमा-कैमूर-करीमनगर सहित ऐसे ढेरों आदिवासी बहुल जिलों में साफ दिखती है। मुख्यधारा से कटे रायगड़ा-कांकेड़-झाबुआ और अदिलाबाद जैसे जिलों में बुनियादी कौशल की बात बेमानी हो जाती है। ये जिले अकुशल श्रमिकों की पौधशाला हैं।

तकरीबन 34 साल पुरानी शिक्षा नीति की जगह 2020 में लागू हुई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) को शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी सुधार का नुस्खा माना जा रहा है। इससे उम्मीद की गई है कि यह स्कूल-कॉलेजों की शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीली और समग्र बनाकर स्टूडेंट्स की अद्वितीय क्षमताओं को सामने लाएगी। सवाल है कि इस नीति में आदिवासी समाज को कितनी जगह दी गई है? सरकार और विशेषज्ञों का कहना है कि NEP 2020 की परिकल्पना राष्ट्र के विकास में सीधा योगदान देती है। इस संदर्भ में यह बात दोहराई गई है कि 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों को 2025 तक मुफ्त और उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलेगी, क्योंकि अभी भारत में सीखने का गंभीर संकट है। सरकार स्वीकार करती है कि बच्चे प्री-प्राइमरी के लिए नामांकित तो हो जाते हैं, लेकिन वे बुनियादी कौशल हासिल करने में विफल रहते हैं। यह विफलता कोडरमा-कैमूर-करीमनगर सहित ऐसे ढेरों आदिवासी बहुल जिलों में साफ दिखती है। मुख्यधारा से कटे रायगड़ा-कांकेड़-झाबुआ और अदिलाबाद जैसे जिलों में बुनियादी कौशल की बात बेमानी हो जाती है। ये जिले अकुशल श्रमिकों की पौधशाला हैं। क्या NEP से आदिवासी समुदायों के जीवन में आमूल-चूल बदलाव की उम्मीद की जा सकती है? NEP में वनाश्रित समुदाय, पहाड़ों के रहिवासी या मैदानी इलाकों में रहने वाले जनजातीय समुदायों की कितनी हिस्सेदारी है, इस पर बात होनी चाहिए। बड़ी दिक्कत तो यह है कि लंबे समय तक आदिवासियों को शिक्षा का उद्देश्य बताया ही नहीं गया। उनसे यह भी नहीं पूछा गया कि उनकी जिंदगी की प्राथमिकता क्या है? वे किसलिए पढ़ रहे हैं? नौकरी के लिए पढ़ रहे हैं तो उनके पास रोजगार को लेकर क्या जानकारी है? 1964 में बने कोठारी आयोग ने शिक्षा के संदर्भ में कहा था कि मनुष्य में आंतरिक बदलाव, गुणात्मक सुधार और सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। मगर वन्य संस्कृति में इसकी जगह मैदानी इलाकों के अतिरंजित तथ्य और महानायकों की महिमा पिरोए जाने की कोशिश शुरू हुई। आदिवासियों का जंगल उनकी शिक्षा में पहले भी नहीं था। हालांकि NEP 2020 में वन प्रबंधन का जिक्र है, मगर जंगलों पर गंभीर चर्चा नहीं है। वैसे आदिवासियों का अपना वन प्रबंधन है, जो उनकी परंपरा से यहां तक पहुंचा है। जंगलों का प्रबंधन अगर उन्हें अपनी परंपरा से अलग करके पढ़ाया जाता है तो उसे वे कितना स्वीकार करेंगे? आंकड़े बताते हैं कि देश में चिह्नित 74 आदिवासी बोलियों में बारह से ज्यादा लुप्त हो चुकी हैं। इन्हें हजारों सालों से आदिवासी व्यवहार में लाकर बचाते आ रहे थे। क्या नई शिक्षा नीति में इन्हें बचाने या संजोने की कोई पहल है? आदिवासी समुदाय तो हिंदी से भी झिझकता रहा है, मगर अंग्रेजी सीखना उसके लिए बाध्यता है। समाजशास्त्री मानते हैं कि आदिवासी बच्चों को एक अपरिचित भाषा में शिक्षा देना न केवल उनकी सीखने की क्षमता को सीमित करता है, बल्कि उनके पारंपरिक ज्ञान को भी नकारता है। इस लिहाज से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मातृभाषा में शिक्षा देने की व्यवस्था जरूर कुछ लाभदायक साबित हो सकती है। 1979 में शिक्षा नीति पर बने मसौदे में नैतिकता और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रस्ताव आया। 1992 की नई शिक्षा नीति में फिर उसी गुणवत्ता की बात हुई, लेकिन इस बार शिक्षा को जीवन की वास्तविकताओं से जोड़ने की बात हुई है। तब भी आदिवासियों की शिक्षा प्राथमिकता में कहीं नहीं दिखी, न दिल्ली में और न राज्यों की राजधानी में। इसके उलट आदिवासी बच्चों को छात्रवृत्ति और आवासीय सुविधाओं वाले विद्यालय देकर नीति को सफल बनाने की खुशफहमी पैदा की गई। ऐसी सुविधाओं की समीक्षा भी नहीं की गई कि इस तरह के संरक्षणात्मक और प्रतिपूरक उपाय जारी रखे जाएं या नहीं? हमारी शिक्षा प्रणाली में कई खामियां अभी भी बनी हुई हैं। आदिवासी शिक्षा के वर्तमान प्रारूप में सुविधाओं की कमी नहीं है, किंतु सवाल उठता है कि आदिवासियों को सुविधाएं परोसते हुए सात दशक बीत गए, फिर भी आज वही हालात क्यों हैं जैसे दशकों पहले थे।

नागरिक बोध

इमरान खान की रिहाई के बाद सुप्रीम कोर्ट पर मदरसा सेना का निशाना

इमरान खान के शासन काल में पाकिस्तान की स्थिति धीरे धीरे बिगड़ती गई। प्रधानमंत्री इमरान खान के अकुशल नेतृत्व के कारण देश की हालात खराब होते गए। ऑक्सीजन पर सरकार आने के बाद पाकिस्तान मुस्लिम लिंग सत्ता में आई। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बनाए गए। पाकिस्तान में तानाशाही सरकार को हटाने के बाद शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री बन तो गए, लेकिन पाकिस्तान की तिजोरी खाली थी। आर्थिक संकट झेल रहा पाकिस्तान के पास कोई विकल्प नही था। चीन की भदद के बाद पाकिस्तान की गाड़ी पटरी पर दौड़ने लगी है। किंतु आज भी विदेशी करंसी पाकिस्तान के पास नही है। जिसके चलने आयात प्रभावित हो रहा है। इमरान ने पाकिस्तान को कई का नही छोड़ा। आज आसमान छू रहे दामों में पाकिस्तान त्राहिमाम पुकार रहा है। पेट्रोल डीजल और खाद्यान्न के भाव चार गुने बड़े है। आटा, दाल और सब्जियों के साथ सिलेंडर के दाम सुनकर आश्चर्य होता है। देश मे हालात खराब है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सेना ने गिरफ्तार किया। लेकिन कोर्ट ने जमानत देने के बाद पाकिस्तान में बवाल बढ़ गया है। सुप्रीम कोर्ट पर मदरसा सेना ने घेराव किया। दरवाजे पर चढ़कर अंदर घुसने की कोशिश की गई है। भारत मे सुप्रीम कोर्ट की कभी कोई अवमानना नही करता है। यह देश की सर्वोच्च न्यायालय है। लेकिन जिस तरह से पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट को निशाना में लिया है। यह कानून की तौहीन है। पाक में मुस्लिम लिंग की सत्ताधारी मदरसा सेना गठबंधन में शामिल है।ये दोनों पार्टियां सत्ता में है। इमरान खान को भ्रष्टाचार के विरुद्ध धरपकड़ की गई थी। लेकिन जिस तरह से राजनीतिक दल अदालत के कार्यो में व्यवधान पैदा करके संविधान पीठ के न्यायमूर्तियों को दबाया जा रहा है। यह तो पाकिस्तान में ही संभव है। इमरान ने गुंडा जैसे शब्द का उपयोग किया है। लोगो का सड़को पर हुजूम उमड़ पड़ा है। जनता ने इमरान को बीच सड़क पर फांसी देने या दस साल की सजा का आह्वान किया।इमरान खान ने पाकिस्तान को धरातल पर लाकर खड़ा कर दिया।इ मरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहते भारत के लिए जहर उगलने का ही काम किया है। उरी हमला और एयरबेस की क्रूरता देश के सामने है। पाकिस्तान को शायद पता चल गया था कि भारत की सरकार मजबूत ही नही है, घर मे घुसकर मारने वाली है। इसलिए भारत के सामने उंगली बताना छोड़ दिया। दरअसल, पाकिस्तान में हुड़दंग बन्द होने वाला नही है। सुप्रीम और सरकार के बीच तकरार बढ़ती जा रही है। इमरान की जमानत के खिलाफ सड़को को वीरान बनाने में कोई कसर नही छोड़ी है। पत्थरबाजी, आगजनी, तोड़फोड़ और हत्या के इस घृणित मापदंड को पाकिस्तान लिए विघटनकारी है। देश मे हालात काबू में लाने के लिए कोर्ट ने इमरान को जमानत दी है। गरीबी में आटा गिला वाली कहावत आज पाकिस्तान पर चरितार्थ हो रही है।

पाकिस्तान में हिंसा के आरोपियों के खिलाफ मुकदमा शुरू, मिलिट्री कानून के तहत होगी कड़ी कार्रवाई

लाहौर।

पाकिस्तान सेना के चीफ जनरल आसिम मुनीर का कहना है कि बीते दिनों हुई हिंसा के आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। जनरल मुनीर ने कहा कि हिंसा में शामिल आरोपियों के खिलाफ मिलिट्री कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि बीती 9 मई को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में जगह जगह उनके समर्थक उग्र हो गए थे और हिंसा हुई थी। इस हिंसा में 10 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

आजीवन कारावास की हो सकती है सजा

पाकिस्तानी सेना के जनरल आसिम मुनीर लाहौर पहुंचे थे। इस दौरान जनरल आसिम मुनीर ने सेना के अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंसा की साजिश रचने वाले और इसे अंजाम देने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू हो चुकी है। आरोपियों के खिलाफ आर्मी एक्ट और सीक्रेट एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि इस कानून के तहत दोषी पाए जाने पर आजीवन कारावास से लेकर सजा ए मौत तक की सजा का प्रावधान है।

इमरान की गिरफ्तारी पर भड़की थी हिंसा

बता दें कि 9 मई को इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद गुस्साए लोगों ने पाकिस्तानी सेना के रावलपिंडी स्थित मुख्यालय, लाहौर में कॉर्प्स कमांडर के घर और फैसलाबाद में आईएसआई की इमारत पर हमला किया था। हिंसा में जगह जगह आगजनी और फायरिंग हुई। हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और सेना ने इसे देश के इतिहास में काला दिन करार दिया था। जनरल मुनीर ने बाद में लाहौर में हिंसाग्रस्त जगहों का दौरा भी किया। पाकिस्तानी सैन्य चीफ ने कहा कि देश की जनता, सुरक्षा बलों की ताकत है और सेना और जनता के बीच किसी भी तरह के मतभेद पैदा करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि फर्जी खबरों और प्रोपेगैंडा के जरिए भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है लेकिन ऐसी किसी भी कोशिश को पूरा नहीं होने दिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

मैक्सिको में ड्रग माफियाओं के बीच गैंगवार, 11 की मौतः कार रेसिंग के दौरान फायरिंग की, मरने वाले सभी कार रेसर्स

मैक्सिको। नॉर्थ मैक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया में ड्रग माफियाओं के बीच गैंगवॉर में 11 लोग मारे गए, जबकि 7 लोग घायल हो गए। मरने वाले सभी लोग कार रेसर्स थे, जो एक ऑल-टेरेन कार रेसिंग शो में हिस्सा लेने आए थे। डेली मेल के मुताबिक, रेसिंग के दौरान जब ये लोग एनसेनाडा शहर के सैन विसेंट इलाके में गैस स्टेशन पर रुके, तभी बड़ी गाड़ियों से कुछ लोग बंदूकें लेकर निकले और फायरिंग शुरू कर दी। इस हमले के बाद स्टेट पुलिस, मरीन, फॉयर ब्रिगेड और मैक्सिकन रेड क्रॉस की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं ।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एनसेनाडा में यह गोलीबारी दो ड्रग माफियाओं ग्रुप- अरेलेनो फेलिक्स कार्टेल और सिनालोआ कार्टेल की आपसी रंजिश के चलते हुई। बाजा कैलिफोर्निया क्राइम का गढ़ माना जाता है। यह शहर अमेरिका-मैक्सिको के बॉर्डर के ठीक नीचे आता है। अमेरिका में ड्रग मानव तस्करी करने के सभी रास्ते यही से होकर गुजरते हैं। इसलिए इस इलाके पर कब्जा करने के लिए ड्रग माफियाओं के बीच अक्सर गैंगवॉर होता रहता है। मारे गए लोगों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई मेयर अरमांडो अयाला रोबल्स ने कहा कि राज्य के अटॉर्नी जनरल ने शूटिंग की जांच के लिए एक स्पेशल टीम का गठन किया। हालांकि पीड़ितों की पहचान और उनकी नेशनैलिटी अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। मैक्सिको के रेड क्रॉस ने घायलों को उत्तरी बाजा कैलिफोर्निया के अस्पतालों में पहुंचाया। फिलहाल उनकी हालात गंभीर बनी हुई है।

प्रधानमंत्री प्रचंड बोले- भारत-नेपाल संबंधों में नया इतिहास रचेगी आगामी भारत यात्रा

काठमांडो । नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने कहा कि उनकी आगामी भारत यात्रा दोनों देशों के संबंधों के लिहाज से नया इतिहास रचेगी। प्रचंड 29 मई को भारत की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आने वाले हैं। यात्रा को लेकर उन्होंने कहा, द्विपक्षीय संबंधों में नई गतिशीलता पैदा करने के लिए भारत जा रहा हूं। उम्मीद है कि इस बार भारत यात्रा के दौरान बहुत सी नई चीजें होंगी। प्रचंड ने कहा, नेपाल-भारत दोनों के लिए अच्छा अवसर होगा। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ सहयोग के नए क्षेत्र भी तलाशे जाएंगे। इस बात का पूरा विश्वास है कि एक नया इतिहास बना सकते हैं।

पुतिन के डूबते जहाज से बचने का तरीका ढूंढ रहा रूस का कुलीन वर्ग, अमेरिका के पूर्व राजदूत का दावा

वॉशिंगटन । यूक्रेन में अमेरिका के एक पूर्व राजदूत ने रूस पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि रूस के कुलीन वर्ग व्लादीमीर पुतिन से दूरी बनाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने पुतिन की तुलना डूबते जाहाज से की है। अटलांटिक काउंसिल यूरेशिया सेंटर के वरिष्ठ निदेशक जॉन हर्बस्ट ने वैगनर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन और रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु के बीच झड़पों का जिक्र करते हुए कहा- पिछले सितंबर से रूसी सामाज में दरारे स्पष्ट तौर पर दिखाई देने लगी है। हर्बस्ट ने कहा- अधिनायकवादी शासन देखने में स्थिर लगती है, लेकिन वह वास्तव में अस्थिर होती है। पूर्व दूत ने कहा कि शासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने खुद को पुतिन के आंशिक लामबंदी से दूर कर लिया। उन्होंने कहा- ये डूबते जाहाज का एक संकेत है। रूस के कुलीन वर्ग फिलहाल ये सोच रहे हैं कि इससे उतरना कैसे हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सत्ता हाथ से चली जाएगी लेकिन यूक्रेन में विफलता पुतिन सरकार पर बड़ा दबाव डाल रही है। उन्होंने कहा- एक साल पहले ही पुतिन को कीव और खार्गिव के लिए जंग में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, अप्रैल 2022 में पुतिन की सेना ने डोनबास में तेजी से प्रगति की थी। इस साल फिलहाल रूस की तरफ से कोई वास्तविक जवाबी हमला नहीं हुआ था, लेकिन यूक्रेन जवाबी हमले की तैयारी कर रहा है। हर्बस्ट का मानना है कि एक साल पहले विश्लेषकों ने रूसी ताकत को बहुत अधिक ताकत दिया था।

यूक्रेन के बखमुत पर रूसी कब्जा, पुतिन ने बधाई दी

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की बोले- शहर पूरी तरह से तबाह हुआ

कीव/मॉस्को।

रूस की प्राइवेट आर्मी- वैगनर ग्रुप ने दावा किया है कि उन्होंने यूक्रेन के बखमुत शहर पर कब्जा कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अर्मी को बधाई दी है। वहीं, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा- वहां कुछ नहीं बचा है, शहर पूरी तरह से तबाह हो चुका है।

20 मई को वैगनर के चीफ येवगेनी प्रिगोझिन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए दावा किया था कि उन्होंने बखमुत कब्जा लिया है। हालांकि, तब यूक्रेन ने इस दावे को खारिज कर दिया था। अगस्त 2022 से इस शहर में रूसी और यूक्रेनी सेना के बीच लड़ाई जारी थी, ये पिछले 3 महीने से तेज हो गई थी।

24 फरवरी 2022 से जारी है जंग

रूसी सैनिकों ने यूक्रेन पर 24 फरवरी 2022 को हमला कर दिया था। इसके पीछे व्लादिमिर पुतिन का मकसद एक ही था- यूक्रेन पर कब्जा। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को ये मंजूर नहीं था, लिहाजा आज 452 दिन बाद भी ये जंग जारी है।

इस जंग में दोनों देशों को काफी नुकसान हुआ। इंफ्रास्ट्रक्चर और मिलिट्री इक्यिपमेंट्स तबाह हुए। पुख्ता आंकड़े तो नहीं हैं, लेकिन माना जाता है कि इस जंग में दोनों तरफ के हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं।

अब तक यूक्रेन के 7 शहरों पर रूसी कब्जा

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने ब्लैक सी ट्रेड रूट के ज्यादातर हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा जंग की शुरुआत से अब तक रूस ने यूक्रेन की 18प्रतिशत जमीन पर कब्जा किया है। इस जमीन पर यूक्रेन के 6 बड़े शहर- सेवेरोडोनेट्स्क, डोनेट्स्क, लुहांस्क, जपोरिजिया, मारियुपोल और मेलिटोपोल बसे हैं। ये शहर यूक्रेन की इकोनॉमी को कंट्रोल करते हैं। वहीं, बखमुत 7वां शहर है जहां रूस का कब्जा हो चुका है।

कब्जे की वजह

यूक्रेन के इतने लंबे समय तक जंग में टिके रहने की सबसे बड़ी वजह अमेरिका और पश्चिमी देशों के हथियार और आर्थिक समर्थन है। दूसरी तरफ रूस है जो यूक्रेन को मिलने वाले पश्चिमी देशों के समर्थन का शुरू से विरोध करता रहा है।

अब यूक्रेन के 7 शहरों पर कब्जा करके रूस पश्चिमी देशों को ये संदेश देना चाहता है कि उसे रोकना मुश्किल है। ऐसा करके रूस ये दावा कर पाएगा कि यूक्रेन उसके क्षेत्र पर हमला कर रहा है और पश्चिमी देशों को भी निशाने पर लिया जा सकता है। 2014 में रूस ने इसी तरह क्रीमिया पर कब्जा जमाया था, जिसका पश्चिमी देशों ने विरोध किया था। इसके बाद भी क्रीमिया पर रूस का ही कब्जा है।

पहले कब्जा फिर सैनिकों की वापसी

यूक्रेन के कई शहर ऐसे भी हैं जिन पर रूस ने कब्जा कर लिया था, लेकिन बाद में यहां से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया। 15 दिनों में जीत हासिल कर जंग खत्म करने का दावा करने वाले रूस ने हमले के एक महीने बाद ही यूक्रेन की राजधानी कीव से अपनी सेना के पीछे हटने के आदेश दे दिए थे। यहां से सैनिक वापस भी जाने लगे थे, लेकिन 8 महीने बाद अक्टूबर में रूस ने यहां हमले तेज कर दिए थे। हालांकि वो कीव पर अब तक कब्जा नहीं कर पाए हैं।

रूसी सैनिकों ने इजुम पर मार्च में कब्जा किया था। 7 महीने बाद सितंबर में यूक्रेनी सेना ने इसे रूस से छुड़ा लिया था, जिसके बाद रूसी सैनिकों की वापसी हो गई थी।

युक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खार्किव पर रूस ने मार्च में ही कब्जा कर लिया था। अक्टूबर में यहां से रूसी सैनिकों को वापस बुला लिया गया था।

खेरसॉन पर जंग के 5 दिन बाद ही रूस ने 2 मार्च को कब्जा कर लिया था। 7 महीवे बाद 9 नवंबर को पुतिन ने यहां से अपनी सेना को वापस बुला लिया।

24 फरवरी को जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो उसने तभी साफ कर दिया था कि वो यूक्रेन की इकोनॉमी को तबाह कर देगा। इसी स्ट्रैटेजी के तहत रूसी सेना ने स्नेक आईलैंड पर भारी बमबारी की और उस पर कब्जा कर लिया। जुलाई में यहां से रूसी सैनिकों की वापसी हो गई थी।

माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने वाला भारतीय मूल का सिंगापुरी पर्वतारोही लापता, तलाशी अभियान जारी

सिंगापुर।

भारतीय मूल का एक सिंगापुरी पर्वतारोही माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने के बाद लापता हो गया, जिसक बाद उसके परिवारवालों ने उसकी स्थिति का ध्यान देने कू मांग की है। चेंज डॉट ओआरजी की वेबसाइट में दाखिल की गई एक याचिका के अनुसार श्रीनिवास सैनी दत्तात्रेय माउंट एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने के लिए पिछले महीने ही सिंगापुर से नेपाल के लिए रवाना हुए थे।

उनके चचेरे भाई ने बताया कि चोटी से नीचे उतरते समय श्रीनिवास को शीतदंश और ऊंचाई की वजह से वह बीमार पड़ गए। इस वजह से वह अपने समूह से बिछड़ गया और 8000 मीटर चेटी की तिब्बती क्षेत्र में गिर गया। सिंगापुर की एक टीवी चैनल ने भरत के हवाले से बताया कि शेरपाओं की एक टीम श्रीनिवास के लिए तलाशी अभियान शुरू किया था। भरत ने बताया कि उनके परिवार संबंधित सरकार से लगातार संपर्क में हैं। भरत ने बताया कि श्रीनिवास का परिवार हताश है लेकिन अभी भी उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी है। 39 वर्षीय श्रीनिवास रियल एस्टेट कंपनी 'जोंस लैंग लासेल' में कार्यकारी निदेशक हैं। एक अप्रैल को वह माउंट एवरेस्ट के लिए नेपाल रवाना हुए थे और चार जून को वह स्वदेश लौटने वाले थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार श्रीनिवास ने आखिरी बार अपनी पत्नी को संदेश भेजा था। उन्होंने अपनी पत्नी को माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने की खबर दी थी। श्रीनिवास का पूरा परिवार नई दिल्ली में सिंगापुर उच्चायोग, नेपाल में स्थानीय अधिकारियों और आपातकालीन चिकित्सकीय सेवाओं के साथ लगातार संपर्क में है। इस घटना पर सिंगापुर का विदेश मंत्रालय घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है।

जी-7 देशों के संयुक्त बयान से नाराज हुआ चीन, कहा- यह हमारे आंतरिक मामलों में दखल

बीजिंग ।

जापान के हिरोशिमा में जी-7 देशों का सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन के अंत में जो संयुक्त बयान जारी किया गया, उससे चीन नाराज हो गया है। चीन ने संयुक्त बयान के खिलाफ जी-7 देशों के खिलाफ कूटनीतिक तरीके से विरोध किया है। बता दें कि जी-7 देशों ने अपने संयुक्त बयान में ताइवान, पूर्वी और दक्षिण चीन सागर के मामले में चीन की कार्रवाई की निंदा की। वहीं चीन ने इस बयान को उसके आंतरिक मामलों में दखल माना है और इसके खिलाफ आपत्ति दर्ज कराई है।

जी-7 देशों ने संयुक्त बयान में क्या कहा

जी-7 देशों की बैठक के बाद जो संयुक्त बयान जारी किया गया, उसमें चीन का खूब जिक्र किया गया। बयान में कहा गया है कि जी-7 देश भी चीन के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं लेकिन वह चीन के ताइवान, पूर्वी और दक्षिणी चीन सागर के मुद्दों को लेकर चिंतित भी हैं। जी-7 देशों ने चीन में मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामले पर भी बात की और कहा कि तिब्बत, हॉन्ग कॉन्ग, शिनजियांग में मानवाधिकारों की स्थिति खराब है और उइगुर मुसलमानों को डिटेंशन कैंप में रखने पर भी चिंता जाहिर की।

चीन ने जताई नाराजगी

वहीं जी-7 देशों के संयुक्त बयान से चीन ने नाराजगी जाहिर की है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीन की चिंताओं के बावजूद जी-7 देश चीन के आंतरिक मामलों में दखल दे रहे हैं और उस पर लगातार हमला कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि चीन सख्त तौर पर इसकी निंदा करता है और दृढ़ता से इन आरोपों को खारिज करता है। बता दें कि यूक्रेन को भी जी-7 देशों की बैठक में आमंत्रित किया गया था।

अमेरिका राजाओं को पहले ही नकार चुकाः प्रिंस हैरी ने भेजा तस्वीरें लौटाने का नोटिस, पैपराजी एजेंसी ने कसा तंज

लंदन।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन का न्यूयॉर्क में पैपरेजी ने खतरनाक तरीके से पीछा किया था। इस दौरान पैपरेजी ने दोनों की बहुत सारी तस्वीरें लेने के साथ वीडियो भी बनाए। हालांकि, इस दौरान प्रिंस हैरी और मेगन को उन पैपरेजी ने कोई नुकसीन नहीं पहुंचाया लेकिन खतरनाक तरीके से पीछा किए जाने के कारण दोनों कपल बुरी तरह से डर गए थे।

इस घटना के बाद अब ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने पैपरेजी द्वारा क्लिक की गई तस्वीरों की मांग कर रहे हैं। उनके वकीलों ने बैकग्रीड एजेंसी को एक पत्र लिखा। उन्होंने तस्वीरें वापस करने की मांग करते हुए कहा- प्रिंस हैरी और मेगन का पीछा करते हुए फ्रीलांस फोटोग्राफर ने जितनी भी तस्वीरें या वीडियो क्लिक की, वह हमें वापस कर दी जाए। एजेंसी के वकीलों ने इसका जवाब देते हुए कहा- मुझे यकीन है कि आप यह जानते होंगे, अमेरिका में संपत्ति उसके मालिक की ही होती है, उस पर तीसरा पक्ष इसकी मांग नहीं कर सकता है। आपको अपने मुवक्किल के साथ बैठकर उन्हें समझाना चाहिए कि नागरिकों द्वारा अपनी संपत्ति क्राउन को सैंपने की मांग करने का विशेषाधिकार उनके देश में ही लागू है, यहां नहीं। बैकग्रीड एजेंसी ने बताया कि फोटोग्राफी के दौरान कोई भी निकट टकराव नहीं हुआ था और न ही उन दोनों को कोई खतरा का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना बहुत महत्वपूर्ण है कि उन फोटोग्राफरों के पास प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन की खबरों और व्यक्तित्वों को कवर करने की जिम्मेदारी है।

बता दें कि उन फोटोग्राफरों ने मंगलवार को करीबन दो घंटे तक प्रिंस हैरी और मेगन का पीछा किया था।

23 मई को एनएबी के सामने पेश होंगे इमरान खान

अल कादिर ट्रस्ट केस में पूछताछ होगी; 9 मई को इसी मामले में गिरफ्तारी हुई थी

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान 23 मई को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में एनएबी के सामने पूछताछ के लिए पेश होंगे। एनएबी अब तक कई बार इमरान और पत्नी बुशरा को पूछताछ के लिए बुला चुकी है, लेकिन दोनों ही हाजिर नहीं होते। हर बार उनके वकील बहाना बनाकर कोर्ट से राहत हासिल कर लेते हैं। अल कादिर ट्रस्ट केस में 9 मई को एनएबी ने खान को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसी को 8 दिन की रिमांड भी मिली थी, लेकिन इसके पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने खान को रिहा कर दिया। अब उन्हें तमाम केसों में 31 मई तक गिरफ्तारी से राहत दी जा चुकी है। एनएबी के एक अफसर ने कहा- सुप्रीम कोर्ट ने खान से साफ कहा है कि उन्हें जांच एजेंसी के साथ हर तरह का सहयोग करना होगा। इसका मतलब ये हुआ कि अगर वो पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए तो उनकी परेशानियां बढ़ जाएंगीं।

गिरफ्तारी के बाद पूरे पाकिस्तान में हुई थी हिंसा

9 मई 2023 को इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट से पाक रेंजर्स ने गिरफ्तार किया था और घसीटते हुए ले गए थे। इससे भड़के इमरान समर्थकों ने जमकर हिंसा की और आर्मी से जुड़े कई ठिकाने तक जला दिए थे। हिंसा में 8 लोगों की मौत हुई थी। इमरान का दावा था कि पुलिस फायरिंग में 25 लोगों की मौत हुई थी।

क्या है अल-कादिर ट्रस्ट केस

सरकार के मुताबिक खान जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने लैंड माफिया मलिक रियाज को मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाया। लंदन में उसके 40 अरब जब्त कराए। बाद में ये पैसा ब्रिटेन सरकार ने पाकिस्तान को सौंप दिया। इमरान ने यह जानकारी कैबिनेट को भी नहीं दी। आरोप है कि यह पैसा एक सीक्रेट अकाउंट के जरिए इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के खाते में ट्रांसफर कराई गई। कुल मिलाकर यह घोटाला 60 अरब पाकिस्तानी रुपए का है। इसके बाद इमरान ने अल कादिर ट्रस्ट बनाया। इसने मजहबी तालीम देने के लिए अल कादिर यूनिवर्सिटी बनाई। इसके लिए अरबों रुपए की जमीन मलिक रियाज ने दी। बुशरा बीबी को डायमंड रिंग भी गिफ्ट की। बदले में रियाज के तमाम केस खत्म कर दिए गए। उसे करोड़ों रुपए के सरकारी ठेके भी मिले। होम मिनिस्टर राणा सनाउल्लाह ने कहा- 60 अरब रुपए की चपत सरकारी खजाने को लगी। 13 महीने में एक बार भी इमरान या बुशरा पूछताछ के लिए नहीं आए। 4 साल बाद भी इस यूनिवर्सिटी में 32 स्टूडेंट्स ही हैं।

बलूचिस्तान में भारी गोलीबारी में तीन सैनिकों की मौत, एक आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के जरगुन इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें एक आतंकवादी और तीन सैनिक मारे गए। पाकिस्तान सेना की मीडिया विंग ने बताया कि मुठभेड़ तब हुई जब सुरक्षा बलों ने एक जांच चौकी पर हमले का जवाब दिया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि आतंकवादियों के एक समूह ने एक पोस्ट पर हमला किया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की और फिर दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने फौरन जवाबी फायरिंग की और आतंकवादियों को पीछे हटने के लिए मजबूर किया। आईएसपीआर के बयान में कहा गया है कि मुठभेड़ के बाद पास के पहाड़ों में भागने वाले आतंकवादियों के संभावित ठिकाने की पहचान की गई है और इन्हें खत्म करने का अभियान शुरू किया गया है। इस बीच, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस आतंकी घटना की निंदा की है।

नोटबंदी 2.0: जींद में 15 करोड़ व जीटी बेल्ट में 90 करोड़ रुपए से ज्यादा के नोट जमा

चंडीगढ़/रोहतक/हिसार/करनाल (हरियाणा)। आरबीआई की ओर से दो हजार के नोट वापस लेने के फैसले के बाद लोग उलझन में हैं और सही स्थिति जानने बैंकों में पहुंच रहे हैं। कई फोन पर भी जानकारी ले रहे हैं। हालांकि 2000 के नोट के बदले छोटे देने का काम 23 मई से शुरू होगा लेकिन पहले दिन कई जगह बैंक शाखाओं में लोगों ने दो-दो हजार रुपए के नोट खातों में जमा भी कराए। लोग बैंकों की लंबी लाइनों से बचने के लिए पेट्रोल पंपों का सहारा ले रहे हैं। जींद के लीड बैंक (पंजाब नेशनल बैंक) के प्रबंधक विनोद कुमार के मुताबिक शनिवार को 2000 के नोट अलग-अलग बैंक शाखाओं में जमा हुए। यह राशि 15 करोड़ रुपए से ज्यादा है। उनके मुताबिक ऊपर से आदेश न मिलने के कारण नोट की बदली नहीं की गई। कैथल, करनाल, पानीपत, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, अंबाला सहित अन्य जिलों में पहले दिन ही 90 करोड़ से अधिक की रकम जमा कराई गई है। रोहतक स्थिति भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय मुख्यालय के उप महाप्रबंधक अजय कुमार ने बताया कि शनिवार तक ब्रांच में नोटों को बदलवाने के लिए कोई ग्राहक नहीं आया है। नोटों को बदलवाने के लिए 23 मई से लोग आने शुरू होंगे। सबसे ज्यादा रियल एस्टेट और सर्राफा कारोबारियों में अफरा-तफरी का माहौल है। ज्वेलरी विक्रेताओं के फोन की घंटियां भी बजने लगी। सराफ से लोग पूछ रहे हैं कि क्या दो हजार रुपए के नोट सोना खरीदने पर ले लोगे। 63 हजार के बजाए 70 हजार रुपए प्रति तोला सोना बिक रहा है। जबकि चांदी भी 70 के बजाए 75 हजार रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेची जा रही है। फतेहाबाद के सराफ नवीश ने बताया कि सुबह से ही लोगों के फोन आ रहे हैं कि वह दो हजार के नोट के बदले में सोना या चांदी खरीदना चाहते हैं। हमने तो फिलहाल मना कर दिया, लेकिन कई स्थानों पर सोने को अधिक रेट में बेचा जा रहा है। फरीदाबाद 2000 के नोट बंद करने से सबसे ज्यादा रियल एस्टेट और सर्राफा कारोबारियों में अफरा-तफरी का माहौल है क्योंकि रियल एस्टेट सेक्टर में फ्लैट, प्लॉट खरीदारी का ज्यादातर कारोबार कैश में होता है। स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में करीब 28 हजार उद्योग और करीब 80 रियल एस्टेट के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। सेक्टर-9 में तीन दिन पहले एक प्रॉपर्टी डीलर ने व्यक्ति को डेढ़ करोड़ रुपए का फ्लैट बेचा। डीलर को 50 लाख का भुगतान 2000 रुपए के नोटों में कर दिया। शुक्रवार को आरबीआई क तरफ से दो हजार के नोट बंद की घोषणा से डीलर परेशान है।

कुएं की जहरीली गैस बनी काल तीन की मौत

हिसार (हिंस)। निकटवर्ती गांव स्याहड़वा में कुएं की सफाई के लिए नीचे उतरे चार लोगों में से तीन की जहरीली गैस से मौत हो गई है। एक को गंभीर हालत में नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार स्याहड़वा गांव में लीलू चाहर के कुएं की सफाई होनी थी। कुएं की सफाई के लिए चार लोग उतरे थे। कुएं में जहरीली गैस होने से सुरेश, जयपाल व सुरेन्द्र एक दूसरे को बचाने के प्रयास में मौत के आगोश में समा गए। एक अन्य व्यक्ति विक्रम को किसी तरह आसपास के लोगों ने बचा लिया। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना की सूचना मिलने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। इस घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है।

हर वर्ग को संरक्षण देने को समर्पित मोदी सरकार के 9 साल : राज्यमंत्री कमलेश ढांडा

कैथल (हिंस)। प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा रविवार को कलायत विधानसभा के तीन मंडल राजौंद, बालू व कलायत की मंडल कार्यकारिणी बैठक में शामिल हुई। नगर पालिका भवन परिसर, राजौंद में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने देश में पिछले नौ साल में हर वर्ग को सामाजिक संरक्षण देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि नवजात से लेकर बुजुर्ग का ख्याल रखने से लेकर पारदर्शी व्यवस्था के जो प्रयास मोदी सरकार में हुए हैं, उससे देश की जनता का भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा मजबूत हुआ है। राज्यमंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि 30 मई को देश की भाजपा सरकार को नौ साल पूरे होने जा रहे हैं। हम सभी कार्यकर्ताओं को अगले एक महीने तक घर-घर, जन-जन तक पहुंचना है और जनता में भरोसा बढाने वाली योजनाओं के बारे में महासंपर्क अभियान चलाना है। कमलेश ढांडा ने कहा कि तीन तलाक कानून को खत्म करके मुस्लिम बहनों को सामाजिक

आजादी दिलाने का काम हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरा कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को खत्म करके अखंड भारत के सपने को साकार किया जाना पिछले नौ साल में भाजपा की सबसे बडी उपलब्धि में से है। उन्होंने बताया कि किसानों को खेती में मदद मिले, इसके लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि चलाते हुए प्रदेश में तकरीबन 20 लाख किसानों को 4200 करोड रूपए सीधे खाते में भेजे गए हैं। प्रधानमंत्री जनधन योजना के माध्यम से प्रदेश में आज 90 लाख आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार के खाते खोलते हुए 2 लाख रूपए दुर्घटना बीमा का संरक्षण प्रदान किया है।

राजीव गांधी की दूरगामी सोच से भारत को मिली मजबूती : गहलोत

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में उनकी प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए। गहलोत ने पुण्यतिथि पर हुए कार्यक्रम में कहा कि राजीव गांधी ने 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार दिया, ताकि युवा शक्ति देश के विकास में अपनी अहम भागीदारी निभा सके। गहलोत ने कहा कि राजीव गांधी ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए महिलाओं और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग की राजनीति में भागीदारी सुनिश्चित की। विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में राजीव गांधी द्वारा लिए गए निर्णयों से ही देश को तकनीकी विकास में ऊंचाईयां मिली। तकनीक और संचार से ही भारत आगे बढ़ा। मुख्यमंत्री ने युवाओं से भारतीय संविधान की रक्षा और मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बिना किसी की निंदा करते हुए स्वयं मेहनत कर आगे बढ़े।

श्रीनगर में आज से जी-20 सम्मेलन का शुभारंभ, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

जम्मू (हिंस)। जी-20 पर्यटन कार्य समूह का सम्मेलन 22 मई यानी सोमवार को श्रीनगर में शुरू होने जा रहा है जो 24 मई तक तक चलेगा। रविवार से ही विदेशी मेहमान जम्मू-कश्मीर में पहुंचना शुरू हो गए हैं। सम्मेलन में भाग लेने के लिए 63 विदेशी प्रतिनिधियों के श्रीनगर आने की उम्मीद है। चीन और तुर्किये के प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे क्योंकि दोनों ने ही इसमें भाग लेने से इनकार कर दिया है। सऊदी अरब, इंडोनेशिया और मिस्र के प्रतिनिधियों की मौजूदगी को लेकर भी असमंजस बना हुआ है। 22 से 24 मई तक चलने वाले इस सम्मेलन के दौरान विदेशी मेहमानों को श्रीनगर के कुछ चिन्हित क्षेत्रों के दौरे पर ले जाया जा सकता है। सम्मेलन का उद्घाटन उपराज्यपाल मनोज सिन्हा करेंगे और आयोजन में कई केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस आयोजन को लेकर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के सभी नागरिक इस आयोजन के माध्यम से यहां की सांस्कृतिक विरासत से पूरी दुनिया को अवगत कराएं। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए यह अवसर है कि वह अपनी संस्कृति, विरासत, पर्यटन और आतिथ्य का परिचय करवा सकें। इसके साथ ही सभी देशवासियों को इस यादगार आयोजन का हिस्सा बनना चाहिए। ये देश के अभिन्न हिस्से को एक नई पहचान दिलाने का सुनहरा अवसर है। उनका कहना है कि जी-20 सम्मेलन की सफलता से इस केंद्र शासित प्रदेश में पर्यटकों की संख्या और निवेश ब ?गा जो जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए और अधिक सुखद अवसर लेकर आयेगा। इस सम्मेलन में जम्मू कश्मीर की कला, संस्कृति, हस्तशिल्प जम्मू कश्मीर के व्यंजन और जम्मू कश्मीर के विशिष्ट कृषि उत्पादों का मेला भी लगाया जाएगा। डल झील किनारे स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में जी-20 के पर्यटन कार्य समूह का सम्मेलन होगा। सम्मेलन में भाग लेने आ रहे विदेशी मेहमान प्रदेश की सदियों पुरानी समृद्ध व रंगबिरंगी लोक संस्कृति से भी अवगत होंगे। सम्मेलन के दौरान एसकेआईसीसी परिसर में हस्तशिल्पियों के लिए विशेष पंडाल लगाया लगाया गया है जहां आने वाले मेहमान बुनकरों को सामान तैयार करते हुए देख सकेंगे। इसके अलावा जम्मू कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों की लोक संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक संध्या भी आयोजित की जाएगी जिसमें स्थानीय लोक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। सम्मेलन के दौरान देशी-विदेशी प्रतिनिधियों को जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थलों से अवगत कराया जाएगा। जम्मू-कश्मीर के विरासत स्थलों की जानकारी के साथ पर्यटन का पूरा ब्यौरा भी दिया जाएगा। सम्मेलन को शांत व सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने की तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। किसी भी आतंकी षड्यंत्र को नाकाम बनाने के लिए श्रीनगर सहित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय सीमा और एलओसी पर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। जी-20 सम्मेलन के चलते प्रदेश भर में सुरक्षा व्यवस्था हाई अलर्ट पर है। आईबी से लेकर एलओसी तक सुरक्षाबल नजर बनाए हुए। लगभग 600 पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को सादी वर्दी में सम्मेलन स्थल, एयरपोर्ट और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किया गया है। जम्मू-पुंछ व जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर विशेष नाके स्थापित किए गए हैं। सुरक्षाबल पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ मुख्य सड़कों पर विशेष नाके लगाकर आने-जाने वाले वाहनों, यात्रियों के सामान और उनके पहचान पत्रों की जांच करने के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने दे रहे हैं। नियंत्रण रेखा से सटे रिहायशी एवं जंगली क्षेत्रों में सुरक्षाबलों पुलिस, एसओजी, सीआरपीएफ और सेना की तरफ से विशेष तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। नियंत्रण रेखा के उस पार मौजूद आतंकी संगठनों के आका एवं आईएसआई किसी न किसी तरह से बड़े आतंकी हमले की फिराक में हैं।

सात लोगों को रौंदने का आरोपी दो दिन के पुलिस रिमांड पर

चंडीगढ़। धनास-सारंगपुर मार्ग पर तेज रफ्तार बीटल कार से सात लोगों को रौंदने के आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। आरोपी परमवीर सिंह का पुलिस ने सेक्टर 16 अस्पताल में मेडिकल करवाया। आरोपी परमवीर सिंह राष्ट्रीय स्तर का निशानेबाज है और तीन बार पंजाब का चैंपियन रह चुका है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी परमवीर सिंह की गिरफ्तारी शनिवार शाम लगभग सात बजे सारंगपुर स्थित आईआरबी कांप्लेक्स के पास से गुप्त सूचना के आधार पर की गई। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि हादसे के बाद आरोपी अपने साथ मौजूद युवती के साथ डड्डूमाजरा के रास्ते शूटिंग रेंज की तरफ गया।

भारत के विमर्श को स्थापित करना है : निंबाराम

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने कहा कि संघ कार्य में वर्गों का विशेष महत्व होता है। वर्ग में सामूहिक जीवन के अनुभव से समरस समाज निर्माण एवं राष्ट्रीय एकता का सुदृढ करने के गुण का विकास होता है। संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम रविवार को यहां संघ शिक्षा वर्ग के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। निंबाराम ने कहा कि संघ सम्पूर्ण हिंदू समाज का संगठन है। पूरा समाज एक है, ऐसा भाव जागृत करने का कार्य हमें करना है। इसके लिए केवल विचार में ही परिवर्तन नहीं, क्रियान्वयन में भी परिवर्तन लाना होगा। शाखा कार्य यानि देश की प्रगति के लिए अच्छे व्यक्ति तैयार करना, जिसे हम व्यक्ति निर्माण कहते हैं। आरएसएस, राजस्थान क्षेत्र का संघ शिक्षा वर्ग, द्वितीय वर्ष(सामान्य) का शुभारंभ रविवार को सुबह आदर्श विद्यामंदिर हिन्डौन विद्यालय परिसर में सर्वाधिकारी

प्यारेलाल मीणा एवं निंबाराम ने भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र में निंबाराम ने कहा कि शताब्दी वर्ष में सज्जन शक्ति के साथ मिलकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए कार्य करना है। वर्ष 2025 में संघ के गठन को 100 वर्ष हो रहे हैं। हमें भारत के विमर्श को स्थापित करना है। उन्होंने शिक्षार्थियों से कहा कि हम सभी को मैं और मेरा से ऊपर उठकर प्रत्येक गांव में शाखा और मिलन शुरू करना है। इसलिए संघ के शिक्षा वर्ग में अलग- अलग विषयों को सुनने और समझने के बाद नए कार्यकर्ता को अपने व्यवहार और आचरण से खड़ा करना है। वर्ग कार्यवाह गेंदालाल सैनी ने बताया कि वर्ग में जल संरक्षण एवं वृक्ष संरक्षण से शिक्षार्थियों को जोड़ा गया है। दैनिक जीवन में जल के सदुपयोग की तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज कम पानी का उपयोग कर नहाने का वीडियो दिखाया गया। पानी बचाने के लिए शिक्षार्थी मिट्टी से बर्तन मांज रहे हैं। वही वृक्ष संरक्षण एवं वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। प्लास्टिक मुक्त एवं स्वच्छ परिसर के लिए प्लास्टिक की बोतल एवं कचरे से ईको फ्रेंडली ईंट बना रहे हैं। प्यारेलाल मीणा ने बताया कि शिक्षा वर्ग में राजस्थान के 253 शिक्षार्थी सहभाग कर रहे हैं, जिन्हें 31 शिक्षक प्रशिक्षण दे रहे हैं। यहां 20 प्रबंधक व्यवस्थाएं संभाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीस दिवसीय वर्ग के अंतिम सप्ताह में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत भी शामिल होंगे।

महाराणा प्रताप जयंती पर राज्यपाल ने दीं शुभकामनाएं

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने महाराणा प्रताप जयन्ती (22 मई) के अवसर पर देश और प्रदेश वासियों को शुभकामनाएं दी हैं। रविवार को राज्यपाल मिश्र ने महाराणा प्रताप को श्रद्धा नमन किया और उनके शौर्य, पराक्रम, अटूट देशभक्ति, धर्मनिष्ठा और त्याग को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर मातृभूमि की रक्षा और स्वतंत्रता के लिए मुगलों से सतत संघर्ष किया। राज्यपाल ने महाराणा प्रताप के जीवन एवं कृतित्व से प्रेरणा लेकर सशक्त, समर्थ और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए कार्य करने का आह्वान किया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम वर्ष का प्रशिक्षण वर्ग शुरू

जैसलमेर (हिंस)। जैसलमेर के सीमा जन कल्याण समिति छात्रावास में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जोधपुर प्रान्त के प्रथम वर्ष प्रशिक्षण वर्ग (विशेष) रविवार से शुरू हुआ। वर्ग उद्घाटन डॉ. हेडगेवार तथा गुरुजी के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ। इस अवसर पर निरंजन भारती ने आशीर्वचन देते हुए कहा की संघ के प्रशिक्षण वर्ग में संघ की व्यापकता का अनुभव होता है। स्वयंसेवक अच्छे कार्यकर्ता बनने के लिए सिद्ध होते हैं। ये मात्र प्रशिक्षण वर्ग नहीं अपितु साधना है, क्योंकि साधना से सिद्धि की प्राप्ति होती है। जोधपुर प्रांत के सह प्रांत कार्यवाह बंसीलाल ने कहा कि स्वयंसेवक दीप में लगी बाती के समान होना चाहिए। उसके भीतर जल रही ज्योति दीप से बाहर आकर विश्व को प्रकाशमान करती है। उसी प्रकार अपने व्यवहार से संघ का दर्शन होना चाहिए। संघ सदैव विविध प्रशिक्षण के माध्यम से स्वयंसेवकों को सद्गुणों के संस्कार प्रदान करता है। अपने वरिष्ठों के व्यवहार से संघ समझना सहज हो जाता है। अपने जीवन में आने वाले मित्र तथा सज्जनशक्ति को संघ से जोड़ना हमारा कर्तव्य है। वर्तमान काल संघ के लिए अनुकूल है तथा संघ कार्य में शैथिल्य न लाते हुए दुगनी गति से कार्य करने की आवश्यकता पर उन्होंने बल दिया। प्रशिक्षण वर्ग में सभी प्रकार की सुविधाओं का त्याग कर भीषण गर्मी के मौसम में रहना तथा कम से कम सुविधाओ का उपयोग करना ये तपस्या के समान ही है प्रशिक्षण शिविर में जो सीखा वह अपने जीवन में भी प्रकटीकरण होना चाहिए। संघ के वर्ग में कोई किसी की जाति नहीं पूछता क्योंकि हमारा भाव ही नहीं होता है। हिंदू है, हमारा भाई है समस्त हिंदू समाज हमारा है। क्षमताओं को अर्जित करना ही इस वर्ग का आधार है। संगठन जैसे भी मेरा उपयोग लेगा मैं हर समय तैयार रहूंगा। इस मनोयोग से इस वर्ग को संपन्न करके समाज में व्यक्ति निर्माण और सामाजिक परिवर्तन का कार्य प्रत्येक स्वयंसेवक को करना है।

बेकाबू जीप ने छह को कुचला, तीन की मौत

जयपुर (हिंस)। जिले के कोटखावदा थाना क्षेत्र में रविवार को एक थार जीप ने छह लोगों को कुचल दिया। हादसे में मृतक की मां-बेटे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो हुए है। सभी एक परिवार के सदस्य हैं और हरिद्वार से अस्थियां विसर्जित कर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार 17 मई को रामनगर रोड पर डोई की ढाणी के रहने वाले मदन पुत्र बद्री की बीमारी से मौत गई थी। दो दिन पहले मदन की पत्नी सुनीता, बेटा गोलू, विक्की व बड़ा भाई सीताराम और उसकी पत्नी हरिद्वार गए थे। वहां अस्थियां विसर्जन के बाद सभी रविवार सुबह करीब 11 बजे हरिद्वार से लौटने के बाद वे घर से करीब एक किलोमीटर पहले परिजनों के इंतजार में सड़क के किनारे बैठे थे। इस दौरान रामनगर की तरफ से आई तेज रफ्तार थार जीप ने उन सभी को कुचल दिया।

20 हजार घरों में गायत्री महायज्ञ कराने का निर्णय लिया

झालावाड़ (हिंस)। गायत्री शक्ति पीठ झालावाड़, पर रविवार को जिला समन्वयक समिति की बैठक जिला समन्वयक गुमान सिंह की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में गृह-गृह गायत्री यज्ञ के आयोजन के बारे में चर्चा की गई तथा जिले में 20 हजार घरों में गायत्री महायज्ञ कराने का निर्णय लिया। तथा इस वर्ष भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में लगभग 50 हजार छात्र छात्राओं को शामिल करवाने का संकल्प लिया। तथा 26 मई को बारां में आयोजित होने जा रहा सामूहिक विवाह सम्मेलन में झालावाड़ जिले से 600 गायत्री परिवार के प्रतिनिधि विवाह कार्यक्रम को सम्पन्न कराएंगे। बैठक में जिले के सह समन्वयक यशवर्धन, गोपी बल्लभ, संतोष पराशर,

संजय जायसवाल, गजेन्द्र सिंह खिंची, मदन सिंह तंवर, महेश पार्थ, चन्द्रशेखर श्रोत्रिय, मोहनलाल, चांदमल चौरसिया, महिला प्रतिनिध रामकन्या तंवर, नीलम नरूका, भगवती देवी मीणा, रामाकान्ता दाधीच, लक्ष्मी पोसवाल, युवा प्रतिनिधि पूर सिंह, हेमेन्द्र सिंह, भगवती प्रकाश, संगठन मंत्री अनिल मे वाड़ा सहित जिले भर के पदाधिकारी व सदस्यों ने बैठक में भाग लिया। बैठक से पूर्व गायत्री माता व गुरुदेव की तस्वीर पर पूजा अर्चना कर, दीप प्रज्जवलित करके बैठक प्रारम्भ हुई।

उग्रवाद व काले धन पर रोक लगाने के लिए की नोटबंदी रही पूर्ण रूप से असफल : किरण चौधरी

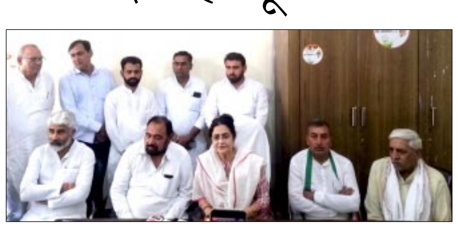

हिसार (हिंस)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं विधायक किरण चौधरी ने कहा है कि सरकार ने कुछ वर्ष पहले नोटबंदी करते हुए कहा था नोटबंदी से उग्रवाद को होने वाली फंडिंग पर रोक लगेगी व काले धन पर भी रोक लगेगी। इसके बावजूद ऐसा कुछ नहीं हुआ और अब जनता को लाइनों में खड़ा करने के लिए सरकार ने फिर से 2000 का नोट बंद कर दिया है। किरण चौधरी रविवार को कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कांग्रेस भवन में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि अब जनता को दुखी करने के लिए फिर से लाइनों में लगने के फरमान सुना दिए गए। सरकार चाहती है कि जनता दुखी रहे, जनता को दुखी करने के लिए प्रोपर्टी आईडी, फैमिली आईडी, कभी कोई आईडी थोपकर जनता को दुखी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को ओलावृष्टि का मुआवजा नहीं मिल रहा, कभी किसानों को, कभी पुरानी पैंशन की मांग पर कर्मचारियों को, आंगनवाड़ी व आशा वर्कर को, महिला खिलाड़ियों व सरपंचों को आंदोलन के लिए मजबूर किया जा रहा है और विरोध करने पर उन पर लाठीचार्ज किया जा रहा है। किरण चौधरी ने कहा कि हमारे देश व प्रदेश की बेटियां ओलंपिक खेलों में मेडल लाकर देश का नाम रोशन करती है लेकिन शर्म की बात है कि आज उन महिला खिलाड़ियों को भी धरने पर बैठना पड़ रहा है। अपनी न्याय की मांग पर महिला खिलाड़ियों को सुप्रीम कोर्ट में जाना पड़ा, उसके बाद मुकदमा दर्ज हुआ है। जब खिलाड़ी मेडल लेकर आते हैं तो राष्ट्रगान बजता है। देश का सीना चौड़ा हो जाता है। खिलाड़ी किसी एक जाति या राज्य के नहीं होते, वे भारत के खिलाड़ी हैं परंतु इनको किसी राज्य का या जाति का खिलाड़ी बनाया जा रहा है। कांग्रेस भवन आने से पूर्व किरण चौधरी आजाद नगर में अस्पताल की मांग पर चल रहे धरने पर भी पहुंची और उनकी मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आजाद नगर क्षेत्रवासियों की अस्पताल की मांग बिल्कुल जायज है। आजाद नगर की आबादी को देखते हुए सरकार को अधिकारियों के मकान बनाने की बजाए सरकारी अस्पताल बनाना चाहिए। तत्पश्चात कांग्रेस नेत्री तलवंडी राणा के ग्रामीणों द्वारा दिए जा रहे धरने पर भी पहुंची और उनका समर्थन किया।

पहलवानों को पटखनी देकर सीएम मनोहर लाल ने दिखाया दम

गुरुग्राम (हिंस)। रविवार को यहां मुख्यमंत्री मनोहर लाल बच्चों के साथ बच्चे नजर आए तो युवाओं के साथ युवा। उन्होंने बच्चों के साथ दिल खोलकर मुलाकात की, वहीं पहलवानों के साथ पहलवानी का भी दम-खम दिखाया। कबड्डी और कुश्ती में उन्होंने युवाओं की तरह पहलवानों के साथ खेलकर सबको चौंकाया। अवसर था नौरंगपुर गांव सेक्टर-79 में राहगीरी कार्यक्रम का। राहगीरी कार्यक्रम में इस बार खेल-कूद से जुड़ी गतिविधियों पर विशेष फोकस किया गया था। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में पहुंचते ही वॉक-साइकिल-रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के बीच उनका उत्साह बढ़ाया। इस दौरान कबड्डी व कुश्ती के डेमो के दौरान मुख्यमंत्री ने खुद भी रेड डाली और पहलवानी के दांव-पेंच में हाथ आजमाए। उन्होंने बॉक्सिंग, गतका, रस्साकसी, बैडमिंटन आदि के खिलाड़ियों के बीच जाकर उनके साथ फोटो भी खिंचवाए। इस तरह से मुख्यमंत्री मनोहर लाल बच्चों के साथ बच्चे और युवाओं के साथ युवाओं की तरह नजर आए। राहगीरी कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मनु भाकर, शिवानी कटारिया व दिव्यांशी

सहित अनेक प्रेरक व्यक्ति विशेष तौर पर पहुंचे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में आज से सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाएगा। इस सप्ताह के दौरान सभी जिलों में सड़कों के ब्लैक स्पॉट्स पर काम किया जाएगा। सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। सीएम मनोहर लाल ने कहा कि करीब 9 वर्ष पहले गुरुग्राम से ही राहगीरी कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी। अब पूरे देश में आयोजित हो रही है। अब तक एक करोड़ 30 लाख लोग इसमें भागीदार बन चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में पहुंचे जनसमूह से गुरुग्राम को अच्छा, स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने के लिए योगदान करने की बात कही। उन्होंने राहगीरी के आयोजन स्थल वाली सड़क के दोनों ओर साइकिल व पैदल चलने वालों के लिए ट्रैक बनाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मनुष्य तू महान है गीत सुनाया। उन्होंने सिविल डिफेंस की टीम द्वारा प्राथमिक उपचार के प्रदर्शन स्थल पर जाकर स्वयं भी मरीज को दी जाने वाली सीपीआर तकनीक के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता, सोहना के विधायक संजय सिंह, मुख्यमंत्री के स्पेशल ऑफिसर (कम्युनिटी पुलिसिंग एंड आउटरीच) पंकज नैन, मुख्यमंत्री के एडवाइजर (पब्लिक सेफ्टी) अनिल राव, डीसी निशांत कुमार यादव, पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा, जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी संधू बाला, राहगीरी फाउंडेशन से सारिका पांडा, बीजेपी की जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुंदर लाल यादव समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हर दिन ऑफिस आने वालों की संख्या घटी : हाईब्रिड वर्क बढ़ा ; सप्ताह में दो–तीन दिन काम करना ज्यादा पसंद

नई दिल्ली।

दुनियाभर में महामारी खत्म होने की अधिकृत घोषणा के बाद बहुत लोग सोच रहे थे कि ऑफिसों में अब पूरी तरह लोगों की वापसी हो जाएगी। लेकिन नई रिपोर्ट बताती है कि हाईब्रिड वर्क बढ़ने के कारण हर दिन ऑफिस आने वाले वर्कर्स की संख्या कम हुई है। फ्लैक्स रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में 2023 की पहली तिमाही में फुलटाइम ऑफिस वर्कर पिछली तिमाही के 49प्रतिशत से कम होकर 42प्रतिशत रह गए। वहीं हाईब्रिड वर्कर पिछली तिमाही के 20प्रतिशत से बढ़कर पहली तिमाही में 30प्रतिशत हो गए। हाईब्रिड वर्क में कर्मचारी सप्ताह में औसतन 2.53 दिन ऑफिस आए।

ट्विटर और टेस्ला कर्मचारियों की हर दिन उपस्थिति चाहती – फ्लैक्स रिपोर्ट बनाने वाली कंपनी स्कूप टेक्नोलॉजीस के सीईओ रॉबर्ट सेडो कहते हैं, वर्कर ऑफिस आना दो दिन और तीन दिन ज्यादा पसंद कर रहे हैं। सबसे अधिक पॉपुलर दिन क्रमशः मंगलवार, बुधवार और गुरुवार हैं। केवल कुछ कंपनियां चाहती हैं कि वर्कर शुक्रवार को उपस्थित रहें। 24प्रतिशत कंपनियां उपस्थिति चाहती हैं।

सभी कंपनियां कर्मचारियों को ऑफिस आने से छूट नहीं देना चाहती हैं। ट्विटर और टेस्ला कर्मचारियों की हर दिन उपस्थिति चाहती हैं। एपल भी वर्करों की अटेंडेंस पर नजर रख रही है। उसने ऑफिस ना आने वालों को कार्रवाई की चेतावनी दी है। डिज्नी में वर्करों को सप्ताह में चार दिन ऑफिस आने की जरूरत है। वैसे हजारों लोगों ने इसका विरोध किया है।

पैरेंट्स के लिए रोज ऑफिस आने–जाने से चुनौती बढ़ी – कुछ एनालिस्ट का कहना है, दफ्तरों में कर्मचारियों की वापसी में अश्वेतों और महिलाओं को भेदभाव का शिकार होना पड़ा है। दूर रहने वाले कामकाजी पैरेंट्स के लिए रोज ऑफिस आने–जाने से चुनौती बढ़ी है। फ्लैक्स रिपोर्ट का कहना है, कंपनी की इंडस्ट्री, लोकेशन और कर्मचारियों की संख्या पर स्थितियां निर्भर करती हैं। 500 से कम कर्मचारियों वाली तीन में से दो कंपनियों में कर्मचारियों को पूरी छूट है। वर्कर चाहें तो रिमोट काम कर सकते हैं। दूसरी ओर 50 हजार से अधिक कर्मचारियों वाली केवल 13प्रतिशत कंपनियां पूरी छूट दे रही हैं। हालांकि 66प्रतिशत ने हाईब्रिड वर्क की अनुमति दी है।

वर्क फ्रॉम होम 30प्रतिशत – सप्ताह में पांच दिन ऑफिस में काम की स्थिति की वापसी ना होने के दूसरे संकेत भी हैं। रिमोट वर्क पर स्टडी करने वाले स्टैनफोर्ड में प्रोफेसर निकोलस ब्लूम की रिसर्च के अनुसार वर्क फ्रॉम होम का शेयर 30 प्रतिशत के आसपास स्थिर है।

न्यूज ब्रीफ

मस्क ने ऑफिस का किराया देने से किया इनकार

सैन फ्रांसिस्को। एलन मस्क ने सुबह 4 बजे कॉल के दौरान ट्विटर के एक निवेशक से कहा कि वह कंपनी के कार्यालय के किराए का भुगतान मेरे शव के ऊपर करेंगे। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के

अनुसार, ट्विटर के खिलाफ कंपनी के छह पूर्व कर्मचारियों द्वारा दायर मुकदमे के अनुसार, ट्विटर 2.0 में निवेश करने वाले एक उद्यमी पाब्लो मेंडोजा ने मस्क के साथ बातचीत की थी। मस्क ने मेंडोजा को बताया कि किराया नहीं देने का फैसले पर बातचीत नहीं हो सकती। मुकदमे में कहा गया है कि 12 साल तक ट्विटर के साथ काम करने वाले और ऑफिस डिजाइन का निरीक्षण करने वाले वादी जोसेफ किलियन को पता था कि मस्क ने ऑफिस का किराया देना बंद करने का फैसला किया है। मुकदमे में आरोप लगाया गया, किलियन ने मस्क की नई स्थिति के खतरे के बारे में मेंडोजा के माध्यम से मस्क को समझाने का प्रयास किया कि किसी भी तरह के किराए का भुगतान नहीं किया जाएगा, यह इंगित करते हुए कि ट्विटर के कई पट्टों की शर्तों पर फिर से बातचीत करने का कोई भी प्रयास विफल हो जाएगा। मुकदमे के अनुसार मेंडोजा ने सुबह 4 बजे हुई बातचीत के बारे बताया कि एलन ने मुझे बताया कि वह केवल अपने मृत शरीर पर किराए का भुगतान करेंगे। मुकदमे के अनुसार, मस्क के वकील एलेक्स स्पिरो ने कहा यह ऑफिस के मालिकों का ट्विटर से किराए का भुगतान करने की उम्मीद अनुचित था सैन फ्रांसिस्को में ट्विटर के मकान मालिक ने किराए का भुगतान नहीं करने पर माइक्रो–ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर मुकदमा दायर किया था। इस बीच, सैन फ्रांसिस्को के अधिकारी पूर्व कर्मचारियों के एक मुकदमे के बाद ट्विटर पर एक जांच कर रहे हैं, जिन्होंने दावा किया था कि एलन मस्क की संक्रमण टीम ने जानबूझकर अनुबंधों को भंग करने और भुगतान नहीं करने की योजना बनाई थी।

पांच महीने में दो लाख लोगों ने गंवाईं नौकरियां, रिपोर्ट में दावा- अभी जारी रहेगा छंटनी का दौर

नई दिल्ली। तकनीकी के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों के लिए यह साल यानी 2023 बीते साल 2022 से भी बुरा है। कह सकते हैं कि वर्ष 2023 तकनीकी कर्मचारियों के लिए सबसे खराब रहा और अधिक रह सकता है, क्योंकि वैश्विक स्तर पर बिग टेक फर्मों से लेकर स्टार्टअप्स तक ने बीते पांच महीने में लगभग दो लाख तकनीकी कर्मचारियों को बर्खास्त कर बाहर का रास्ता दिखाया है। यह सिलसिला यहीं रूकने वाला नहीं हैं, क्योंकि मेटा, बीटी, वोडाफोन और कई अन्य कंपनियों ने आने वाले महीनों में और कर्मचारियों की छुट्टी की योजनाओं यानी छंटनी का एलान किया है। ले–ऑफ ट्रैकिंग साइट के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अब तक यानी जनवरी से मई तक पांच महीनों में 695 टेक कंपनियों ने करीब 1.98 लाख कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। इसकी तुलना अगर बीते साल यानी 2022 से करें तो जनवरी से दिसंबर 2022 तक 12 महीनों में 1,046 टेक कंपनियों ने छंटनी की थी और कुल 1.61 लाख से अधिक कर्मचारियों को नौकिरियों से निकाला था। इस साल अकेले जनवरी में, वैश्विक स्तर पर करीब एक लाख तकनीकी कर्मचारियों ने नौकरी खोई, जिनमें और अन्य जैसी कंपनियों के कर्मचारी सर्वाधिक थे।

रूस को भारत का इंजीनियरिंग निर्यात अप्रैल में 11 गुना बढ़ा

कोलकाता। रूस को इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में इस साल अप्रैल में 11 गुना बढ़कर 13.36 करोड़ डॉलर तक पहुंच गया जबकि अमेरिका और चीन के बाजारों में नरमी बरकरार रही। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) ने यह जानकारी दी। अप्रैल 2022 में स्वतंत्र देशों के राष्ट्रकुल (सीआईएस) को इंजीनियरिंग निर्यात 1.17 करोड़ डॉलर था। अप्रैल में अमेरिका को 1.4 अरब डालर की इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात किया गया। अप्रैल 2022 के 1.86 अरब डालर के निर्यात के मुकाबले इसमें 24.9 प्रतिशत की कमी रही। चीन को इंजीनियरिंग निर्यात अप्रैल 2023 में 15.5 प्रतिशत घटकर 18.33 करोड़ डालर रहा। हालांकि, पिछले महीने ओमान को होने वाला निर्यात अप्रैल 2022 के मुकाबले दोगुना बढ़कर 15.39 करोड़ डालर पहुंच गया। भारत की इंजीनियरिंग वस्तुओं के लिए शीर्ष 25 देशों में से 15 को निर्यात में वार्षिक आधार पर वृद्धि दर्ज की गई है। देश के कुल इंजीनियरिंग निर्यात में अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, इंडोनेशिया और सिंगापुर की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2023–24 के पहले महीने में भारत का कुल इंजीनियरिंग निर्यात 7.15 प्रतिशत घटकर 8.99 अरब डालर रहा जबकि अप्रैल 2022 में कुल 9.68 अरब डालर का इंजीनियरिंग निर्यात किया गया था।

चुनौतियों के बावजूद भारतीय विमानन क्षेत्र सही दिशा में

चेन्नई।

काफी धूमधड़ाके साथ टेकऑफ के बाद क्रैश लैंडिंग शुरू से ही भारतीय विमानन क्षेत्र में देखा गया है। एनईपीसी एयरलाइंस, दमानिया एयरवेज, जेट एयरवेज, किंगफिशर एयरलाइंस, डेक्कन एविएशन, पैरामाउंट एयरवेज जैसे बड़े नामों के अलावा कई आया राम और गया राम इसके कुछ उदाहरण हैं। न सिर्फ ये एयरलाइंस डूब गईं, बल्कि वे उन्हें कर्ज देने वाले सार्वजनिक बैंकों और उनमें निवेश करने वाले आम शेयरधारकों की पूंजी भी ले डूबे।

यह अलग बात है कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने ट्रेडमार्क/ब्रांड वैल्यू की एवज में किंगफिशर एयरलाइंस को हजारों करोड़ रुपये उधार दिए थे। लंबे समय तक एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस (बाद में एयर इंडिया में विलय) बची रह सकीं क्योंकि वे भारत सरकार के स्वामित्व में थीं। हाल ही में टाटा समूह ने एयर इंडिया का अधिग्रहण किया है। जो भी हो, अब दो एयरलाइंस वित्तीय समस्याओं के लिए सुर्खियों में हैं – गो एयरलाइंस (इंडिया) और स्पाइसजेट। वाडिया समूह की गो एयरलाइंस ने इस महीने की शुरुआत में स्वेच्छा से राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष से संबंधित इस महीने की शुरूआत में स्वेच्छा से एक दिवाला याचिका दायर किया, जिसे बाद में स्वीकार कर एक अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) नियुक्त किया गया। गो एयरलाइंस के अधिकारियों ने कहा कि यह उसके बेड़े के विमानों को पट्टेदारों द्वारा वापस ले लिए जाने से बचाने के लिए किया गया था। गो एयरलाइंस ने अपनी समस्याओं के लिए इंजन आपूर्तिकर्ता प्रैट एंड व्हिटनी को दोषी ठहराया क्योंकि उसके 54 विमानों के बेड़े का लगभग 50 प्रतिशत इंजन की खराबी के कारण ग्राउंडेड है और आपूर्तिकर्ता ने अतिरिक्त इंजनों की आपूर्ति से मना कर दिया है। दूसरी ओर, आयरलैंड स्थित विमान पट्टेदार एयरकैसल लिमिटेड ने एनसीएलटी की मुख्य बेंच के समक्ष याचिका दायर कर एयरलाइन के खिलाफ दिवालियापन प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। तो, क्या भारतीय विमानन क्षेत्र आया राम और गया राम की कहानी है या यह बदलाव के लिए तैयार है ऐसा कहा जाता है कि बढ़ता मध्यम वर्ग किफायती विमान सेवा कंपनियों (एलसीसी) के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। गो एयरलाइंस के सीईओ कौशिक खोना ने कम लागत वाली एयरलाइंस के व्यवहार्य व्यावसायिक प्रस्ताव के सवाल पर कहा कि कंपनी 2009–10 से 2019–20 तक मुनाफा कमा रही थी। जनवरी 2020 से ही प्रैट एंड व्हिटनी इंजन की समस्या बढ़ गई और कंपनी को समस्याओं का सामना करना पड़ा क्योंकि एयरलाइंस की निश्चित लागत बहुत ज्यादा होती है। खोना ने कहा कि केवल किफायती एयरलाइंस व्यवसाय ही लाभदायक हो सकता है। भारत सरकार नए हवाईअड्डों के निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, जो बदले में एयरलाइंस के लिए हवाई संपर्क और पैसेंजर लोड फैक्टर (भरी सीटों के अनुपात) को बढ़ाएगा। भविष्य की बात भविष्य में। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की मौजूदा रिपोर्ट उद्योग के लिए एक अलग तस्वीर पेश करती है। आईसीआरए ने अपनी नवीनतम क्षेत्रीय रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2023–24 में विमानन उद्योग का नुकसान कम होकर लगभग 50–70 अरब रुपये रह जाने की संभावना है, क्योंकि यात्रियों की संख्या ठीक–ठाक है और एयरलाइंस में अपना राजस्व बढ़ाने की क्षमता है। ऐसा कहा जाता है कि उच्च लागत और टिकट की कम कीमतों के कारण किफायती विमान सेवा खंड फंस गया है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के कमजोर पड़ने और विमानईंधन (एटीएफ) की ऊंची कीमत एयरलाइंस की नींव को प्रभावित करती हैं। आईसीआरए के उपाध्यक्ष और कॉपोरेट रेटिंग्स के सेक्टर हेड सुप्रियो बनर्जी ने कहा, एटीएफ की कीमतों में पिछले चार महीनों में क्रमिक गिरावट देखी गई है, फिर भी यह कोविड से पहले की तुलना में काफी महंगा है।

आईसीआरए के अनुसार, एटीएफ की औसत कीमत वित्त वर्ष 2023 में 1,21,013 रुपये प्रति किलोलीटर और अप्रैल 2023 में 99,506 रुपये प्रति किलोलीटर थी जबकि वित्त वर्ष 2020 में औरसम कीमत 64,715 रुपये प्रति किलोलीटर थी। एयरलाइंस के व्यय में ईंधन की लागत का हिस्सा लगभग 30–40 प्रतिशत होता है, जबकि एयरलाइंस के परिचालन खर्च का लगभग 35–50 प्रतिशत – जिसमें विमान लीज भुगतान, ईंधन खर्च और विमान और इंजन रखरखाव खर्च शामिल हैं – का भुगतान अमेरिकी डॉलर में होता है। इसके अलावा, कुछ एयरलाइंस पर विदेशी मुद्रा में कर्ज भी है। आईसीआरए के अनुसार, भारतीय विमानन क्षेत्र ने उच्च एटीएफ कीमतों और रुपये के मूल्यह्रास के कारण वित्त वर्ष 2022–23 में लगभग 110–130 अरब रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया। घरेलू यात्री हवाई यातायात में अब तेजी आ रही है। इंजन की समस्याओं के कारण कई विमान ग्राउंडेड हैं और गो एयरलाइंस ने उडाने बंद कर दी हैं। इन सभी कारणों से दूसरी एयरलाइंस के भरी सीटों का अनुपात (पीएलएफ) बढ़ा है और टिकटों की कीमतों में तेजी आई है। आईसीआरए ने बताया कि अप्रैल 2023 में घरेलू मार्गो पर यात्रियों की संख्या लगभग 129 लाख रही है, जो मार्च 2023 में लगभग 128.9 लाख थी। यह अप्रैल 2022 के लगभग 105 लाख की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक और कोविड–19 से पहले अप्रैल 2019 के लगभग 110 लाख की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। घरेलू एयरलाइनों के लिए अप्रैल 2023 में पीएलएफ लगभग 91 प्रतिशत रहा जो अप्रैल 2022 में लगभग 81 प्रतिशत था।

आईपीओ के लिस्टिंग टाइम को कम करना चाहती है सेबी

6 दिन के टाइम लिमिट को कम करके 3 दिन करने का प्रस्ताव, म्यूचुअल फंड्स के लिए भी नया नियम

मुंबई।

सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया शेयर मार्केट में इनिशियल पब्लिक ऑफर के लिस्टिंग के टाइम को कम करना चाहती है। इसके लिए मार्केट रेगुलेटर ने अभी लिस्टिंग में लगने वाले समय को 6 दिन से कम करके 3 दिन करने का प्रस्ताव दिया है। सेबी के कंसल्टेशन पेपर के अनुसार, शेयर के लिस्टिंग की टाइमलाइन कम करने से कंपनियां जल्दी पैसा जुटा सकेंगी, जिससे बिजनेस करने में आसानी होगी। इसके साथ ही इन्वेस्टर्स को आईपीओ में बिड लगाने के बाद जल्दी लिक्विडिटी मिल सकेगी।

इससे इन्वेस्टर्स को क्या फायदा होगा – दरअसल अभी आईपीओ में बिड लगाने के बाद इन्वेस्टर्स का पैसा मिनिमम 6 दिन तक के लिए होल्ड रहता है। लिस्टिंग में लगने वाला टाइम कम होने के बाद शेयर्स का अलॉटमेंट जल्दी हो सकेगा। वहीं, जिसे शेयर्स अलॉट नहीं होंगे, उनके अकाउंट में पैसा जल्दी रिफंड हो जाया करेगा। इसके साथ ही शेयर्स जल्दी लिस्ट होने के बाद इन्वेस्टर्स आगे का डिसीजन (शेयर होल्ड/सेल) कर सकेंगे।

नवंबर 2018 में सेबी ने 6 दिन किया था टाइम लिमिट – इससे पहले नवंबर 2018 में सेबी ने रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए एप्लिकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक्ड अमाउंट के साथ एक नए पेमेंट चैनल के रूप में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस की शुरुआत की थी। इसके साथ ही 6 दिन के अंदर शेयर मार्केट में आईपीओ की लिस्टिंग को अनिवार्य किया था। अब सेबी इसी टाइम लिमिट को 6 दिन से कम करके 3 दिन करना चाहती है। इसके लिए मार्केट रेगुलेटर ने 3 जून तक पब्लिक फीडबैक देने के लिए कहा है।

यह इन्वेस्टर्स के लिए पॉजिटिव संकेत – सेबी के इस प्रस्ताव पर ट्रेनर–टिप्स टू ट्रेडर्स के को फाउंडर एआर रामचंद्रन ने कहा, लिस्टिंग टाइमलाइन को 6 दिन से कम करके 3 दिन करने का प्रस्ताव इन्वेस्टर्स के लिए पॉजिटिव संकेत है।

भारत में बनेगी टेस्ला कंपनी ने मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने के लिए सरकार से शुरू की बातचीत

नई दिल्ली।

अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला भारत में अपना मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने की योजना बना रही है। केंद्र सरकार में राज्य मंत्री के हवाले से एक समाचार एजेंसी की ओर से जानकारी दी गई है। ये खबर ऐसे समय पर आई है, जब भारत में इलेक्ट्रिक कारों की मांग में इजाफा देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट में बताया गया कि हाल ही टेस्ला के वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से केंद्र सरकार से बातचीत की है, इसमें कंपनी के भारतीय बाजार में एंट्री करने को लेकर बातचीत की गई थी।

किन मुद्दों पर हुई बातचीत – एलन मस्क के नेतृत्व वाली कंपनी की ओर से भारतीय

अधिकारियों से कई मद्दों को लेकर बातचीत की गई है, जिसमें कार बैटरी मैन्यूफैक्चरिंग और कार मैन्यूफैक्चरिंग जैसे मुद्दे शामिल हैं।

बातचीत के बाद केंद्र सरकार में राज्य मंत्री राजीव चेंद्रशेखर की ओर से बताया गया कि वे भारत को प्रोडक्शन और इनोवेशन के बेस के रूप में काफी गंभीरता से देख रहे हैं।

हमने उन्हें इशारा कर दिया है कि भारत सरकार उनके साथ मिलकर काम करने को तैयार है और उनकी कोशिश भारत में कंपनी के निवेश को सफल बनाने को लेकर है।

क्यों टेस्ला के रुख में आया बदलाव –टेस्ला के भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बनाने के लिए फैक्ट्री स्थापित करने से लेकर ईवी बैटरी बनाने के लिए बातचीत कर रहा है।

बिना आईडी प्रूफ और फॉर्म भरे ही जमा कर सकेंगे दो हजार के नोट, एसबीआई ने दी जानकारी

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने बताया है कि ग्राहक दो हजार के नोट बिना किसी आईडी प्रूफ और फॉर्म भरे ही बैंक की विभिन्न शाखाओं से बदलवा सकेंगे। एसबीआई ने कहा है कि 20 हजार कीमत तक के नोट बिना आईडी प्रूफ के बदलवाए जा सकेंगे। बता दें कि एसबीआई का यह स्पष्टीकरण, सोशल मीडिया पर चल रहीं उन अफवाहों के बाद सामने आया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि दो हजार के नोट बदलवाने के लिए आईडी प्रूफ, आधार कार्ड दिखाने के साथ ही एक फॉर्म भी भरना होगा।

स्टेट बैंक ने अपने चीफ जनरल मैनेजर्स को दी जानकारी – रिजर्व बैंक ने एलान किया था कि 2000 के करेंसी नोट चलन से बाहर होंगे। हालांकि नोटों को बदलने के

लिए रिजर्व बैंक ने 30 सितंबर तक का वक्त दिया है। इस दौरान लोग बैंकों में जाकर अपने दो हजार के नोट अन्य करेंसी नोट से बदल सकते हैं। अब स्टेट बैंक ने अपने सभी स्थानीय हेड ऑफिस के चीफ जनरल मैनेजर्स को भेजी जानकारी में बताया है कि 20 हजार तक की कीमत के दो हजार के नोट बिना किसी आईडी प्रूफ और मांग पर्ची के बदले जा सकेंगे।

अपने ही बैंक खाते में जमा करने की सीमा तय नहीं – अपने ही खाते में दो हजार के नोट जमा करने की रिजर्व बैंक ने कोई सीमा तय नहीं की है लेकिन यह ग्राहकों को केवाईसी और अन्य वैधानिक नियमों पर निर्भर करेगा। 20 मई को भेजी जानकारी में एसबीआई ने कहा है कि दो हजार के नोट बदलवाने के लिए किसी आईडी प्रूफ की भी जरूरत नहीं होगी। बैंक ने अपने अधिकारियों से कहा है कि वह जनता के साथ सहयोग करें ताकि दो हजार के नोट बदलने की पूरी प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के और आसानी से पूरी हो सके। नोट बदलने की प्रक्रिया 23 मई से शुरू होगी लेकिन कुछ लोग ही बैंक पहुंच गए। एसबीआई ने बताया कि ऐसे लोगों को समझाकर वापस भेजा गया। कुछ ग्राहकों ने दो हजार के नोट बैंक में जमा करने के लिए डिपॉजिट मशीन का भी इस्तेमाल किया। कुछ लोगों ने खरीददारी कर दो हजार के नोट खर्च करने की कोशिश की लेकिन रिजर्व बैंक के नोटिफिकेशन के बाद बाजार में भी लोग दो हजार के नोट लेने में हिचक रहे हैं।

अच्छे नेटवर्क के लिए लेटेस्ट सॉफ्टवेयर अपडेट जरूरी

अगर घर में मोबाइल सिग्नल कमजोर आ रहे हैं तो आजमाएं ये 5 आसान उपाय

नई दिल्ली।

कॉल ड्रॉप की समस्या आज भी बनी हुई है। कुछ उपायों के जरिये फोन के नेटवर्क सिग्नल्स को बेहतर कर सकते हैं। सबसे पहले यह पता करें कि घर में कमजोर सिग्नल्स कहां आते हैं। इसके लिए बढ़िया तरीका यह है कि अपने फोन को लेकर घर के कोने–कोने में जाएं और नजर रखें फोन के सिग्नल बॉर्स पर। घर के जिन हिस्सों में सिग्नल बॉर कम दिखें, समझ जाएं कि घर के इन्हीं हिस्सों में सबसे ज्यादा नेटवर्क सिग्नल्स को सुधारे जाने की जरूरत है।

स्मार्ट सिग्नल बूस्टर – मोबाइल सिग्नल्स को सुधारने के लिए आप मोबाइल स्मार्ट सिग्नल बूस्टर का इस्तेमाल कर सकते हैं। स्मार्ट सिग्नल बूस्टर आप तक सिग्नल्स के पहुंचने से पहले शक्तिशाली बेसबैंड प्रोसेसर के जरिए उन्हें साफ करता है। उसके बाद सिग्नल्स आप तक पहुंचाता है। स्मार्ट सिग्नल बूस्टर का इस्तेमाल करना काफी आसान है। आपको बस इससे प्लग करना होता है। यह हालांकि एनालॉग सिग्नल बूस्टर के मुकाबले थोड़े महंगे तो होते हैं, इसलिए अगर आपके पूरे घर

में कमजोर सिग्नल की समस्या है, तभी ये बढ़िया विकल्प है।

सेलुलर रिपीटर का इस्तेमाल – अगर आपके घर में तो सिग्नल्स अच्छे हैं, पर आपके घर के किसी कमरे में सिग्नल्स की समस्या है, तो आपके लिए सेलुलर रिपीटर ज्यादा अच्छा और सस्ता विकल्प रहेगा। एक अच्छा सेलुलर रिपीटर 2500 से 6000 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगा। सेलुलर रिपीटर के एंटीना को ऐसी जगह रखें जहां सिग्नल के कम से कम 2 बॉर आते हों। हो सकता है कि आपको इसे इंस्टॉल करने में थोड़ी समस्या हो, इसलिए तकनीकी सहायता की जरूरत पड़ सकती है।

वाईफाई कॉलिंग फीचर – लेटेस्ट फोन वाईफाई कॉलिंग की सुविधा के साथ आते हैं, जिससे कमजोर नेटवर्क सिग्नल्स की स्थिति में कॉल के वक्त आपके घर के वाईफाई का इस्तेमाल कॉल को करने में किया जाता है। ये फीचर एक भी रुपया खर्च किए बगैर आपकी समस्या का समाधान कर सकता है। बस आपको इसे अपने फोन की सेटिंग्स में जाकर इनेबल करना होगा।

सॉफ्टवेयर अपडेट – अच्छे नेटवर्क के लिए फोन में लेटेस्ट सॉफ्टवेयर अपडेट जरूरी होता है क्योंकि कई बार कंपनियां अपडेट के जरिए नेटवर्क सहित अन्य चीजों को फिक्स करती हैं। इसके साथ ही रेगुलर सॉफ्टवेयर अपडेट्स फोन पर सिग्नल रिसेप्शन को बेहतर करने में मदद करते हैं। फोन मेकर सॉफ्टवेयर अपडेट्स में छोटे–मोटे बग्स व बदलती टेक्नोलॉजी के हिसाब से सॉफ्टवेयर पैचेस जोड़ते रहते हैं। कई बार नेटवर्क प्रोवाइडर की तरफ से कोई टेक्नीकल अपग्रेड होता है, जो आपके फोन में सॉफ्टवेयर अपडेट ना होने की वजह से आपको नहीं मिलता। इससे फोन में कम सिग्नल मिलने लगते हैं।

नेटवर्क एंटीना में दिक्कत – यह भी पता करें कि क्या सिर्फ आपके फोन में ही तो कम सिग्नल नहीं आ रहे अगर घर के एक हिस्से में आपके फोन में कम सिग्नल और बाकी लोगों के फोन सही सिग्नल पकड़ते हैं तब हो सकता है समस्या आपके फोन के साथ हो, नेटवर्क के साथ नहीं। ऐसे में आपको या तो फोन का नेटवर्क एंटीना बदलवाने की जरूरत पड़ेगी या फिर नया फोन लेने की।

अभिनेत्री श्वेता खंडूरी ने माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक ट्रेकिंग की

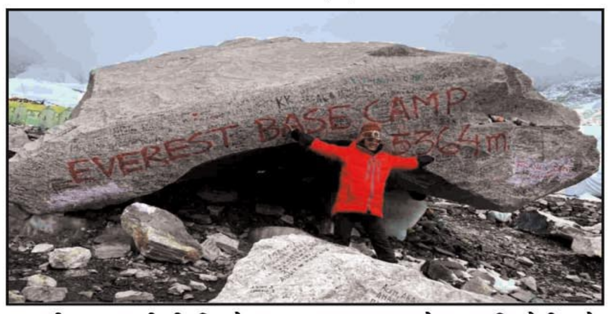

मुंबई (ईएमएस)। टीवी शो बालवीर रिटर्न्स और सीरीज अवैध में अपने काम के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री श्वेता खंडूरी ने काठमांडू से माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक ट्रेकिंग की। एवरेस्ट बेस कैंप ट्रेक आमतौर पर आपको काठमांडू (लुक्ला) से बेस कैंप तक ले जाता है, जो समुद्र तल से लगभग 5,364 मीटर ऊपर है। श्वेता ने कहाः यह नामुमकिन लग रहा था। एक सेकंड के लिए मैं हैरान थी कि मैंने वास्तव में ऐसा किया। मेरी मां अपने युवा दिनों में हमेशा ट्रेकिंग करना चाहती थीं, लेकिन दुर्भाग्य से वह ऐसा नहीं कर सकीं, जब मैंने उन्हें इसके बारे में बताया, तब वह बहुत खुश थीं। मुझे खुशी है कि मैंने अपने माता-पिता को गौरवान्वित किया। वह 22 अप्रैल को मुंबई से काठमांडू पहुंचने के लिए फ्लाइट के जरिए ट्रैक के लिए निकलीं। उन्होंने कहाः मूल रूप से हमारी यात्रा 23 अप्रैल को शुरू हुई थी। हमें काठमांडू से रमेच्छप तक की यात्रा करनी थी, जिसके बाद हवाई अड्डे के लिए 6-7 घंटे की सड़क यात्रा थी। यात्रा के आधे लोग एक दिन पहले लुकला पहुंच गए, जिससे हमारे लिए चीजें कठिन हो गईं, हालांकि, हम बहुत उत्साहित थे और अपनी यात्रा शुरू करने के लिए उत्सुक थे।

हम 24 तारीख की सुबह लुकला पहुंचे। श्वेता ने 24 अप्रैल की सुबह अपना ट्रैक शुरू कियाः हमें उस मिनट से शुरू करना था जब हम उतरे थे क्योंकि हमें खोए हुए समय के लिए कवर करना था इसलिए हमारा पहला ट्रेक 16 किलोमीटर के लिए सीधा था। हमने माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक लगातार 7 दिनों तक ट्रेक करना जारी रखा। यात्रा सचमुच लुभावनी थी। ऊंचाई की वजह से मुझे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, लेकिन मैं अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए आगे बढ़ती गई। मैं अपनी यात्रा के दौरान बीमार भी पड़ गयी, लेकिन एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचने के मेरे अभियान ने हर मुश्कल को पार कर लिया। मैं बूट्स और क्रैम्पन्स और रोमेल बर्थवाल सर को धन्यवाद देना चाहती हूं।

बंगले, गाड़ी कार से मुझे थोड़े न खुशी मिलती : नवाजुद्दीन सिद्दीकी

- सीलन भरे मकान में वसोर्वा में रहते थे नवाजुद्दीन
- इन सब सुविधाओं को अचीवमेंट नहीं मानते हैं नवाजुद्दीन सिद्दीकी

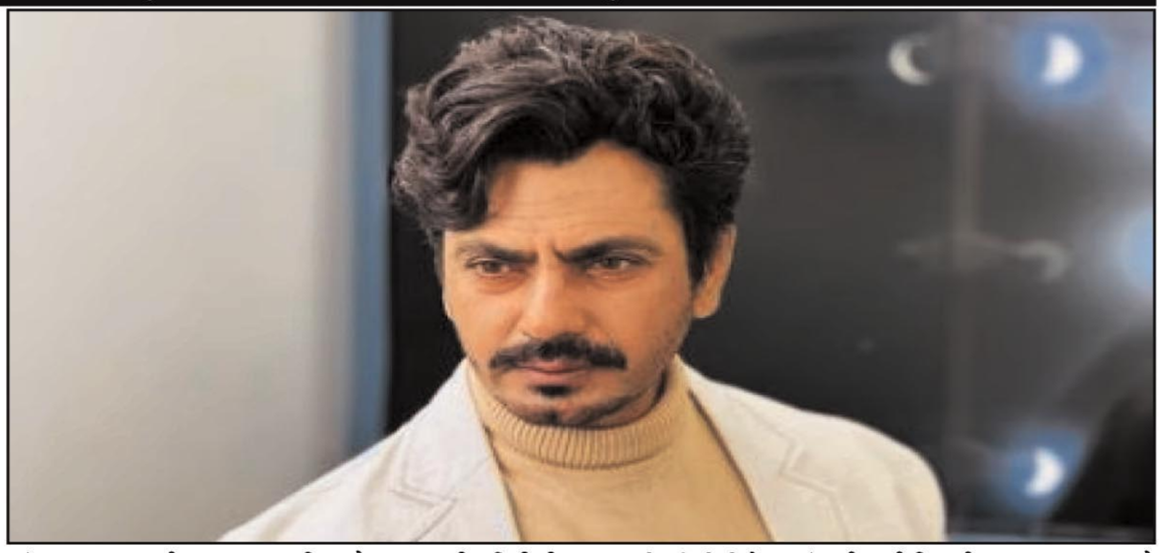

मुंबई (ईएमएस)। इंडिया के टॉप एक्टर्स में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का नाम शुमार है, लेकिन यहां तक पहुंचने का सफर इतना आसान नहीं रहा है। लगभग 15 साल के स्ट्रगल के बाद नवाज ने यह मुकाम हासिल किया है। इस स्ट्रगल के दौरान नवाज ने चौकीदार से लेकर कई छोटे-मोटे रोल्स किए हैं। एक वक्त था, जब नवाज के घर इंटरव्यू के लिए कुछ जर्नलिस्ट पहुंचे थे, उस वक्त नवाज किराए के मकान में थे। मकान में दरारें और सीलन थी। अब रेंट पर रहने वाले नवाज का वसोर्वा में अपना बंगला है। सीलन भरे मकान से लेकर बंगले के सफर पर नवाज कहते हैं, सच्ची कहूं तो कमर्शल जर्नी पर मुझे कुछ भी फील नहीं होता है। मैं इसे अचीवमेंट मानता ही नहीं हूं। अचीवमेंट यह है कि आपने जो सोचा और फिल्म में एक्जीक्यूट हो गया। मैं जितना सोचता हूं उसका 10 प्रतिशत फिल्मों में भी आ जाए, तो तसल्ली मिलती है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि मैं इतने बड़े मकान में भी छोटे से कमरे में रहना पसंद करता हूं। मुझे आज भी किसी झोपड़पट्टी में रूम दे दो, मैं वहां सो जाऊंगा। क्या फर्क पड़ता है। मैं तो इंसान ही हूं न। छोटे घरों में एलियन थोड़े न रहते हैं, हमारे जैसे ही इंसान ही तो रहते हैं। फिर हम क्यों नहीं रह सकते हैं। ये अजीब सा कॉन्सेप्ट है। ये जो डिफरेंस क्रिएट करते हैं, वो गलत लोग हैं। मैं अपने आपको स्पेशल क्यों समझूं यार, मैं एफर्ट तो जिंदगीभर तक करता रहूंगा। मुझ पर कभी आफत आए कि मुझे झोपड़पट्टी में वापस रहना पड़े, तो मैं खुशी-खुशी रह लूंगा। क्यों नहीं रह सकता मैं, लोगों को अक्सर इसी बात का डर सताता है कि सफर के उरूज के बाद वो कहां जाएंगे। मैंने कभी वो डर अपने अंदर रखा ही नहीं। मैं टॉप पर हूं या नीचे पहुंच गया, ये लोगों को तय करने दो। मैं तो इसे सफर की तरह लेता हूं। मैं बस काम करते जा रहा हूं। बस यही जुनून सवार है।

ब्रह्मा ने इंसान के अंदर ही खुशी छिपा दीः **नवाजुद्दीन सिद्दीकी** – नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि मैं मानता हूं कि जो मेरे अंदर मेरा टैलेंट है, वो मुझसे कोई नहीं छीन सकता है। ब्रह्मा के पास देवता गए, वो कहने लगे कि क्या करें इंसान जो है न, वो अपनी खुशी ढूंढ ही लेगा। तो ब्रह्मा को किसी ने सजेशन दिया कि इसे रेगिस्तान में छिपा दो. इंसान वहां भी चला गया.. समंदर में छिपा दो.. वहां भी इंसान पहुंच गया.. पर्वतों में छिपा दो.. वहां भी इंसान. फिर क्या करें, काफी सोचने के बाद उन्होंने इंसान के अंदर ही खुशी छिपा दी। इधर-उधर जाएगा वो खुशी ढूंढ़ने के लिए लेकिन बाद में पता चलेगा कि यार खुशी तो मेरे अंदर थी। कहने का मतलब यही है कि मुझे जो ऊपरवाले ने दिया है, वो मेरे अंदर है। इन बंगले, गाड़ी कार से मुझे थोड़े न खुशी मिलती है। अगर मुझे इनसे खुशी मिल रही है, तो मैं अजीब किस्म का मतलबी इंसान हूं। मैं तो इन सब चीजों को बिलकुल भी प्रमोट नहीं करना चाहता हूं। ऑनेस्टी, मेहनत को प्रमोट करना चाहिए।

सोनू सूद की कर्नाटक में रिलीज हुई राजनीतिक फिल्म श्रीमंथा

बेंगलुरु (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद की श्रीमंथा और तीन अन्य कन्नड़ फिल्में शुक्रवार को कर्नाटक में रिलीज हुईं। डेयर डेविल मुस्तफा, हॉकी पर केंद्रित ड्रामा जर्सी नंबर 10 और सुमन अन्य फिल्में हैं। श्रीमंथा पिछले महीने रिलीज होने वाली थी, लेकिन आदर्श आचार संहिता के कारण मूवी की रिलीज टाल दी गई थी। कर्नाटक के पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा, पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा, साथ ही वरिष्ठ नेता बासवराज होरात्ती और ईश्वर खंड्रे सहित कर्नाटक के राजनेताओं ने फिल्म में अतिथि भूमिका निभाई है, जो किसानों के जीवन पर आधारित है। फिल्म के डायरेक्टर रमेश हसन हैं। सोनू सूद के साथ क्रांति और कल्याणी मुख्य किरदार निभा रहे हैं। डेयर डेविल मुस्तफा प्रशंसित और बहु-प्रतिभाशाली कन्नड़ लेखक केपी पूर्णचंद्र तेजस्वी की कहानी पर आधारित एक कॉमेडी ड्रामा है। शशांक सोगल निर्देशक हैं।

जर्सी नंबर 10 एक हॉकी खिलाड़ी की दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी है। राज्य स्तरीय हॉकी खिलाड़ी आद्या थिमैया, जो निमाताओं में से एक हैं, मुख्य भूमिका निभा रही हैं। फिल्म को आद्या थिमैया और राशिन सुब्बैया द्वारा सह-निर्मित किया जा रहा है। सुमन रवि सागर द्वारा निर्देशित है और इसमें धर्मा कीर्तिराज, रजनी भारद्वाज, जायलीन गणपति और निमिका रत्नाकर मुख्य भूमिकाओं में हैं।

प्रियंका ने बेबी मालती के साथ बिताए खूबसूरत फल

बालीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर बेबी मालती के साथ अपना खूबसूरत पल शेयर किया, जिसे देखकर उनके फैंस भी इमोशनल हो गए। बेटी से मिलने की खुशी एक्ट्रेस की पोस्ट में साफ नजर आ रही है। मां बेटी की ये जोड़ी हर बार सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती है।बता दें कि सामने आई फोटो में प्रियंका और मालती प्लेपेन में नजर आ रहीं हैं। सिंपल ग्रे लाउंज सेट पहने हुए प्रियंका ने एक कार्डबोर्ड बॉक्स पकड़ा हुआ है। फोटो शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा, फिर से मिले... हमारे पास यहां क्या है एमएम (मालती मैरी)? हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में प्रियंका ने अपनी बेटी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि अभी, मेरी बेटी मेरी मां के साथ न्यूयॉर्क में है, शायद रात के खाने पर आइसक्रीम खा रही है, अपनी लाइफ का अच्छा समय बिता रही है, एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ को बराबर बैलेंस करती हैं।

कुंडली भाग्य फेम अंजुम फकीह ने कहा......मैं लेस्बियन नहीं हूं

मुंबई (ईएमएस)। खतरों के खिलाड़ी 13 की टीम साउथ अफ्रीका पहुंच चुकी है। कुंडली भाग्य फेम अंजुम फकीह भी रिऐलिटी शो का हिस्सा हैं। टीम के साथ उनकी अच्छी बॉन्डिंग दिख रही है। इसके पहले भी उनकी फीमेल को-स्टार्स से उनकी काफी नजदीकी रही है। इसकारण उन्हें अपनी कुछ तस्वीरों पर ट्रोलिंग भी झेलनी पड़ी। लोगों ने उन्हें लेस्बियन भी कहा। अब इस पर अंजुम ने बात की है। अंजुम ने बताया कि उन्होंने सुना है कि वह महिलाओं में इंट्रेस्टेड हैं। वह बोलती हैं, लोगों को लगता है कि मैं औरतों में इंट्रेस्टेड हूं। मुझे यह सुनकर अच्छा लगा। लेकिन क्लीयर कर दूं कि ऐसा नहीं है। कुंडली भाग्य में अंजुम श्रद्धा आर्या की बहन बनी हैं। उनकी एक तस्वीर काफी चर्चा में रही थी। इसमें श्रद्धा ने अंजुम के ब्रेस्ट पर हाथ रखा था। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके लेस्बियन होने की बातें इस तस्वीर आने के बाद से शुरू हुईं? इस पर अंजुम जवाब देती हैं, नहीं इससे काफी पहले से ही।

मैं अपनी गर्लफ्रेंड्स के काफी क्लोज हूं। कभी-कभी मैं उनके गाल के बजाय होंठों पर किस कर लेती हूं। यह मेरी पर्सनैलिटी है। और लोगों को लगता है कि मुझे लड़कियां पसंद हैं। ऐसा कुछ भी नहीं है। मैं अपनी गर्लफ्रेंड्स से बहुत प्यार करती हूं। अंजुम ने यह भी कहा कि किसी लड़की से अब तक उनका लिंकअप नहीं हुआ। अंजुम एक और इंटरव्यू यह भी बता चुकी हैं कि उन्हें ट्रोलिंग से फर्क नहीं पड़ता। श्रद्धा आर्या के साथ ब्रेस्ट वाली तस्वीर पर उनका कहना था कि यह लड़कियों के बीच बहुत कॉमन है। बहने और सहेलियां ऐसा करती हैं। इसमें कोई बड़ी बात नहीं थी।

डेब्यू से पूर्व युवा स्टार-किड्स छोड़ रहे है दर्शकों पर छाप

–अपने फैशन स्टाइल से बनाई खास जगह

मुंबई (ईएमएस)। अपने डेब्यू से पहले ही एक फैन-बेस बनाकर, युवा स्टार-किड्स अपने फैशन चॉइसेस के साथ दर्शकों पर अपनी छाप छोड़ रहे हैं। ये उभरते सितारों की युवा ब्रिगेड अपना बेस्ट देने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। रेड कार्पेट पर ग्लैम गाउन और ट्रेंडी आउटफिट्स से लेकर ब्रंच और डिनर आउटिंग, के लिए कैजुअल लुक के साथ स्टाइल गोल्स की पेशकश करते हुए, जेन-झेड सितारे शहर में सबसे हॉट ट्रेंड्स के ऑफिशियल फैशन गाइड हैं! सुहाना खान को न केवल सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी के रूप में जाना जाता है, बल्कि कल के उभरते सितारों में भी देखा जाता है। जोया अख्तर की द आर्चीज के रीमेक के साथ अपनी शुरूआत करने के लिए जल्द ही तैयार, सुहाना खान विभिन्न इवेंट्स और आउटिंग्स में अपने हाई-ऑन-फैशन ऑप्शंस के साथ दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं। ऑल डेनिम लुक्स से लेकर शानदार साड़ियों तक, सुहाना खान का सोशल मीडिया सभी युवा लड़कियों को फैशन टिप्स प्रदान करता है। खुशी कपूर का वेल क्यूरेटेड इंस्टाग्राम फीड किसी ऑन-ट्रेंड लुक बुक से कम नहीं है और आर्चीज स्टार ने अपने फैशन एक्सप्लोरेशन के साथ एक आश्चर्यजनक बदलाव किया है। यहां कुछ ऐसे लुक हैं जो अभिनेता ने तैयार किए हैं जो हमें मेजर फैशन गोल्स देते हैं और हमारे होश उड़ा देते हैं। बैगी डेनिम पैंट्स से लेकर रिस्की बॉडीकॉन ड्रेसेज तक, शनाया कपूर का क्लोसेट बहुत ही वसेर्टाइल है। प्रतिष्ठित संगीत निर्देशक राजेश रोशन की बेटी और सुपरस्टार ऋतिक रोशन की चचेरी बहन, पश्मीना रोशन वर्तमान में रमेश तौरानी की इश्क विश्क रिबाउंड के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत के लिए तैयार हैं। रोजमर्रा के फैशन के लिए सिंपल, ट्रेंडी और आकर्षक लुक के साथ रेड कारपेट और इवेंट्स के लिये शानदार और ग्लैमरस लुक्स के साथ हर बार स्पॉटलाइट चुराने के लिए, पश्मीना रोशन हर अवसर पर फैशन पुलिस को प्रभावित करने के लिए सही गाइड प्रदान करती है। हर लुक के साथ एक स्टेटमेंट बनाने वाली, पश्मीना रोशन निश्चित रूप से फैशनिस्टा हैं।

क्लो कार्दशियन का स्टाइलिश लुक हो रहा वायरन

हॉलीवुड एक्ट्रेस क्लो कार्दशियन ने अपनी कुछ स्टाइलिश लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। शेयर की गई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि क्लो ऑल ब्लैक लुक में नजर आ रही हैं। ब्लैक ट्रांसपेरेंट टॉप के साथ एक्ट्रेस ने मैचिंग कलर का पैंटसूट पहना है, जिसमें वह काफी स्टाइलिश लग रही हैं। इस लुक को उन्होंने नेक पर बारीक चेन और खुले बालों के साथ कंप्लीट किया है। अपने लुक से फैंस को इम्प्रेस करते हुए क्लो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं। बता दें क्लो कार्दिशियन हॉलीवुड इंडस्ट्री की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं। वह अपने काम के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 306 मिलियन फॉलोअर्स हैं। बता दें कि क्लो अपने लुक से फैंस का दीवाना बनाना अच्छे से जानती हैं।

असित मोदी पर फिर लगे गंभीर आरोप, एक्ट्रेस को दी थी करियर बर्बाद करने की धमकी

पॉपुलर सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' इस वक्त बड़े विवादों में फंसा हुआ है। अभिनेत्री जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल द्वारा इस धारावाहिक के निमार्ता पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के कुछ दिनों बाद, शो में 'बावरी' की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री मोनिका भदौरिया ने भी निमार्ता असित कुमार मोदी और परियोजना प्रमुख सोहिल रमानी पर उत्पीड़न के चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। 2013 से 2019 तक छह साल तक मोनिका ने इस हिट सीरियल में 'बावरी' का किरदार निभाया। अब उन्होंने 'तारक मेहता..' के मेकर्स पर आरोप लगाया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि उनके शो छोड़ने के बाद मेकर्स ने उन्हें एक साल की सैलरी देने से साफ मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि गुरचरण सिंह, जेनिफर मिस्त्री, राज अनादकट और शैलेश लोढ़ा जैसे शो छोड़ने वालों का भी यही हाल हुआ। असित मोदी को 'झूठा' बताते हुए मोनिका ने कहा कि असित मोदी और सोहेल रमानी सेट पर एक्टर्स की काफी बेइज्जती करते हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'उन्होंने मुझे इतना टॉर्चर किया कि मैं सोचने लगी कि यहां काम करने से अच्छा सुसाइड है। उन्होंने मुझे मानसिक रूप से काफी प्रताड़ित किया। वे मुझ पर चिल्लाते और गालियां देते थे। सोहिल कहते थे, हम आपको पैसे देते हैं। फिर हम जो कहें, वह आपको करना होगा।' एक्ट्रेस ने उन दिनों की घटना को याद किया, जब उनकी दिवंगत मां का कैंसर का इलाज चल रहा था। यहां तक कि जब उनकी मां अस्पताल में थीं, तब भी निमार्ता उन्हें सुबह जल्दी सेट पर आने के लिए कहते थे। उन्हें बिना काम के ही सेट पर बुला लिया जाता था। उस वक्त उनका कोई सीन भी नहीं था। उसने दावा किया है कि उसकी मां की मृत्यु के बाद भी असित मोदी ने उसे कभी फोन नहीं किया। मोनिका ने आरोप लगाया कि प्रोड्यूसर ने उनका करियर बर्बाद करने की धमकी दी थी। मोनिका ने कहा, 'असित कुमार मोदी ने मुझे मुंबई में काम न करने देने की धमकी दी थी। मैं पहले से ही अपनी मां को खोने के सदमे से गुजर रही थी और यहां वह मेरा करियर बर्बाद करने की धमकी दे रहे थे। इससे मेरे करियर पर काफी असर पड़ा। बाद में मुझे काम पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।'

देशद्रोहियों के खिलाफ बोलने से करोड़ों का नुकसान : कंगना

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर ट्विटर प्रमुख एलन मस्क का एक इंटरव्यू शेयर किया। जिसमें एलन मस्क ने कहा है कि मेरा जो मन करेगा मैं कहूंगा, फिर इसके नतीजे में भले ही क्यों न मुझे आर्थिक नुकसान उठाना पड़े। उन्होंने कैप्शन में लिखा, सच्ची आजादी और कामयाबी का यही कैरेक्टर है। हिंदुत्व के लिए बोलने, राजनेताओं, एंटी नेशनल्स, टुकड़े गैंग के खिलाफ बयान देने का नुकसान ये हुआ कि मुझे 20-25 ब्रांड के विज्ञापनों से हटाया गया। उन्होंने मुझे रातों रात निकाल दिया। इससे मुझे हर साल 30 से 40 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कंगना ने कहा कि उन्हें जो कुछ भी कहना है, उन्हें बोलने से कोई नहीं रोक सकता। मैं निश्चित रूप से एजेंडे से चलने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियों और उनके कॉपोर्रेट ब्रांड प्रमुखों के साथ काम नहीं चाहती, जो भारत की संस्कृति और अखंडता से नफरत करते हैं। मैं एलन की सराहना करती हूं, क्योंकि हर कोई केवल कमजोरियों को प्रदर्शित करता है, कम से कम अमीर व्यक्ति को पैसे की परवाह नहीं करनी चाहिए।

नीतू बनी आलीशान संपत्ति की मालकिन

अभिनेत्री नीतू कपूर मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके में स्थित एक आलीशान संपत्ति की मालकिन बन गई हैं। नीतू का नया फ्लैट सनटेक रियल्टी के सिग्निया आइल की 7वीं मंजिल पर स्थित है, और इसका निर्माण क्षेत्र 3,387 वर्ग फुट है। 4 बीएचके फ्लैट मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में है। हाउसिंग डॉट कॉम के अनुसार, संपत्ति की कीमत 17.4 करोड़ रुपये है और इसे 10 मई 2023 को पंजीकृत किया गया था। लेनदेन के लिए 1.04 करोड़ रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया गया था। यह केवल कृष्ण नोहरिया से खरीदी गई पुनर्विक्रय खरीद है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में नीतू कपूर बांद्रा के पाली हिल में कृष्णा राज बंगले में रहती हैं, जिसे वह दिवंगत पति ऋषि कपूर के साथ साझा करती थीं। पिछले महीने नीतू की बहू आलिया भट्ट के प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस ने बांद्रा के पाली हिल में 37.80 करोड़ रुपये का फ्लैट खरीदा था।

सूडोकु नवताल- 6438

★★★★★ कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6437 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7185

शब्दजाल में 'रा' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

गं	ल	जें	द्र	कु	मा	रा	श	न	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	रा	म	रा	ज	नी	ति	ल	ख	म
रा	स	स	क्ष	दि	वा	ज	ध	रा	श	दु
ज्य	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	म	झ	रा
पा	ल	ला	र	दि	म	रा	ती	चं	घ	ज
ल	व	रा	ज	तं	त्र	ह	ज	द्र	व	धा
श	एं	वा	ई	द	ब	गी	डू	ए	श	नी
मी	ड	ल	रा	व	ण	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	रा	ज	म	ह	ल	त	ब	प	म

राजतंत्र,राजनीति,राजधानी,राजमहल,
रामचंद्र,राक्षस,राहगीर,राज्यपाल,रावण,
राशन

शब्दजाल - 7184 का हल

प्र	क	ल	प्र	कृ	ति	र्ल	धी	प्र	ल	ज
र	जा	ल	दे	प्र	ता	प	इं	ति	ट	वा
त	स	ति	ल	र्म	छ	रा	रा	शो	ख	प्र
प्र	ज	ज	सु	पु	र	प्र	प	ध	ली	ति
म	ती	दो	ग	ल्ला	लं	णा	तू	गी	झ	कू
प्र	क	क्षा	प	ह	न	म	ना	ता	घ	ल
जा	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
प	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
ति	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	प्र	ख	र	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	प्र	का	श	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6138

	5	4	3			
	34		30		28	2
7		1	6		5	4
	25		33	6	41	
1	3	2		5	7	
	28	5	33		38	3
4			6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6137 का हल

7	2	1	6	3	5	4
2	34	7	30	4	28	2
6	5	4	3	2	7	1
3	30	6	32	6	39	5
1	3	2	4	5	7	6
5	28	5	33	7	38	3
4	5	3	6	1	2	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

मिस्बाह बोले– पाकिस्तान के पास वर्ल्ड कप जीतने का मौका : हमारे तीन बल्लेबाज आईसीसी वनडे रैंकिंग के टॉप–10 में, गेंदबाजी भी दमदार

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और पूर्व सिलेक्टर मिस्बाल उल–हक ने कहा कि उनकी टीम के पास आईसीसी वर्ल्ड कप जीतने का मजबूत मौका है। उन्होंने कहा– हमारे तीन बल्लेबाज आईसीसी वनडे रैंकिंग के टॉप–10 में शामिल हैं। हमारे पास गेंदबाजी के अच्छे विकल्प हैं। बस सही समय पर सही प्लानिंग की जरूरत है।

भारतीय विकेटों का पूरा फायदा उठाते हैं बल्लेबाज – पूर्व कप्तान मिस्बाह ने कहा– अच्छी बल्लेबाजी से भारत में जीत मिल सकती है। बल्लेबाज भारतीय विकेटों का पूरा फायदा उठाते हैं। हमारे बल्लेबाजों को वर्ल्ड कप में जाने से पहले कड़ी मेहनत करने और अच्छी योजना बनाने की जरूरत है। हमें अपनी टीम के लिए और ज्यादा वनडे मैचों का आयोजन कराने की जरूरत है।

भारत–पाक में क्रिकेट पर तल्खी – मिस्बाह ने यह बयान लाहौर में मीडिया से बात करते हुए दिया। उनका यह बयान उस समय आया है, जब भारत–पाकिस्तान में क्रिकेट को लेकर तल्खी बनी हुई है। दरअसल, सितंबर में एशिया कप होना है। आईसीसी ने इसकी मेजबानी पाकिस्तान को दी थी, लेकिन भारत ने पाकिस्तान में खेलने से मना कर दिया। इस पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और बोर्ड के कुछ अधिकारी वर्ल्ड कप खेलने भारत नहीं आने की धमकी दे चुके हैं।

अक्टूबर–नवंबर में भारत में होगा वर्ल्ड कप – वनडे वर्ल्ड कप इस साल अक्टूबर–नवंबर में भारत में खेला जाएगा। टूर्नामेंट 46 दिनों तक चलेगा और तीन नॉकआउट सहित 48 मैच खेले जाएंगे। इस बार वर्ल्ड कप में 10 टीमें भाग लेंगी। इसके मुकाबले भारत के 12 शहरों में आयोजित होंगे। ये मुकाबले दिल्ली, लखनऊ, चेन्नई, बेंगलूरु, धर्मशाला, गुवाहाटी, हैदराबाद, कोलकाता, इंदौर, राजकोट व मुंबई में खेले जाएंगे, हालांकि अभी यह तय नहीं किया गया है कि कौन से मैच किस मैदान पर खेले जाएंगे।

मिस्बाह का क्रिकेट करियर – मिस्बाह ने पाकिस्तान के लिए साल 2001 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट से अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। वहीं साल 2017 में वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने इंटरनेशनल करियर से संन्यास ले लिया। मिस्बाह ने पाकिस्तान के लिए खेलते हुए 75 टेस्ट मैचों में 5222 रन, 162 वनडे मैचों में 5122 रन और 39 टी–20 मैचों में 788 रन बनाए।

पाकिस्तान 1992 में जीता था वनडे वर्ल्ड कप – पाकिस्तान एक बार वनडे वर्ल्ड कप जीता है। उसने साल 1992 में इमरान खान की कप्तानी में वनडे वर्ल्ड कप जीता था। टीम ने 25 मार्च 1992 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर फाइनल में इंग्लैंड को हराया था। मिस्बाह पाकिस्तान टीम के कोच और मुख्य चयनकर्ता भी रहे हैं।

10 टीमें ले रही हैं हिस्सा – टूर्नामेंट (वर्ल्ड कप 2023) 46 दिनों तक चलेगा और तीन नॉकआउट सहित 48 मैच खेले जाएंगे। इस बार वर्ल्ड कप में 10 टीमें भाग लेंगी। इसके मुकाबले भारत के 12 शहरों में आयोजित होंगे।

न्यूज ब्रीफ

प्रथमेश ने दुनिया के नंबर एक तीरंदाज को हराकर जीता स्वर्ण, ओजस-ज्योति को भी गोल्ड मेडल

शंघाई । भारत के 19 साल के तीरंदाज प्रथमेश जावकर ने नीदरलैंड के विश्व में नंबर एक खिलाड़ी माइक श्लोएसर को उलटफेर का शिकार बनाकर यहां विश्व कप तीरंदाजी में पुरुषों के कंपाउंड में व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण पदक जीता। भारत ने गैर ओलंपिक स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते। ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेनम की भारत की मिश्रित टीम जोड़ी ने अपना करिश्माई प्रदर्शन जारी रखते हुए कोरिया की मजबूत टीम को हराकर विश्वकप में लगातार अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। भारत की इस जोड़ी ने अंताल्या में विश्वकप के पहले चरण में भी स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने दूसरे चरण में भी अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को 156–155 से पराजित किया। इससे पहले कोरिया के किम जोंघो और चोई योंगही को हराने वाले प्रथमेश ने चोटी के खिलाड़ियों को उलटफेर का शिकार बनाना जारी रखा तथा पुरुष कंपाउंड के व्यक्तिगत फाइनल में नीदरलैंड के खिलाड़ी को 149–148 से हराया। भारतीय खिलाड़ी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और दो बार के विश्व चैंपियन को हराने के लिए केवल एक अंक गंवाया। यह अंक उन्होंने पहले चरण में गंवाया जिसमें दोनों तीरंदाज ने समान 29 अंक बनाए थे। दूसरे, तीसरे और चौथे चरण में ही दोनों तीरंदाज सटीक निशाना लगाने में सफल रहे लेकिन पांचवें चरण में नीदरलैंड के 29 वर्षीय खिलाड़ी चूक गए जिससे प्रथमेश विश्वकप में अपना पहला स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे। इससे पहले ओजस और ज्योति की भारतीय जोड़ी तथा किम जोंघो और ओह योह्युन की अनुभवी कोरियाई जोड़ी ने पहले तीन चरण में समान 39 अंक बनाए. चौथे और अंतिम चरण में हालांकि कोरियाई टीम दबाव में आ गई और वह 38 अंक ही बना पाई जबकि भारतीय जोड़ी ने फिर से 39 अंक बनाकर लगातार दूसरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

जापान में गोल्डन ग्रां प्री 2023 एथलेटिक्स मीट में तीसरे नंबर पर आई शैली सिंह

योकोहामा। भारत की शैली सिंह जापान के योकोहामा में कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड इवेंट गोल्डन ग्रां प्री 2023 एथलेटिक्स मीट में महिलाओं की लंबी कूद इवेंट में तीसरे स्थान पर रहीं। शैली ने 2023 की अपनी पहली अंतरराष्टीय प्रतियोगिता में पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल करने के लिए 6.65 मीटर की विजयी छलांग लगाई। उनकी अन्य छलांगें 6.59 मीटर, 6.35 मीटर, 6.35 मीटर, 6.36 मीटर और 6.41 मीटर मापी गईं। जर्मनी की मैरीस लुजोलो ने 6.79 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता जबकि ऑस्ट्रेलिया की ब्रूक बुशकुहल ने 6.77 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। शैली का प्रदर्शन 2023 सीजन की ठोस शुरूआत के साथ आया है। इंडियन ग्रां प्री 4 में, 2021 अंडर–20 वर्ल्ड की रजत पदक विजेता ने 6.76 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाई, जो महान अंजू बॉबी जॉर्ज (6.83 मीटर) के बाद एक भारतीय महिला द्वारा दूसरी सर्वश्रेष्ठ छलांग है।

नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण में साई कोच पर केस, चुपचाप की गई थी समिति से शिकायत

गुवाहाटी। असम के सोललगांव में साई प्रशिक्षण केंद्र के एथलीटों ने प्रभारी और तैराकी कोच मृणाल बासुमतारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता एथलीटों में ज्यादातर नाबालिग लड़कियां हैं। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के मुताबिक, मामले की गंभीरता को देखते हुए बृहस्पतिवार को पलटन बाजार थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। साई यौन उत्पीड़न के मामलों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाती है। इसी का पालन करते हुए मामला दर्ज कराया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारे एथलीटों को न्याय मिले। गुवाहाटी में चयन ट्रायल के दौरान साई, प्रशिक्षण केंद्र सोललगांव के कुछ एथलीटों और उनके कोच की ओर से मामला प्रकाश में लाया गया था। मामले को नोडल खेल निकाय के क्षेत्रीय केंद्र की आंतरिक समिति को भेजा गया था ।

पहलवानों को आईपीएल मैच में दर्शकों के बीच बैठने से रोका, बजरंग–विनेश स्टेडियम से वापस लौटे

नई दिल्ली ।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीडन् के आरोपों में धरना दे रहे पहलवान चेन्नई सुपरकिंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मैच देखने अरुण जेटली स्टेडियम पहुंच गए। पहलवानों के पास मैच के पांच टिकट थे और स्टेडियम में दर्शकों के बीच बैठकर शांतिपूर्ण ढंग से अपनी लड़ाई को बयां करना चाह रहे थे, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उन्हें दर्शकों के बीच बैठने से रोक दिया। इसके बाद साक्षी मलिक, बजरंग, विनेश वापस लौट गए।

वीरेंद्र सहवाग गेट पर रोका – विनेश, बजरंग, साक्षी और उनके पति सत्यव्रत कादियां के अलावा धरना के मंच संचालक मंदीप के पास आठ से 10 नंबर गेट के टिकट थे। जब वे स्टेडियम की ओर प्रवेश कर रहे थे। उस दौरान पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पहले पुलिस ने उन्हें स्टेडियम में प्रवेश से रोक दिया। इस पर बजरंग ने कहा कि हमारे पास टिकट हैं आप हमें मैच देखने से नहीं रोक सकते हो। पुलिस थोड़ी देर असमंजस में पड़ी। इसके बाद पुलिस अधिकारी संजय कुमार जैन ने पांचों लोगों को वीरेंद्र सहवाग गेट पर लेकर गए। उन्होंने वहां उनके सामने प्रस्ताव रखा कि वे उन्हें पूरे सम्मान के साथ केबिन में बैठकर मैच दिखाएंगे। इस पर पहलवानों ने कहा कि वे स्टेडियम में दर्शकों के बीच बैठकर ही मैच देखेंगे। पुलिस इस पर राजी नहीं हुई। इसके बाद पहलवान वापस लौट गए।

केबिन में बिठाकर मैच दिखाने के लिए कहा – पहलवान जब वापस लौट रहे थे तो पुलिस ने उनसे कहा कि वे उन्हें मैच दिखाने ले चलते हैं। विनेश ने अमर उजाला से कहा कि उनका मकसद स्टेडियम में दर्शकों के बीच बैठकर अशांति फैलाना नहीं था। वे केवल शांतिपूर्ण ढंग से बैठकर मैच देखना चाह रहे थे। विनेश ने कहा कि उनके पास पांच टिकट थे। पुलिस ने सभी टिकट अपने पास रख लिए और उनसे केबिन में बैठकर मैच देखने के लिए कहा, लेकिन उन्हें दर्शकों के बीच बैठकर ही मैच देखना था। वहीं दिल्ली पुलिस अधिकारी आईपीएस संजय कुमार जैन ने कहा कि वे किसी तरह का जोखिम नहीं ले सकते थे। वह पहलवानों को मैच दिखाने के लिए तैयार थे, लेकिन उनके पास पांच टिकट थे और वे अपने साथ अन्य लोगों को भी ले जाना चाहते थे। वे ऐसा नहीं कर सकते थे।

धार्मिक स्थलों पर जा रहे हैं पहलवान – धरने पर बैठे पहलवान पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के धार्मिक स्थलों हनुमान मंदिर, बंगला साहिब गुरुद्वारा, राजघाट पर जाकर अपने संघर्ष को बयां कर रहे हैं।

मेरठ की पारुल ने 3000 मीटर स्टीपलचेज में जीता स्वर्ण, 9.41 मिनट में पूरी की रेस

न्यूयॉर्क । मेरठ की पारुल चौधरी ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता ट्रैक नाइट एनवाईसी में महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। 28 साल की पारुल का इस सत्र में यह पहला खिताब है। वह अमेरिका में अभ्यास कर रही हैं। उन्होंने नौ मिनट 41.88 सेकंड का समय निकाला जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नौ मिनट 38.09 से तीन सेकंड ज्यादा था। उन्होंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप के दौरान हासिल किया था। चौधरी ने इस महीने लास एंजिलिस में साउंड रनिंग ट्रैक महोत्सव में महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। अन्य भारतीय महिला एथलीट लिली दास ने विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर प्रतियोगिता में महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में चार मिनट 15.23 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया था।

अल–सल्वाडोर में फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़, 12 की मौत

स्टेडियम के एंट्री गेट के पास भीड़ ने कुचला, 90 लोग घायल; 500 को बचाया गया

सल्वाडोर।

सेंट्रल अमेरिका के अल सल्वाडोर में एक फुटबॉल मैच के दौरान भगदड़ मच गई। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक 90 से ज्यादा लोग घायल हैं, इनमें दो की हालत गंभीर है। 500 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अल सल्वाडोर में लोकल टीम का मैच था। इसी दौरान यह घटना हुई। मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर में एलियांज़ा और सेंटा एना की एफएएस सबसे लोकप्रिय फुटबॉल टीमों में शामिल हैं। इनके मैच को देखने के लिए कस्कटलान स्टेडियम के गेट पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। जानकारी के मुताबिक कुछ लोग जबरन स्टेडियम में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान भगदड़ मची।

जांच अधिकारियों के हवाले से भगदड़ मचने की वजह बताते हुए लिखा है कि दक्षिणी गेट पर कंप्यूटराइज्ड टिकट चेकिंग मशीन में खराबी आने की वजह से लोगों की लंबी लाइन लग गई। उसी समय कुछ लोग जर्बदस्ती घुसने की कोशिश करने लगे। इसी दौरान भगदड़ मच गई। जिसकी वजह से कुछ लोग नीचे गिर गए और उनके ऊपर से लोग जाने लगे। नीचे दबे हुए लोगों की दम घुटने की वजह से मौत हो गई। वहीं स्थानीय समाचार संगठनों ने सवाल उठाया है कि मैच के लिए सीटों से ज्यादा टिकट बेचे गए थे।

पुलिस ने घायलों की संख्या 500 से ज्यादा बताई – अमेरिका की नेशनल सिविल पुलिस ने ट्विटर पर पोस्ट कर 12 लोगों के मरने की पुष्टि की है। कई घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। वहीं रेस्क्यू कमांडो कार्लोस फ्यूएंटेस ने कहा कि 12 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, इनमें आठ पुरुष और चार महिलाएं हैं। हमने 500 लोगों को रेस्क्यू किया और 90 से ज्यादा लोगों को अस्पतालों भर्ती किया गया है। उनमें से कुछ गंभीर थे। मैच शुरू होने के लगभग 16 मिनट बाद यह हादसा हुआ, जिसके कारण खेल को रद्द कर दिया गया।

धोनी को फैन ने गिफ्ट किया चेपॉक स्टेडियम का मिनिएचर-मॉडलः इससे पहले माही ने दर्शकों में बांटी थी जर्सी और टेनिस बॉल

नई दिल्ली ।

एक फैन ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी को चेपॉक स्टेडियम का मिनिएचर मॉडल गिफ्ट किया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जहां एक फैन चेपॉक स्टेडियम का एक छोटा मॉडल धोनी को गिफ्ट में देते हुए नजर आ रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है, इस मॉडल को एक टेबल के ऊपर रखा गया है, और धोनी मुस्कुराते हुए इसके पास खड़े होकर इसे देख रहे हैं। धोनी ने अपने उस फैन के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई हैं। इस मॉडल को मिनिएचर वर्ल्ड मॉडल मेकर्स नाम के इस्टाग्राम पेज से शेयर किया गया है। बता दें, धोनी की कप्तानी में ष्टस्न्य चार बार चैंपियन बनी है। धोनी की चेन्नई इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में प्लेऑफ में प्रवेश कर चुकी है। टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को उसी के होमग्राउंड पर 77 रनों से हराया। अरुण जेटली मैदान पर चेन्नई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 223 रन बनाए। जवाब में दिल्ली के बल्लेबाज 20 ओवर में 9 विकेट पर 146 रन ही बना सके।

इस पहले, धोनी ने 14 मई को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में इस आईपीएल सीजन के आखिरी लीग स्टेज के मैच के बाद दर्शकों में जर्सी और टेनिस बॉल बांटकर उनका शुक्रिया कहा था। इस दौरान कमेंटेटर और पूर्व खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने भी अपनी शर्ट पर धोनी का ऑटोग्राफ लिए थे।

भारतीय महिला हॉकी टीम को दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने 3-2 से हराया, सीरीज में अजेय बढ़त बनाई

एडिलेड । भारत की ओर से संगीता कुमारी ने 13वें और गुरजीत कौर ने 17वें मिनट में गोल किया। आठवें नंबर की रैंकिंग वाली भारतीय टीम ने पहला मैच 2–4 से गंवाया था। भारत की ओर से संगीता कुमारी ने 13वें और गुरजीत कौर ने 17वें मिनट में गोल किया। आठवें नंबर की रैंकिंग वाली भारतीय टीम ने पहला मैच 2–4 से गंवाया था। इस साल होने वाले एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ भी मैच खेलेगी।

मुझे गर्व है कि भारत अब अलग मानसिकता के साथ खेलता है : इगोर स्टीमाक

नई दिल्ली।

भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टीमाक, जो 1998 विश्व कप की प्रसिद्ध क्रोएशियाई टीम का हिस्सा थे, ने ब्लू टाइगर्स के साथ अपना चार साल का कार्यकाल पूरा कर लिया है। पूर्व सेंटर बैक को लगता है कि चार साल की कड़ी मेहनत के बाद वह गर्व से कह सकते हैं कि टीम अब अलग मानसिकता के साथ खेल खेलती है। स्टीमाक ने कहा, हमारे पास बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी हैं, जिन्हें हमने पिछले चार वर्षों में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय अनुभव के साथ पेश किया है। मैंने अभी ब्लू टाइगर्स के साथ चार साल पूरे किए हैं। यात्रा कई बार कठिन रही है, लेकिन कुल मिलाकर, यह एक अद्भुत यात्रा रही है। कार्यभार संभालने के बाद मैंने जो कार्य स्वीकार किया, वह चुनौतीपूर्ण था, क्योंकि फुटबॉल में बड़े बदलाव के लिए बहुत कुछ चाहिए। आज, मैं गर्व से कह सकता हूं कि हम एक अलग मानसिकता के साथ खेलते हैं। हमारे पास बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी भी हैं, जिन्हें हमने पिछले चार वर्षों में पेश किया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में मेरे लिए कुछ दिलचस्प क्षण भी थे,

जैसे कि कोलकाता में एशियाई कप क्वालीफायर और मणिपुर में हाल ही में हीरो त्रि–राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट, जहां हमें अद्भुत समर्थन मिला और हमने गुणवत्तापूर्ण फुटबॉल खेला। स्टीमाक इस विचार को नहीं मानते हैं कि राष्ट्रीय टीम केवल समान या निचली रैंक वाली टीमों के साथ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेल रही है, उन्हें लगता है कि गुणवत्ता वाले पक्षों के साथ खेलों की व्यवस्था करना मुश्किल है। मैं इस तरह के बयानों से सहमत नहीं हो सकता। हमने ओमान, बेलारूस, बहरीन, यूएई, जॉर्डन, किर्गिस्तान और वियतनाम जैसी कई बेहतर रैंक वाली राष्ट्रीय टीमों के खिलाफ दोस्ताना मैच खेले। हम हमेशा बेहतर टीमों के खिलाफ खेलने का इरादा रखते हैं, लेकिन इसकी व्यवस्था करना बहुत मुश्किल है। क्योंकि वे भी बेहतर टीमों के खिलाफ खेलकर सुधार करना चाहते हैं। पूर्व सेंटर बैक ने यह भी स्वीकार किया कि वह इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते कि राष्ट्रीय टीम को पहले कौन छोड़ेगा, उनके कप्तान सुनील छेत्री या खुद। उन्होंने कहा, मुझे ईमानदार होना है, मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता, क्योंकि जहां तक मेरा सवाल है, मैं राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहने से पहले ही निकल जाऊंगा। लेकिन हमने कई बार साबित किया है कि टीम प्रयास से हम कर सकते हैं। हमारे प्रिय कप्तान के उपलब्ध न होने पर भी सफल हों और परिणाम प्राप्त करें। हमने उनके बिना किंग्स कप में थाईलैंड को उनके टर्फ पर हराया, और 2022 विश्व कप क्वालीफायर के दौरान कतर को एक शानदार खेल में दूर रखा। हमने सुनील के बिना ओमान को 1 : 1 से भी हराया। मनवीर, रहीम और इशान वहां अपने मौके का इंतजार कर रहे हैं।

करन से लेकर ब्रूक तक, अपेक्षाओं के बोझ से महंगे खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रभावित

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फ्रेंचाइजी हर बार विदेशी खिलाड़ियों से जिताने वाले प्रदर्शन की उम्मीद में उन पर काफी पैसा खर्च करते हैं। लेकिन साल दर साल यह साबित हो गया है कि ये महंगे क्रिकेटर अपने ऊंचे प्राइस टैग के बोझ तले टूट जाते हैं और धन वर्षा करने वाले इस लीग में प्रदर्शन करने में असफल होते हैं ।खिलाड़ियों के लिए प्रति निष्पक्षता बरतते हुए नीलामी का रास्ता अपनाया गया है जिसमें उनकी कीमत अक्सर मांग एवं आपूर्ति के अनुसार तय होती है। किसी खिलाड़ी को कितनी कीमत मिलेगी इस पर उसका कोई नियंत्रण नहीं होता। उसे सिर्फ अपना बेस प्राइस (न्यूनतम कीमत) तय करने का अधिकार होता है। एक बार जब नीलामी प्रक्रिया समाप्त हो जाने के बाद आदर्श स्थिति में इन पेशेवरों को वास्तविकता को स्वीकार कर अपने फ्रेंचाइजी के लिए मैच जिताने वाले प्रदर्शन पर फोकस करना चाहिए। लेकिन आईपीएल के इतिहास देखें तो ज्यादातर मौकों पर महंगे बिकने वाले खिलाड़ी अक्सर अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। आईपीएल 2023 सीजन में भी वही कहानी दोहराई गई। आईपीएल फ्रेंचाइजी ने सैम करन, कैमरन ग्रीन, बेन स्टोक्स, हैरी ब्रूक और मयंक अग्रवाल जैसे खिलाड़ियों पर काफी पैसा खर्च किया लेकिन उनका प्रदर्शन सामान्य रहा है।

सैम करन - 18.50 करोड़ रुपये (पंजाब किंग्स) - सैम करन, जिन्हें पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने साइन किया था, 2023 की नीलामी के दौरान आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी थे। वह टी20 विश्व कप 2022 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे। फाइनल में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी मिला था जहां इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को हराया था। इन उपलब्धियों के बाद आईपीएल नीलामी में वह आकर्षण का केंद्र थे। लिहाजा पंजाब को करन से काफी उम्मीदें थीं।

इंग्लैंड के इस ऑलराउंडरने भी सीजन के पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया। यहां तक कि उन्होंने नियमित कप्तान शिखर धवन की अनुपस्थिति में टीम का नेतृत्व भी किया और महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। हालांकि, दूसरे हाफ में उनका प्रदर्शन, विशेषकर गेंदबाजी में, सुस्त पड़ गया।

आईपीएल 2023 के 14 मैचों में करन ने 27.60 की औसत और 135.96 की स्ट्राइक रेट से 276 रन बनाए। गेंदबाजी में वह सिर्फ 10 विकेट लेने में सफल रहे।

कैमरन ग्रीन - 17.50 करोड़ रुपये (मुंबई इंडियंस) - ग्रीन को आईपीएल 2023 की नीलामी में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने साइन किया। वह इस सीजन के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। इस 23 वर्षीय क्रिकेटर ने नवंबर 2022 में भारत के खिलाफ दो अर्धशतक - 30 गेंदों पर 61 रन और 21 गेंदों पर 52 रन - बनाए थे, जिससे आईपीएल फ्रेंचाइजी उनके पीछे पागल हो गईं। इस ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के प्रदर्शन में लगातार उतार–चढ़ाव बना रहा। हालांकि उसे पूरी तरह से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि मुंबई इंडियंस ने अपने बल्लेबाजी क्रम के साथ बहुत ज्यादा प्रयोग किए हैं।

बेन स्टोक्स - 16.25 करोड़ रुपये (चेन्नई सुपर किंग्स) - एक और बड़ा नाम जो उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका, इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान स्टोक्स का है। कोई यह तर्क दे सकता है कि चोटिल होने से पहले उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए सिर्फ दो मैच खेले थे। लेकिन उन दो मैचों में भी उन्होंने मात्र 15 रन बनाए और केवल एक गेंद फेंकी।

हालांकि वह टूर्नामेंट के बाद के हिस्से में फिट हो गए, लेकिन स्टोक्स को सीएसके प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। वह हुए टीम के आखिरी लीग मैच के बाद आयरलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की टेस्ट टीम में शामिल होंगे और प्लेऑफ के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

हैरी ब्रूक - 13.25 करोड़ रुपये (सनराइजर्स हैदराबाद)- इंग्लैंड के लिए उनके बल्ले की चमक को देखते हुए सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) प्रबंधन को ब्रूक से काफी उम्मीदें थीं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैच के दौरान 55 गेंदों में आईपीएल 2023 का पहला शतक भी लगाया, जिसमें 12 चौके और तीन छक्के शामिल थे। लेकिन उस प्रदर्शन के बाद वह बुरी तरह विफल रहे। टीम प्रबंधन ने बल्लेबाजी क्रम में उन्हें अलग–अलग जगहों पर उतारा, लेकिन फिर भी कोई सफलता नहीं मिली, जिसके कारण उन्हें अंतिम एकादश से बाहर होना पड़ा।

डिंपल भी कुछ कहता है...

मुस्कराते या हंसते समय गालों में गड्ढ़े यानी डिंपल पड़ते हैं उन्हें ब्यूटी स्पॉट के तौर पर देखा जाता है। वैसे तो ये गड्ढ़े लड़के और लड़कियों के समान रूप से पड़ते हैं लेकिन लड़कियों के बारे में शास्त्रों और पुराणों के हैरान करने वाले मत हैं। विष्णु पुराण में बताया गया है हंसते वक्त जिन कन्याओं की गालों में गड्ढ़े पड़ते हैं वे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतित करती हैं। पति-पत्नी के संबंधों में लव, केयर और रोमांस हमेशा बना रहता है लेकिन ससुराल से संबंधित एक मामले में डिंपल अशुभ माना जाता है। पुराणों में वर्णित है गालों में गड्ढ़े पड़ने वाली लड़की की सास स्वर्गवासी होती है और अगर हो भी तो सास-बहू का साथ अधिक दिनों तक नहीं रहता। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शुक्र अर्थात वीनस को स्त्री, विवाह सुख, आभूषण, भौतिक सुख सुविधाओं का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र ग्रह से लव रिलेशनशिप, परफ्यूम, इत्र, अच्छे कपड़े, सुन्दरता, सजावट, नृत्य, संगीत, गाना बजाना, विलासिता, कलात्मक गुण, आदि गुण देखे जाते हैं। लाइफ पार्टनर से सुख कुंडली में शुक्र की स्थिति पर निर्भर करता है। शुक्र का शुभ प्रभाव व्यक्ति को रोमांटिक बनाता है। ज्योतिषशास्त्री कहते हैं कि जन्म से ही गालों में गड्ढे होने से शुक्र मजबूत स्थिति में होता है।

किस दिन कैसे मोजे पहने...?

शास्त्रों में शनि को सबसे असाधारण ग्रह कहा गया है। जो समय आने पर व्यक्ति को रंक से राजा और राजा से रंक बना देता है। कई ज्योतिषविदों और दर्शन शास्त्रीयों ने शनि को क्रूर, पापी निर्दयी ग्रह कहकर संबोधित किया है लेकिन शिव भक्त शनिदेव भगवान शंकर द्वारा निहित जगत के न्यायाधीश हैं जो व्यक्ति को उसके कर्म अनुसार फल देते हैं। शास्त्रों ने शनि की कृपा प्राप्त करने के लिए कुछ सरल और आसान उपाय बताएं हैं जिसके पीछे बहुत गहन अध्ययन और वैज्ञानिक कारण भी हैं। कुछ विशेष उपाय अपनाकर शनि कृपा पाई जा सकती है

- शनिवार को पांव में काले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव सातवें भाव में आ जाता है।
- बुधवार के दिन नीले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव भाग्य को प्रबल कर देता है।
- मंगलवार के दिन सफेद मोजे शनि के प्रभाव में तेजी लाते हैं और कारोबार में बढ़ौतरी होती है।
- रविवार को खाकी मोजे पहनने से व्यक्ति को अकस्मात अर्थिक लाभ मिलता है।
- सोमवार को लाल मोजे पहनने से शनि व्यक्ति को आत्मशांति प्रदान करते हैं।
- गुरूवार के दिन हरे मोजे पहनने से व्यक्ति चिंताओं से मुक्ति पाता है।
- शुक्रवार को ग्रे रंग के मोजे पहनने से व्यक्ति को दलाली के कामों में सफलता मिलती है।

अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो वह मिट जाएगा और सच सामने आ जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह झूठ का जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

ईमानदार होना मुश्किल क्यों...?

कई ऐसे सच होते हैं, जिनके दूसरों के सामने आने से हम डरते हैं। कभी-कभी तो खुद भी स्वीकार नहीं करते। ये राज भीतर ही भीतर हमें खाए जाते हैं। हम दोहरी जिंदगी जीते चले जाते हैं। बात छोटी हो या बड़ी, ये छोटे-बड़े झूठ हमें मुक्त नहीं होने देते, हमें डराते हैं, हमें कमजोर बनाए रखते हैं। बहुत से लोग हैं, जो दोहरी जिंदगी जीते हैं और बनावट की चादर ओढ़कर खुद में घुटते रहते हैं। एक कहावत आपने सुनी ही होगी- 'सच छिपता नहीं बनावट के उसूलों से, झूठ बिकता नहीं झूठी दलीलों से', यानी सच पर कितने ही पहरे बिठाए जाएं, वह एक न एक दिन बाहर आ ही जाता है। जीत हालांकि सच की ही होती है, लेकिन किस कीमत पर? किसी बात को अपने भीतर छिपाने की शर्म बीमारी, डिप्रेशन, चिंता, गुस्सा या किसी और दर्दनाक तरीके से अभिव्यक्त होती है। किसी भयानक राज को खुद तक सीमित रखना भी खुद को सजा देना जैसा है। अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, आधा सच ही बयां कर रहे हैं, तो यह जिंदगी को खुशमिजाजी और जिंदादिली से जीने में कहीं न कहीं जरूर रुकावट डालेगा। आखिर ईमानदार होना इतना मुश्किल कैसे हो जाता है, जबकि हम सभी सच की अहमियत से वाकिफ हैं। हम सभी बचपन से सच बोलने के आदर्श पाठ सुनते आए हैं, लेकिन फिर भी हम झूठ बोलते ही रहते हैं।

बड़ों की राह पर बच्चे भी

बच्चे मन के सच्चे होते हैं, हमें भले ही लगे कि हम उन्हें धोखा दे रहे हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। वे हमारे झूठ पहचान लेते हैं और किसी मुश्किल में पड़ने पर वे भी इसी आसान राह पर चलने का प्रयास करते हैं। बच्चे निश्छल होते हैं, इसलिए झूठ बोलते समय सकुचाते भी हैं। पर बड़े माहिर हो जाते हैं। झूठ की बुनियाद पर बहुत से लोग बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर देते हैं और सच उनके डर व अहंकार के नीचे कहीं दब सा जाता है।

ऐसे मिलेगा सुकून

हम क्या हैं, यह साफगोई से बता देने में भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी होती हैं। कड़वे सच न पचा पाने वाले अक्सर ऐसे लोगों को नकारते हैं, उनका विरोध करते हैं और कई बार उनकी जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। लेकिन इन मुश्किलों के बावजूद सच छिपाना इंसान के लिए कहीं ज्यादा मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी ऐसी स्थिति भी आती है कि झूठ का बोझ उठाकर लोग इतना उकता चुके होते हैं कि वे हर कीमत पर सच बयां कर देना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में लगता है कि सिर्फ सच बयां करके ही सुकून मिलता है। पर आप सच के साथ खड़े हों, भले ही इसके कारण आपको शर्मिंदगी महसूस हो, आपकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाए या फिर आपको इसकी सजा मिले। ऐसा इसलिए, क्योंकि सच बोलने के साथ दिल का बोझ खत्म होने से आपका दुःख भी बहुत हद तक हल्का हो जाता है। आप तकलीफ सहने के लिए खुद को सक्षम बनाने लगते हैं।

कर लें खुद को तैयार

अगर आप महीनों से या सालों से किसी राज को खुद में दफन कर जी रहे हैं, तो आप सच को किस तरह स्वीकार करेंगे और उसे अपनी जिंदगी में पनाह देंगे? यह बहुत कुछ आपके राज या झूठ की गहराई पर निर्भर करता है। लंबे वक्त तक किसी झूठ को जीना जैसे कि किसी का सामान चुराना या किसी को धोखा देना जैसी चीजों को स्वीकार करने के लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करने की जरूरत होती है। झूठ चाहे छोटा हो या बड़ा, उससे अपनी शख्सियत को पूरी तरह मुक्त कर लेने पर ही आजादी और सुकून मिलता है।

जल्द स्वीकार करें

अगर आपने झूठ बोला है तो जल्द से जल्द उसे स्वीकार कर लें और उसके लिए माफी मांग लें। सच की बुनियाद आपके अंदर साहस पैदा कर आपको अंदर से मजबूत बना देगी। अगर आपको लगता है कि आपके सच बोल देने से किसी इंसान की जिंदगी बर्बाद हो सकती है तो आप किसी सलाहकार की मदद लें कि आपको सच बताना चाहिए अथवा नहीं। अगर हकीकत किसी को जिंदगी भर के लिए दर्द दे सकती है तो उसे उस व्यक्ति को जाहिर न करना ही उचित है, लेकिन स्वयं आपके लिए किसी सलाहकर से यह सच बांटना बेहद जरूरी है।

खुद को तलाशें

अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं तो उचित यह होगा कि आप खुद को तलाशें और खुलकर अपनी असल शख्सियत दूसरों के सामने जाहिर करें। आप खुद से सवाल करें कि आपको क्या अच्छा लगता है और क्या अच्छा नहीं लगता, क्या सच लगता है और क्या झूठ, किस चीज से आपको खुशी और ऊर्जा मिलती है और किस चीज से आप दूर रहना चाहते हैं। इससे आपकी तमाम दुविधाएं दूर हो जाएंगी। यह भी सच है कि कृत्रिम, भौतिकवादी और अहंकार को तुष्ट करने वाले जीवन से कभी संतोष नहीं मिल सकता।

तो होंगे गंभीर परिणाम

अगर आप झूठ बोलकर किसी का फायदा उठा रहे हैं तो झूठ बोलने की तरह इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं और आपका आत्मसम्मान दांव पर लग सकता है। झूठ के दलदल में फंस जाने के बावजूद सच के उजाले को खुद तक पहुंचने दीजिए, यह किसी ठंडी छांव की तरह आपको तरावट दे जाएगा। जिंदगी में कभी ऐसे मौके भी आते हैं, जब झूठ का सहारा लेना जरूरी हो जाता है। अगर झूठ बोलने से किसी की जिंदगी बचाई जा सके, किसी को हताशा के अंधकार में डूबने से बचाया जा सके, नाउम्मीद हो चुके इंसान के अंदर जीने की ललक जगाई जा सके, तो ऐसा झूठ बोलना बुरा नहीं है।

मजबूत लोग

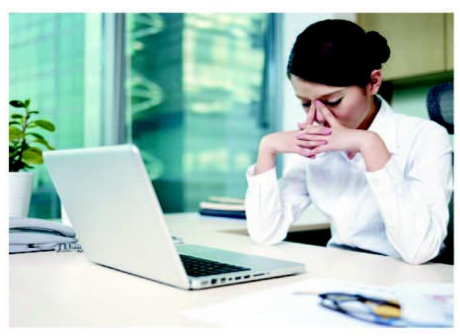

चोट अगर हाथ में लगी है तो घाव भी हाथ का ही साफ करना होगा, पैर का नहीं। गड़बड़ी यदि भीतर की है तो दुनिया को चुप कराने से क्या हासिल होगा। मान-अपमान जब अपने मन में है तो समाधान भी वहीं ढूंढ़ना होगा। - कई बार मजबूत बनना ही जिंदगी को आगे बढ़ाने का एकमात्र विकल्प होता है। हर दिन जीवन को साधने का संघर्ष करना ही पड़ता है। ऐसे में मजबूत अपने दर्द व आंसुओं को छुपाने वाले नहीं, उन्हें गले लगाने वाले होते हैं। जो दर्द महसूस करते हैं, उसे समझते हैं और उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं। किसी ने कहा है कि अक्सर सुबह मजबूत दिख रहे लोग वे होते हैं, जिनकी रात रोते हुए बीती होती है।

घाटे के सौदे

कई लोग छोटी बातों पर शोर मचाने लगते हैं और बड़ी बातों पर चुप रह जाते हैं। छोटे से लाभ के फेर में अक्सर घाटे के सौदे कर लेते हैं। चंद जरूरतें, स्वार्थ और डर के पिंजरे में खुद को कैद रख हर रोज कई खुशियों की तिलांजलि दे रहे होते हैं। जर्मन मूल के अमेरिकी उपन्यासकार चार्ल्स ब्यूकोस्की कहते हैं कि बड़े अजीब हैं हम। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा होते रहते हैं।

झूठ के लिए करना पड़ती है मेहनत...

झूठ एक विशेष योग्यता है। अगर आपको झूठ का जाल बुनना है, तो आपको बहुत कुछ करना पड़ता है। सत्य वह है, जिसे कोई निपट मूर्ख भी कर सकता है, क्योंकि इसमें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होती। सत्य को बनाए रखने की जरूरत नहीं होती, जबकि असत्य की काफी देखभाल करनी पड़ती है। इसके लिए आपके पास काबिलियत होनी ही चाहिए। असत्य की जड़ क्या है? कहां से वो सारी चीजें शुरू होती हैं, जो सत्य नहीं है? दरअसल, जब सूक्ष्म व अभौतिक, भौतिक के संपर्क में आता है तब असत्य शुरू होता है। सूक्ष्म- जो भौतिक नहीं है, कुछ समय तक भौतिक के संपर्क मे रहने के बाद यह मानने लगता है कि यह भौतिक ही है। इस दुनिया में रहने वाला कोई भी आध्यात्मिक इंसान कुछ समय के बाद यह सोचने लगता है कि वह एक सांसारिक प्राणी है, जो आध्यात्मिक होने की कोशिश कर रहा है। सच तो यह है कि आप आध्यात्मिक होने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि आप आध्यात्मिक ही हैं। समय के साथ-साथ आपने सांसारिक वस्तुओं को इकट्ठा कर लिया और अब आपको लगता है कि आप सांसारिक हैं। यह एक झूठ है। आप आध्यात्मिक ही हैं। आप कुछ और नहीं हो सकते।

पहचान बना लेना

अगर कुल मिलाकर देखें तो समस्या पहचान बनाने की है। आप किसी चीज के साथ अपनी पहचान बना लेते हैं और दिमाग का स्वभाव कुछ ऐसा है कि इसे आप जो भी पहचान देंगे, यह भरोसा करने लगता है कि यह वही है। अगर आप खुद को मोर मान लेंगे तो आप उसी की तरह व्यवहार करने लगेंगे। आपका दिमाग आपको यह भरोसा दिला देगा कि आप वही हैं। एक बार अगर पहचान बन गई तो असुरक्षा की भावना आ जाएगी, क्योंकि झूठ की हमेशा रक्षा करनी पड़ती है और उसका पोषण भी करना पड़ता है। अगर आप किसी से झूठ बोलते हैं तो आपको हर पल उस झूठ को याद रखना पड़ता है, क्योंकि अगर आपसे किसी ने अचानक कुछ पूछ लिया तो आप कहीं कुछ और न बता बैठें।

याद रखना पड़ता है झूठ

अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो यह मिट जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

जितना जूझेंगे उतना उलझेंगे

झूठ से आप कैसे जूझेंगे? आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। जैसे ही आप अपनी पहचान बना लेते हैं, आपका दिमाग उसके इर्द-गिर्द काम करने लगता है और असत्य का एक जाल बुन लेता है, ऐसी चीजों का जाल जिनका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं, बल्कि यों कहें कि जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। अगर कल सुबह आप कहें क्या आपने लाल मोर देखा? देखा आपने लाल मोर? आप इस बात को बार-बार कहिए और फिर देखिए लोग लाल मोर देखना शुरू कर देंगे। दिमाग का स्वभाव ही ऐसा है कि आप इससे कुछ भी मनवा सकते हैं। यह दिमाग की खूबसूरती भी है और यही इसका खतरा भी। यह खुद अपनी एक दुनिया रच लेता है। अगर यह काम सचेतन होकर किया जाए तो यह दुनिया बड़ी खूबसूरत होगी और अगर आप इसके जाल में फंस गए तो यह बहुत भद्दी होगी।

पानी के चौकाने वाले तथ्य...

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरूकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले खतरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अतः प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गंवाएं यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवश्यक है।

पानी की बर्बादी

मुंबई में रोज वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।

कितना पानी काम का

हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वां हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वां हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ-सफाई में खर्च करते हैं।

भारत और इजराइल

इजराइल में औसतन मात्र 10 सेंटीमीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।

पानी के लिए हत्याएं

पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं। भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है। पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

कितना पानी खर्च

यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पांच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बर्बाद होता है। बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है। विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।

नदियों में प्रदूषण

प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। नदियां पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहां एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं वही कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।

कितना पानी चाहिए

पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए। 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है। एक किलो गेहूं उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

आलस्य से निपटना जरूरी...

आलस्य क्या है, असलियत में थकने से पहले थक जाना, कुछ नया करने से बचना, अनावश्यक रूप से धैर्यवान होना या फिर चीजों को टालते रहने की एक प्रवृत्ति। वैसे आलस कुछ और नहीं खुद से अनजान होना भी है और अगर आप अपने जरूरी काम आसानी से पूरे कर लेते हैं, तो आलस जिंदगी को सुकून से जीना और अपने हर काम को आनंद से करना भी है।

आलस दो तरह का होता है। पहला, आप पहले मेहनत करके अपना काम पूरा करते हैं और फिर कुछ समय बिना कुछ किए आलस में बिताना चाहते हैं। दूसरा, जहां जब कुछ करने के लिए कोई प्रेरणा ही नहीं होती। आप कुछ न कर पाने के कारण बेचैन तो रहते हैं, पर वह जोश नहीं होता जो काम तक ले जाए। आप जानते ही नहीं कि क्या करना चाहते हैं? इस हाल में लंबे समय तक हमारा कुछ न करना, कामों को टालना, रोजमर्रा के कामों को मजबूरी मानते हुए करना और कुछ नहीं धीरे-धीरे पल रही निराशा का संकेत है। इससे आप अपना समय कम मेहनत वाली और उबाऊ चीजों में बिताने लगते हैं। इस आलस्य से निपटना बेहद जरूरी है।

विशेषता, चुनाव या बहाना?

मनोविज्ञान के अनुसार, व्यक्तित्व केवल गुण और दोष से मिलकर नहीं बनता। हमारी जरूरत, काम, मकसद और मंजिल भी इससे जुड़े होते हैं। जो है, केवल वह नहीं, जो कर रहे हैं वह भी व्यक्तित्व है। ऐसे में यह सोचना होता है कि आलस, विशेषता है, चुनाव है या फिर बहाना। साइकोएनालिटिक साइकोथेरेपिस्ट कहते हैं कि आलस की जरूरत से ज्यादा आलोचना की जाती है। आलसी का ठप्पा लगा देने से इस बात को समझने में कतई मदद नहीं मिलती कि कोई व्यक्ति क्यों वह काम नहीं कर रहा, जो वह करना चाहता है या उसे करना चाहिए।

कई तरह के छिपे डर

साइकोथेरेपिस्ट आलस के पीछे कई तरह के छिपे डर भी बताते हैं। कुछ न करना, असफल व सफल होने का डर, दूसरों की अपेक्षाएं, असंतुष्टि, प्रेरणा की कमी व बहस बाजी से बचने की कोशिश में ओढ़ा गया लबादा भी होता है। इस तरह आलस को समस्या मानने की जगह उसे अन्य समस्याओं के लक्षण के तौर पर समझना चाहिए। यह इस ओर भी इशारा करता है कि आप सोचते हैं कि स्थितियों को बदला नहीं जा सकता।

वजह को ढूंढना जरूरी

यह सच है कि आलस की वजह को न ढूंढना और लंबे समय तक जरूरी कामों से बचते रहना करियर, रिश्तों और जिंदगी के रस को कम कर सकता है। एक समय के बाद लगातार काम करते रहने से बचना खुशी से ज्यादा दर्द देने लगता है। धीरे-धीरे बचे हुए कामों का ढेर आपको अपने बारे में, अपने कामों और रिश्तों बारे में खराब महसूस कराने लगता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**